आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in
Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,गुरुवार 23 जुलाई 2026 ■ आषाढ़, शुक्ल पक्ष-8 ■ वर्ष -42 ■ अंक-116 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 24 जुलाई 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

पेपर लीक मामले की फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी सुनवाई: मोदी

नई दिल्ली,23 जुलाई। देशभर में प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक के मामलों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि अब पेपर लीक से जुड़े मामलों की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराई जाएगी, ताकि दोषियों को जल्द और कड़ी सजा मिल सके। प्रधानमंत्री ने संबंधित विभागों और अधिकारियों को इस फैसले को जल्द लागू करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश भी दिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर जारी अपने संदेश में कहा कि देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक जैसी घटनाएं मेहनत करने वाले लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करती हैं, इसलिए ऐसे मामलों में त्वरित न्याय सुनिश्चित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन का उद्देश्य लंबित मामलों का जल्द निपटारा करना और दोषियों को कठोर सजा दिलाना है। इससे जांच और न्यायिक प्रक्रिया में तेजी आएगी तथा ऐसे अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि फास्ट ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था लागू करने के लिए आवश्यक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रियाएं जल्द पूरी की जाएं। उन्होंने इसे छात्रों के हितों की रक्षा के लिए सरकार द्वारा उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम बताया। अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने स्पष्ट चेतावनी भी दी कि जो लोग युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करेंगे, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार पेपर लीक जैसी घटनाओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है और दोषियों को कानून के मुताबिक सख्त सजा दिलाई जाएगी। पिछले कुछ समय में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं के मामलों को लेकर देशभर में छात्रों का आक्रोश देखने को मिला है। विपक्ष भी इन मुद्दों को लेकर सरकार पर लगातार हमलावर रहा है। ऐसे माहौल में प्रधानमंत्री का यह ऐलान छात्रों और अभ्यर्थियों के लिए एक अहम कदम माना जा रहा है। सरकार का मानना है कि फास्ट ट्रैक कोर्ट बनने से पेपर लीक के मामलों का तेजी से निपटारा होगा, दोषियों को समय पर सजा मिलेगी और परीक्षा प्रणाली में छात्रों का भरोसा और मजबूत होगा।

दोषियों को जल्द और कड़ी सजा का ऐलान

कार पेड़ से टकराई,दो की मौत

■ तरुण छत्तीसगढ़

भिलाई नगर 23 जुलाई। इस्पात नगरी भिलाई के सेंट्रल एवेन्यू रोड पर आज तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि तेज रफ्तार कार सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। टक्कर की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और भिलाई नगर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों युवकों को कार से बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस्पात नगरी भिलाई में सुबह-सुबह सड़क हादसे में कार में सवार दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई दोनों युवक सेक्टर 6 के रहने वाले बताए जाते हैं सड़क हादसा सेंट्रल एवेन्यू मार्ग पर सुबह 4:00 बजे के करीब गुंडिचा मंडप के सामने सेक्टर 9 से सेक्टर 6 की ओर जा रही सड़क पर हुई कार क्रमांक CG 07 MB 5986 को कार सवार युवक सड़क के किनारे पेड़ को जाकर ठोक दिया कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि युवक कार को कंट्रोल नहीं कर पाए और दुर्घटनाग्रस्त हो गए कार में शराब की बोतले नमकीन मिला है। भिलाई नगर पुलिस मामले की जांच कर रही है.जानकारी के अनुसार सुबह 4:00 बजे सेंट्रल एवेन्यू मार्ग पर सेक्टर 9 की ओर से तेज रफ्तार से आ रही कार क्रमांक CG 07 MB 5986 पुलिस पेड़ से जा टकराईं कार में सवार दोनों युवकों की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई सूचना पर पहुंची 112 की टीम ने दोनों युवकों को अस्पताल ले गई जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया दोनों युवकों की लाश सुपेला मर्चुरी में रखा गया है. पुलिस से बताया कि मृतक दीपक गुप्ता पिता राजबली गुप्ता 23 वर्ष, पता-सडक नं-50 क्वा नं.-8/F सेक्टर-6 मिलाई व कौशिक दास पिता स्व. चंदन दास - 15 वर्ष सड़क नं.-33 मकान नंबर 3/A सेक्टर-6 भिलाई के है।

कार कौन चला रहा था, जांच जारी

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हादसे के समय कार कौन चला रहा था। भिलाई नगर पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि ड्राइविंग सीट पर कौन था और दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई। मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार हादसे की एक संभावित वजह मानी जा रही है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

नकली नोट लेकर शराब खरीदने पहुंचा युवक

जांजगीर चांपा,23 जुलाई। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक आरोपी नकली नोट से शराब खरीदने की कोशिश कर रहा था, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। साथ ही आगे की कार्रवाई भी शुरु कर दी है। यह पूरा मामला अकलतरा थाना क्षेत्र का है। 20 जुलाई को पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक देशी मदिरा दुकान अकलतरा में 500 रुपए का नकली नोट देकर शराब खरीदने का प्रयास कर रहा है। सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और उसे हिरासत में ले लिया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सत्येन्द्र कुमार कुर्रे उर्फ सत्यम कुर्रे बताया, जो कि सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के दोमुहानी गांव का रहने वाला है। पुलिस ने तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 500 के चार नोट बरामद किए। बरामद नोटों का तत्काल स्टेट बैंक, अकलतरा में परीक्षण कराया गया, जहां सभी नोट नकली पाए गए। साथ ही चारों नोटों का सीरियल नंबर भी एक ही मिला। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह नकली नोट रायपुर से लेकर आया था।

फिलहाल पुलिस ने मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 180 बीएनएस के तहत अपराध क्रमांक 423/2026 दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसे कोर्ट में पेश कर न्यायिक रिमांड में ले लिया।

छात्रों के आंदोलन को राजनीतिक रंग न दें: सलमान

नई दिल्ली,23 जुलाई। देशभर में प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और नीट पेपर लीक को लेकर जारी छात्र आंदोलन के बीच अभिनेता सलमान खान ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों का खुलकर समर्थन करते हुए उन पर हुई कथित लाठीचार्ज की घटना पर दुख जताया। साथ ही उन्होंने अपील की कि छात्रों के आंदोलन को राजनीतिक रंग न दिया जाए और शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए। सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि यह आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण था और इसका हिंसक रूप लेना बेहद दुखद है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के दौरान घायल हुए छात्रों और उनके परिवारों के प्रति उनकी गहरी संवेदनाएं हैं।

उन्होंने नीट पेपर लीक विवाद को गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि यह देखकर खुशी होती है कि देश के युवा बेहतर शिक्षा व्यवस्था की मांग को लेकर एकजुट हुए हैं। उनके अनुसार, छात्रों ने मेहनत, ईमानदारी और लगन के दम पर अपने भविष्य के लिए आवाज उठाई है.

और उनके इस प्रयास की सराहना की जानी चाहिए। सलमान खान ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी शिक्षा को लेकर जागरूक है और यही पीढ़ी भविष्य में भारत का नाम दुनिया भर में रोशन करेगी। उन्होंने छात्रों के शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराने को साहसिक कदम बताया।

अभिनेता ने अपने संदेश में यह भी कहा कि यह मुद्दा केवल छात्रों और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ा है, इसलिए इसे राजनीतिक विवाद का रूप नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार भी छात्रों की चिंताओं को गंभीरता से लेगी और शिक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाएगी।

महानदी जल विवाद: केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू की पहल पर समाधान की जागी उम्मीद

नई दिल्ली,23 जुलाई। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से सौहार्दपूर्ण भेंट की। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच लंबे समय से लंबित महानदी जल विवाद को लेकर विस्तार से चर्चा की। बैठक में केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान तोखन साहू ने कहा कि महानदी जल विवाद का संतुलित, न्यायसंगत एवं समयबद्ध समाधान दोनों राज्यों के लाखों नागरिकों की जल सुरक्षा, किसानों की आजीविका तथा क्षेत्रीय विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने जल शक्ति मंत्री से अनुरोध किया कि केंद्रीय जल आयोग को दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों की प्रस्तावित संयुक्त तकनीकी समिति का शीघ्र गठन करने के निर्देश दिए जाएं, ताकि तकनीकी स्तर पर सार्थक संवाद प्रारंभ हो सके। केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने यह भी आग्रह किया कि जल शक्ति मंत्रालय सभी संबंधित पक्षों के बीच समयबद्ध विचार-विमर्श सुनिश्चित करे, जिससे जल बंटवारे एवं अन्य संबंधित विषयों पर आपसी सहमति से एक व्यावहारिक कार्ययोजना तैयार कर उसे शीघ्र न्यायाधिकरण के समक्ष प्रस्तुत किया जा सके।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार के समन्वित प्रयासों एवं दोनों राज्यों के सहयोग से इस विवाद का सौहार्दपूर्ण समाधान संभव होगा, जिससे दोनों राज्यों के हित सुरक्षित रहेंगे और महानदी बेसिन के जल संसाधनों का टिकाऊ प्रबंधन सुनिश्चित हो सकेगा।केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने इस विषय पर त्वरित संज्ञान लेते हुए ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी से दूरभाष पर चर्चा की।

शिक्षक की पिटाई से छात्र के सिर पर आई चोट

बालोद,23 जुलाई। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में मिडिल स्कूल के 12 वर्षीय छात्र को सॉर्ट रिसेस के बाद 1 मिनट लेट आना उस वक्त महंगा पड़ गया, जब शिक्षक ने गाली-गलौज कर उसकी पिटाई कर दी। इस घटना में छात्र के सिर में चोट आई है, जिसके चलते उसका अस्पताल में इलाज कराया गया और शिक्षक के खिलाफ डौंडीलोहारा थाना में मामला दर्ज किया गया। जानकारी के मुताबिक, यह पूरा मामला डौंडीलोहारा थाना क्षेत्र के एक मिडिल स्कूल का है।

भूपेश ने भाजपा और पुलिस को हद में रहने की दी चेतावनी

रायपुर,23 जुलाई। राजधानी रायपुर में भाजपा के कांग्रेस कार्यालय घेराव को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा पर निशाना साधा है। बघेल ने एक्स पर पोस्ट कर भाजपा वालों को हद में रहने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि कल घेराव के नाम पर भाजपा के लोगों ने रायपुर में कांग्रेस मुख्यालय पर हमला किया है। इसमें भाजपा के सारे मंत्री भी लोकतांत्रिक और संवैधानिक मर्यादाओं को ताक में रखकर शामिल हुए। भूपेश बघेल ने कहा, आदतन उपद्रवी इन तत्वों ने कांग्रेस मुख्यालय और हमारे कार्यकर्ताओं पर पत्थर फेकें। पुलिस ने पानी की बौछारें छोड़ी। सारा हमला भाजपा और पुलिस की ओर से कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता घायल हुए। पत्रकार साथियों को भी चोटें आईं और पुलिस ने एफआईआर भी हमारे ही लोगों पर दर्ज कर ली।बघेल ने कहा, इससे साफ है कि यह पुलिस के संरक्षण में भाजपा सरकार द्वारा किया गया सुनियोजित हमला था। ठीक उसी तरह, जिस तरह दिल्ली में छात्रों के साथ हुआ। उन्होंने कहा, भाजपा से तो हम निपट लेंगे, लेकिन छत्तीसगढ़ पुलिस के अधिकारी ध्यान रखें, भाजपा कुछ ही महीनों की मेहमान है, फिर मिलेंगे।

नीट मुद्दे पर संसद में हंगामा, रिजिजू-खरगे के बीच तीखी बहस

नई दिल्ली,23 जुलाई। मानसून सत्र के बीच संसद भवन परिसर में नीट पेपर लीक के मुद्दे पर जमकर हंगामा देखने को मिल रहा है। इस बीच संसद में किरेन रिजिजू और मल्लिकार्जुन खरगे के बीच तीखी बहस देखने को मिली है।

हंगामे के बीच लोकसभा दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। दरअसल, कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा में गुरुवार को प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणियों को भड़काऊ बताया और सरकार पर पेपर लीक मामले में जवाबदेही से बचने का आरोप लगाते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की बात की। इसके बाद लोकसभा में केंद्रीय मंत्री किरने रिजिजू ने कहा, "हमने कल अपील की थी। मैं आज आपके माध्यम से सदन से फिर से अपील करना चाहता हूं। हमने कांग्रेस पार्टी के नेताओं और अन्य विपक्षी सदस्यों से व्यक्तिगत स्तर पर भी बात की है। हमने उन्हें व्यक्तिगत रूप से मिलने और अपने सुझाव साझा करने के लिए आमंत्रित किया है।" किरने रिजिजू ने आगे कहा, "हमने लोकसभा अध्यक्ष से भी चर्चा की है कि सरकार इस सदन और राज्यसभा में नीट पेपर लीक पर विपक्ष की इच्छानुसार, किसी भी तारीख को और जितने समय तक चाहे, चर्चा करने के लिए तैयार है। हमने यह आश्वासन दिया हैड्ढ हम विपक्ष से हाथ जोड़कर निवेदन करते हैं कि कृपया चर्चा शुरू करने का समय तय करें। हम तैयार हैं, लेकिन आपकी शर्तें हैं। बहाने न बनाएं, क्योंकि यदि आप शर्तें लगाते हैं, यदि आप बहाने बनाते हैं, तो हर कोई समझ जाता है कि आप चर्चा से बचना चाहते हैं। आज एनडीए के सभी सदस्यों ने भी विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने मांग की कि नीट पेपर लीक पर तुरंत और पूरे देश में चर्चा की जाए। किसी भी परीक्षा के लिए, उन सभी राज्यों पर चर्चा करना बिल्कुल आवश्यक है जहां पेपर लीक हुए हैं। आइए इसे राजनीतिक रंग न दें।

खंभे से टकराई कार, इंजीनियरिंग छात्रा की मौत

बालोद,23 जुलाई। छत्तीसगढ़ के बालोद में भीषण सड़क हादसा हुआ है, जहां तेज रफ्तार कार बिजली के खम्भे से अनियंत्रित होकर टकरा गई। इस हादसे में इंजीनियरिंग छात्रा की मौके पर मौत हो गई और 5 अन्य लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने भी मामले की जांच शुरू कर दी है। यह घटना दल्लीराजहरा थाना क्षेत्र में हुई है। मृतका की पहचान शारदा पाटिल उम्र 21 के रूप में हुई है, जो कि बिलासपुर में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही थी और अपने बुआ की शादी में घर आई हुई थी। जानकारी के अनुसार, डौंडी नगर के बन्धियापारा निवासी रंजीत सिंह पाटिल अपने परिवार के लोगों के साथ चिपरा गांव चौथिया कार्यक्रम में गए हुए थे। कार्यक्रम अटेंड करने के बाद घर वापस आ रहे थे, तभी दल्लीराजहरा थाना क्षेत्र के हिन्दू होटल के पास उनकी स्विपट कार क्रमांक सीजी 07 बी एम 1040 अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से टकरा गई। घटना में छात्रा ने मौके पर दम तोड़ दिया.

शेयर बाजार में पैसे डबल करने का झांसा पति-पत्नी ने लगाया 2 करोड़ का चूना

जांजगीर चांपा,23जुलाई। शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर रकम दोगुनी करने का लालच देकर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले शातिर पति-पत्नी को चांपा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लैपटॉप, टैबलेट, मोबाइल फोन और चेकबुक जब्त की है।

मामले का खुलासा तब हुआ जब हेमदत्त केशरवानी ने 24 मई को थाना चांपा में रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने बताया कि उसकी पहचान मारुति विहार कॉलोनी निवासी हरिशंकर गुप्ता से थी। हरिशंकर और उसकी पत्नी रेखा गुप्ता ने उसे शेयर ट्रेडिंग में निवेश करने पर भारी मुनाफे और रकम दोगुनी होने का झांसा दिया। दंपति की बातों में आकर प्रार्थी समेत अन्य लोगों ने चेक और RTGS के माध्यम से कुल 2,04,97,502 आरोपियों के बैंक खातों में जमा करा दिए। शुरुआत में विश्वास जीतने और टालमटोल करने के लिए आरोपियों ने महज 39,99,400 वापस किए, लेकिन बाकी रुपये लौटाने से लगातार मना करते रहे और आखिर में पूरी राशि का गबन कर लिया।

मामला दर्ज होने की भनक लगते ही दोनों आरोपी फरार हो गए और लगातार अपने ठिकाने बदलते रहे। चांपा पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तकनीकी साक्ष्यों, सर्विलांस और मुखबिर की सटीक सूचना के आधार पर नया रायपुर में दबिश देकर दोनों को धर दबोचा। दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) एवं 3(5) के तहत कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

अभिजीत दीपके ने छोड़ा जंतर-मंतर का मोर्चा

नईदिल्ली,23जुलाई। जंतर-मंतर पर एक महीने से अधिक समय से जारी प्रदर्शन के बीच कॉकरोच जनता पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके की तबीयत बिगड़ गई है। स्वास्थ्य खराब होने के कारण गुरुवार को उन्हें कुछ समय के लिए प्रदर्शन स्थल से हटना पड़ा। दीपके ने प्रदर्शनकारियों से माफी मांगते हुए कहा कि वह कुछ घंटों के लिए आराम करेंगे। उन्होंने बताया कि उन्हें बुखार है और शरीर में तेज दर्द महसूस हो रहा है। इससे पहले भी उनकी तबीयत खराब होने के संकेत मिले थे। मंगलवार रात उन्हें उल्टी करते हुए देखा गया था। वहीं, मंच पर संबोधन के दौरान एक बार उन्हें चक्कर आने की बात भी सामने आई थी। अभिजीत दीपके की गुरुवार को तबीयत बिगड़ गई। लगातार सक्रिय रहने और आंदोलन की जिम्मेदारियों के बीच स्वास्थ्य प्रभावित होने के बाद उन्होंने कुछ समय के लिए आराम करने की बात कही। बताया जा रहा है कि अमेरिका से दिल्ली पहुंचने के बाद से ही दीपके लगातार आंदोलन से जुड़ी गतिविधियों में व्यस्त रहे। जंतर-मंतर पर दिन-रात चल रहे प्रदर्शन के बीच भीड़, शोर-शराबे, आंदोलन के प्रबंधन, नेताओं से मुलाकात, आगे की रणनीति बनाने और पुलिस-प्रशासन से जुड़े मामलों को संभालने में उन्हें लगातार भागदौड़ करनी पड़ रही थी। पिछले कुछ दिनों में उनकी तबीयत कई बार खराब हुई थी। हालांकि, वह दवाओं के सहारे अपनी जिम्मेदारियां निभाते रहे। गुरुवार को स्वास्थ्य अधिक खराब होने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स के जरिए समर्थकों को अपनी स्थिति की जानकारी दी और कुछ समय आराम करने की अनुमति मांगी।

बोले- मेरी तबीयत ठीक नहीं है,माफ करना

अभिजीत दीपके ने अपनी तबीयत को लेकर सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि उन्हें बुखार है और पिछले कुछ दिनों से शरीर में काफी दर्द महसूस हो रहा है। दीपके ने अपनी पोस्ट में लिखा, "मुझे बुखार है। पिछले कुछ दिनों से शरीर में बहुत ज्यादा दर्द भी है। मैं पेनकिलर खाकर किसी तरह जोर लगा रहा था। यदि आज आप मुझे जंतर-मंतर पर ना देखें तो माफ करना।

23वें राष्ट्रमंडल खेल - 2026, स्काटलैंड के ग्लासगो में 23 जुलाई से 2 अगस्त तक सम्पन्न होंगे

खिलाड़ियों की तैयारी की जांच का पहला चरण

आलेख जसवंत क्लॉडियस

खेल अब मनुष्य के जीवन का प्रमुख हिस्सा बन चुका है। खेल पदाधिकारी, खेल प्रशासक, खेल प्रेमी अब चाहते हैं कि पूरे जगत में खेल गतिविधियों का दौर साल भर चलता रहे। इसकी कोशिश का परिणाम राष्ट्रमंडल खेल है। 1930 से इन खेलों का आयोजन हो रहा है। राष्ट्रमंडल याने दुनिया के ऐसे देश जहां इंग्लैंड के शासकों ने कभी राज किया। ऐसे देशों में से 2026 के खेलों में 74 देश राष्ट्रमंडल खेलों का हिस्सा बनने जा रहे हैं। वैसे 2026 के खेलों के लिए आस्ट्रेलिया के विक्टोरिया ने सहमति दी थी परंतु आयोजन के लिए आवश्यक खर्च/व्यवस्था से अपने आपको असहाय स्वीकर करते हुए अचानक विक्टोरिया ने राट्रमंडल खेलों के इस संस्करण के आयोजन से हाथ पीछे खीच लिया। इस परिस्थिति में इन खेलों को आयोजित करने की समस्या खड़ी हो गई। लेकिन कुछ खेलों को कम करने की शर्त के साथ स्कॉटलैंड इसे 2026 में आयोजित करने में सहमत हो गई। अब सिर्फ 10 खेलों के मुकाबले होंगे जिसके 215 स्वर्ण सहित 1168 मेडल दांव पर होंगे। जिन खेलों को शामिल किया गया है उनमें एथलेटिक्क्स और पैरा एथलेटिक्स, लान बाल्स और पैरा बाल्स, नेटबाल, तैराकी व पैरा तैराकी, आर्टिस्टिक जिमनास्टिक्स, भारोत्तोलन और पैरा भारोत्तोलन, मुक्केबाजी, 3x3 बास्केटबाल तथा 3x3 व्हीलचेयर, सायकलिंग, पैरा सायकलिंग, बास्केटबाल और जूडो हैं। ओलपिक खेलों और एशियाई खेलों में दिव्यांग खिलाडिय़ों को सम्मान देते हुए उनकी अलग स्पर्धा होती है परंतु 2026 के राष्ट्रमंडल खेलों में पैरा खेलों को सामान्य खिलाडिय़ों के खेल के साथ रखा गया है। उपरोक्त खेलों में से भारत नेटबाल और 3x3 बास्केटबाल व्हील चेयर 3x3 बास्केटबाल के मुकाबले में भाग नहीं ले रहा है। 215 मेडल इवेंट्स में से 47 पैरा स्पोर्ट्स, मेडल वाले खेल सम्मिलित हैं। हाकी, बैडमिंटन, कुश्ती, क्रिकेट, टेबल टेनिस, स्क्वैश जैसे खेल इस बहु खेल स्पर्धा में शामिल नहीं होने से भारत के खिलाडिय़ों के लिए आगामी एशियाई खेलों की तैयारी को धक्का पहुंचा है। भारत के खिलाडिय़ों ने 2022 बर्मिंघम के खेलों में 22 स्वर्ण, 16 रजत, 23 कांस्य सहित 61 पदक जीते थे। भारत ने कुश्ती में 12, भारोत्तोलन में 10, एथलेटिक्स में 08, मुक्केबाजी में 8, बैडमिंटन में 6, टेबल टेनिस में 4, बाउल्स, हाकी, स्क्वैश में 02, 02 पदक, जूडो में 3 क्रिकेट में एक पदक जीता था। 61 पदकों के साथ भारत आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड व कनाडा के बाद पदक तालिका में चौथे स्थान पर था। इस बार भारत कुश्ती, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, स्क्वैश, हाकी आदि में शामिल नहीं है। और मुकाबले में पदक विजेता, जूडो, मुक्केबाजी, भारोत्तोलन जैसे खेलों में ही प्रतिभागी उतार रहा है। अतः स्पष्ट है कि भारतीय खेल जगत के लिए इस बार का परिणाम अपेक्षाकृत अच्छा नहीं आयेगा। और एशियाई खेलों में हमारी अब तक की तैयारी का परीक्षण भी नहीं हो पाएगा। अतः भारत के खिलाडिय़ों के लिए यह एक परीक्षा की घड़ी है कि उन्हें हो भी अवसर मिला है उसका अधिक से अधिक लाभ उठावे और पदक जीत सके। आगामी 2030 का राष्ट्रमंडल खेल भारत के अहमदाबाद में होगा अतः इस बात को ध्यान में रखते हुए जो खेल प्रशासक, अधिकारी इन खेलों के खिलाडिय़ों के साथ ग्लास्गो गये हैं उन्हें इस बात का ध्यान रखना होगा. कि उन्हें जो भी अवसर मिला है उसका लाभ उठाकर पदक जीतना है .जो अधिकारी गए हैं उन्हें एक सफल् आयोजन के लिए किन-कितन बातों की जरूरत है एक ध्यान रखना होगा ताकि भारत में 2030 में राष्ट्रमंडल खेल का आयोजन पूरी तरह सफल हो सके और भारत 2036 के ओलंपिक खेलों का आयोजन मिलने का दावा मजबूती से कर सके।

भावना बोहरा संचालित लक्ष्य निःशुल्क कोचिंग के 7 विद्यार्थी एनईईटी परीक्षा में सफल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 23 जुलाई। पंडरिया एनईईटी विधानसभा में शिक्षा के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज हुई है। क्षेत्रीय विधायक भावना बोहरा द्वारा पंडरिया नगर में संचालित लक्ष्य निःशुल्क कोचिंग सेंटर ने अपने उद्देश्य को सिद्ध करते हुए इस वर्ष एनईईटी परीक्षा में कोचिंग के 7 विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की है। यह सफलता न केवल इन विद्यार्थियों और उनके परिवारों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि पूरे पंडरिया विधानसभा के लिए भी गौरवपूर्ण उपलब्धि है। लक्ष्य निःशुल्क कोचिंग में पढ़ने वाले ग्राम मोहतरा खुर्द निवासी वेदांत कुमार साहू पिता भुनेश्वर प्रसाद साहू, पंडरिया निवासी राहुल मरकाम पिता रामकुमार मरकाम, वार्ड क्रमांक 5 पंडरिया निवासी यामिनी देवांगन पिता मनहरण देवांगन, लिम्हईपुर निवासी दुजराम मरकाम पिता महेत्तर सिंह मरकाम एवं पंडरिया निवासी उमा भोई पिता पुरषोत्तम भोई, सोमी चंद्राकर पिता रमेश चंद्राकर और लक्ष्मण पिता तेजूराम ने हृश्वश्वज्ञ की परीक्षा में सफलता हासिल की है।

विदित हो कि ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पंडरिया विधायक भावना बोहरा की संवेदनशीलता से प्रारंभ की गई लक्ष्य निःशुल्क कोचिंग आज क्षेत्र के युवाओं के सपनों को साकार करने का मजबूत माध्यम बन चुकी है। यहां विद्यार्थियों को विशेषज्ञ शिक्षकों का मार्गदर्शन, गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री तथा ढ्ढढ्ढज्ञ-छ्व्रश्वश्व, हृश्वश्वज्ञ एवं ष्टत्नक्क्रष्ट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की समुचित तैयारी पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है।विधायक भावना बोहरा ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि मेरे लिए यह अत्यंत गर्व और भावुक क्षण है कि हमारे लक्ष्य निःशुल्क कोचिंग सेंटर के सात होनहार विद्यार्थियों ने हृश्वश्वज्ञ जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। यह सिद्ध करता है कि यदि बच्चों को सही मार्गदर्शन और अवसर मिले तो गांवों की प्रतिभाएं भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकती हैं। यह सफलता केवल उन सात विद्यार्थियों की नहीं, बल्कि पूरे पंडरिया की मेहनत, विश्वास और सपनों की जीत है। उन्होंने कहा कि गांवों में प्रतिभा की कभी कमी नहीं रही, आवश्यकता केवल उचित अवसर और सही मार्गदर्शन की होती है। लक्ष्य निःशुल्क कोचिंग इसी उद्देश्य से प्रारंभ की गई थी ताकि आर्थिक स्थिति किसी भी प्रतिभाशाली विद्यार्थी के भविष्य के बीच बाधा न बने।विधायक ने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो किसी भी परिवार, समाज और राष्ट्र की दिशा बदल सकती है। पंडरिया विधानसभा में भी शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुविधाओं का विस्तार लगातार किया जा रहा है। महाविद्यालयीन छात्राओं के लिए निःशुल्क बस का संचालन और शासकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को आधुनिक शिक्षा हेतु भावना दीदी की साइंस पाठशाला की शुरुआत हमने इसी उद्देश्य से किया है कि कोई भी विद्यार्थी संसाधन की कमी व आर्थिक कारणों से शिक्षा से वंचित न रहें। उन्होंने सभी चयनित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों को भी बधाई दी और कहा कि हमें विश्वास है कि आने वाले वर्षों में लक्ष्य निःशुल्क कोचिंग सेंटर से और अधिक विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में जरुर सफलता प्राप्त करेंगे। हमारा संकल्प है कि पंडरिया का कोई भी प्रतिभाशाली विद्यार्थी आर्थिक अभाव के कारण अपने सपनों से वंचित न रहे और इसी विश्वास के साथ हम क्षेत्र के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

कवर्धा। डिप्टी सीएम विजय शर्मा के जन्मदिन में रविवार को मेडिकल कॉलेज परिसर में वृक्षारोपण महाअभियान-2026 में स्वामी विवेकानंद अकादमी ने पौधारोपण किया ।

जोन-4 कार्यालय के सामने पानी भरने पर शिवसेना ने चिंता जताई

भिलाई, 23 जुलाई। शिवसेना के भिलाई जिला अध्यक्ष राजू गुप्ता ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर खुर्सीपार स्थित नगर पालिक निगम जोन-4 कार्यालय के मुख्य द्वार के सामने लंबे समय से बनी जलभराव की समस्या पर चिंता व्यक्त की है। राजू गुप्ता ने बताया कि मुख्य गेट के सामने पानी निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बरसात का गंदा और कीचड़युक्त पानी लगातार जमा रहता है।

इस कार्यालय में प्रतिदिन वार्डों की समस्याओं को लेकर सैकड़ों नागरिकों का आना-जाना होता है, जिन्हें जलभराव और कीचड़ के कारण भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। न्होंने कहा कि नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी भी इसी मुख्य प्रवेश द्वार से आवागमन करते हैं, बावजूद इसके समस्या का अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया है। बरसात के दौरान जलभराव के कारण क्षेत्र में मच्छरों का प्रकोप भी तेजी से बढ़ गया है, जिससे डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड, खांसी, बुखार सहित अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा बना हुआ है।

एक नजर

चोरी का आरोपी गिरफ्तार

भिलाई, 23 जुलाई (तछसं.)। भिलाई स्मृति नगर चौकी प्रभारी अमित आनंद ने बताया कि प्रार्थी सुमंत कुमार मिश्रा निवासी शांतिनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह कुरूद रोड कोहका स्थित पी. मिश्रा एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स नामक दुकान का संचालन करता है रात्रि दुकान बंद कर घर चला गया था अगले दिन सुबह दुकान पहुंचने पर शटर टूटा हुआ मिला तथा गल्ले में रखी लगभग 60 हजार रुपए नगद चोरी होना पाया गया रिपोर्ट दर्ज कर था चौकी स्मृतिनगर में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया मामले में कार्रवाई करते हुए संदेही की तलाश की पूछताछ दौरान आरोपी शक्ति सिंह (27 साल) मूल निवासी बैरिया जिला बलिया (उत्तरप्रदेश), हाल मुकाम रामनगर ने चोरी की घटना स्वीकार की उसके कब्जे से चोरी की नगदी राशि 8,950 रुपये बरामद की है।

शराब ले जाते बाइक सवार गिरफ्तार

भिलाई, 23 जुलाई (तछसं.)। भिलाई स्मृति नगर चौकी पुलिस ने अवैध शराब के परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बाइक सवार एक आरोपी को गिरफ्तार किया है स्मृति नगर चौकी प्रभारी अमित आनंद ने बताया कि एक व्यक्ति काले रंग की बाइक से जुनवानी क्षेत्र में बेचने के लिए अवैध रूप से शराब ले जा रहा है। घेराबंदी कर वाहन को रोका गया तलाशी में आरोपी मुकेश पाटिल के कब्जे से 144 नग शराब बरामद हुई स्मृति नगर चौकी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कार्रवाई की है।

600 नशीली गोली सहित युवक गिरफ्तार

भिलाई, 23 जुलाई (तछसं.)। दुर्ग सिटी कोतवाली टीआई नवीन राजपूत ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर नदी रोड स्थित जैन मंदिर के पास कार्रवाई कर 600 नशीली टेबलेट के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है आरोपी की पहचान प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) निवासी (37 साल) उमेश कुमार मौर्य के रूप में हुई तलाशी में उसके पास से दो लाख रुपए से अधिक कीमत की नशीली गोलियां, 3 हजार रुपए की बिक्री रकम और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया ।

3 अगस्त से शुरू होने वाली भोरमदेव पदयात्रा की तैयारी जोर-शोर से की जा रही

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 23 जुलाई। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन महीने के प्रथम सोमवार 03 अगस्त को ऐतिहासिक, धार्मिक, पुरातत्व एवं पर्यटन महत्त्व स्थल भोरमदेव पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। पदयात्रा बुढ़ा महादेव मंदिर कवर्धा से सबेरे 7 बजे से शुरू होगी। उपमुख्यंत्री विजय शर्मा के मंशानुरूप कलेक्टर गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में भोरमदेव पदयात्रा की तैयारी जोरो शोरो से की जा रही है। पदयात्रा को ऐतिहासिक पदयात्रा बनाने के लिए शासन-प्रशासन सहित जनसमुदाय और विभिन्न संगठन जुटे हुए है। कलेक्टर गोपाल वर्मा आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में श्रावण मास के प्रथम सोमवार 3 अगस्त 2026 को आयोजित होने वाली पारंपरिक बूढ़ा महादेव मंदिर कवर्धा से भोरमदेव मंदिर तक पदयात्रा की तैयारियों को लेकर जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, पत्रकारों तथा विभिन्न क्लब, संघ एवं समाजों के अध्यक्षों एवं प्रमुखों की बैठक लेकर आयोजन को भव्य और व्यवस्थित बनाने के लिए उनके सुझाव लिए। बैठक में कवर्धा से भोरमेदव मंदिर तक 18 किलोमीटर की पदयात्रा में कांवडियों और पदयात्रियों के लिए अलग-अलग स्थानों पर जलपान, शरबत, चाय नाश्ते की व्यवस्था की जाएगी।

कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने कहा कि भोरमदेव पदयात्रा में श्रद्धालु उत्साह से भाग लेते है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कवर्धा सहित आसपास के सभी नागरिक इस पदयात्रा में शामिल होकर भव्य बनाएं। उन्होंने कहा कि आयोजन के संबंध में पूर्व वर्षो की भांति इस वर्ष भी सभी सुविधाएं उपलब्ध रहेगी। इस दौरान विभिन्न संस्था के प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव रखें। बैठक में सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग, पदयात्रा के रास्ते में पड़ने वाले ग्राम पंचायतों द्वारा रास्ते की साफ-सफाई एवं स्वागत द्वार बनाने, पेयजल, सुलभ शौचालयों की साफ-सफाई, रास्ते में जगह-जगह आपात चिकित्सा व्यवस्था, डीजे व्यवस्था तथा पदयात्रियों के लौटने के लिए निःशुल्क बसों की व्यवस्था सहित सभी आवश्यक तैयारियों के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई। बैठक में भोरमदेव पदयात्रा के गरिमामय आयोजन के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए गए।

कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में स्थित व्यवस्था तथा पदयात्रियों, कांवड़ियों का स्वागत किया जाएगा। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सियाराम साहू, लोकचंद साहू, रामकिंकर वर्मा, नरेन्द्र मानिकपुरी, अमर कुर्रे, अपर कलेक्टर नरेन्द्र पैकरा, एसडीएम सागर सिंह राज व श्री चेतन साहू, तहसीलदार श्री परमेश्वर मंडावी, प्रमोद चंद्रवंशी और हुलेश्वर पटेल सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, पत्रकार तथा विभिन्न क्लब, संघ एवं समाज के अध्यक्षों एवं प्रमुख उपस्थित थे।

मीसाबंदियों के संगठन की सीमा शर्मा प्रदेशाध्यक्ष

भिलाई, 23 जुलाई। मीसा बंदियों के हित के लिए काम करने वाले संगठन लोकतंत्र प्रहरी में सीमा शर्मा को नारी शक्ति प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। ये घोषणा हाल ही में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने ने की। उन्होंने पिछले दिनों अपनी टीम सहित आपातकाल स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में तन मन धन से सक्रिय भूमिका निभाई । वे इससे पूर्व प्रधानमंत्री जनकल्याणकारी योजना जागरूकता अभियान में भी प्रदेश अध्यक्ष रह चुकी हैं ।

तालाब के आसपास कचरा फैलाने वालों की कार्रवाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 23 जुलाई । आयुक्त सुश्री सुरुचि सिंह द्वारा शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने एवं तालाबों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने के उद्देश्य से लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में आयुक्त के प्रातः भ्रमण के दौरान जोन-3 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 32, दुर्गापारा स्थित तालाब के आसपास नागरिकों द्वारा कचरा फेंके जाने की शिकायत प्राप्त हुई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कचरा फेंकने वाले नागरिकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। आयुक्त के निर्देश के परिपालन में जोन-3 के निगम अमले द्वारा मौके पर पहुंचकर तालाब के आसपास कचरा फेंकने वाले नागरिकों पर चालानी कार्रवाई की गई।

गौ विज्ञान परीक्षा में नीलू ने प्रदेश में प्राप्त किया द्वितीय स्थान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 23 जुलाई। इंदिरा गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, वैशाली नगर की छात्रा नीलू सिंह ने गौ विज्ञान परीक्षा के राज्य स्तरीय चरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए छत्तीसगढ़ में द्वितीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। छत्तीसगढ़ राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति द्वारा आयोजित गौ विज्ञान परीक्षा का आयोजन तीन चरणों महाविद्यालय, जिला एवं राज्य स्तर पर किया गया। महाविद्यालय स्तर पर परीक्षा का आयोजन प्राचार्य डॉ. श्रीमती अलका मेश्राम के नेतृत्व में गठित समिति द्वारा किया गया, जिसमें डॉ. मेरिली राय संयोजक तथा डॉ. रमा बनर्जी एवं डॉ. संतोष कुमार अग्रवाल सदस्य थे। महाविद्यालय स्तर पर 26 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। इसमें अंशु पंडित ने प्रथम तथा नीलू सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए स्थान बनाया। जिला स्तर की परीक्षा शासकीय वी.वाई.टी. स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित की गई। आयोजन समिति में विजय अग्रवाल, संजय ठाकुर तथा डॉ. सूर्य प्रकाश शुक्ला के मार्गदर्शन में परीक्षा संपन्न हुई। इस चरण में नीलू सिंह ने चतुर्थ स्थान प्राप्त कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन सुनिश्चित किया। राज्य स्तरीय अंतिम चरण के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन 20 जुलाई 2026 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, साइंस कॉलेज ग्राउंड, रायपुर में किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अलका मेश्राम ने नीलू सिंह को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि महाविद्यालय के लिए गर्व का विषय है। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. कैलाश शर्मा, परीक्षा संयोजक डॉ. मेरिली राय सहित महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों, सहायक प्राध्यापकों, क्रीड़ा अधिकारी, ग्रंथपाल एवं कर्मचारियों ने छात्रा की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

आयुक्त सुरुचि सिंह ने तीन जोन का किया निरीक्षण

भिलाई, 23 जुलाई। आयुक्त सुश्री सुरुचि सिंह ने बृहस्पतिवार को निगम क्षेत्र के विभिन्न जोनों का निरीक्षण कर जलभराव, पेयजल आपूर्ति एवं स्वच्छता व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निराकरण और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरुआत जोन-1 नेहरू नगर स्थित बाम्बे आवास के पास डूबान क्षेत्र से हुई। बरसात के दौरान जलभराव की स्थिति को देखते हुए आयुक्त ने अधिकारियों से क्षेत्र की जानकारी ली और नालियों की नियमित सफाई, गाद एवं कचरा हटाने तथा जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने जलभराव वाले क्षेत्रों की लगातार निगरानी करने पर भी जोर दिया। इसके बाद आयुक्त ने जोन-2 रामनगर स्थित नवीन पानी टंकी का निरीक्षण कर उसकी संचालन व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पेयजल आपूर्ति से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि नागरिकों को निर्बाध जलापूर्ति मिल सके। निरीक्षण के अंतिम चरण में आयुक्त ने जोन-3 दुर्गापारा स्थित तालाब एवं उसके आसपास की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने तालाब के आसपास नियमित सफाई कराने, कचरा जमा नहीं होने देने तथा सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतत निगरानी और प्रभावी कार्रवाई आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे एवं कुलदीप गुप्ता, कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल, अनिल सिंह, अरविंद शर्मा, सहायक अभियंता श्वेता वर्मा एवं नितेश मेश्राम, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उप अभियंता पुरुषोत्तम सिन्हा, शंकर सुमन मरकाम, दीपक देवांगन, सहायक राजस्व अधिकारी जे.पी. तिवारी, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, बीरेन्द्र बंजारे, स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह, चूड़ामणि यादव सहित निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसएमएस-3 में नए हॉट मेटल लैडल प्रीहीटर, सीओजी लाइन की कमीशनिंग

भिलाई, 23 जुलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप-3 (एसएमएस-3) में पूर्णतः इन-हाउस संसाधनों से विकसित नए हॉट मेटल लैडल प्रीहीटर एवं वैकल्पिक कोक ओवन गैस हेडर लाइन की सफलतापूर्वक कमीशनिंग की गई। इस परियोजना के माध्यम से रखरखाव कार्यों के दौरान भी उत्पादन की निरंतरता सुनिश्चित करने के साथ-साथ संयंत्र की उपलब्धता एवं कार्यकुशलता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। परियोजना के अंतर्गत एसएमएस-3 में दो महत्वपूर्ण तकनीकी सुधार किए गए हैं। प्रथम, समर्पित डीएन-350 हेडर लाइन एवं नए हॉट मेटल लैडल प्रीहीटर की स्थापना की गई है, जिसके माध्यम से लैडल बे एवं नए प्रीहीटर को निर्बाध गैस आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। इससे लैडल को कम समय में तैयार करने की क्षमता बढ़ी है तथा परिचालन बेहतर हुआ है।

मोदी सरकार सवालों का जवाब देने के बजाय आवाज दबा रही:ताम्रध्वज साहू

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई,23 जुलाई। पूर्व गृहमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता ताम्रध्वज साहू ने कहा है कि विपक्ष की सबसे बड़ी जिम्मेदारी जनता की आवाज़ को मजबूती से सरकार तक पहुंचाना और जनहित के मुद्दों पर जवाबदेही तय करना है।

गुरुवार को जारी बयान में साहू ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता विपक्ष श्री राहुल गांधी लगातार युवाओं, छात्रों और आम जनता के मुद्दों को सड़क से लेकर संसद तक उठा रहे हैं।उन्होंने आरोप लगाया कि इस देश का दुर्भाग्य है कि सरकार जनता के सवालों का जवाब देने के बजाय आवाज़ उठाने वालों को दबाने का प्रयास कर रही है।÷साहू ने की कहा, भाजपा याद रखे, लोकतंत्र में आवाज़ दबाने से सवाल खत्म नहीं होते। देश का युवा न्याय मांग रहा है, जवाब मांग रहा है और कांग्रेस उनकी आवाज़ बनकर मजबूती से खड़ी है।पूर्व गृहमंत्री ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, पेपर लीक और छात्रों की समस्याओं जैसे मुद्दों पर सरकार चुप्पी साधे हुए है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इन सभी मुद्दों पर जनता के साथ खड़ी है और सदन के अंदर व बाहर संघर्ष जारी रखेगी।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह को बोल बम समिति के संयोजक जितेन्द्र वर्मा ने 17 अगस्त को होने वाले विशाल बोल बम कांवर यात्रा में किया आमंत्रित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 23 जुलाई। बोल बम कांवर यात्रा समिति, पाटन के संयोजक एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष माननीय डॉ रमन सिंह जी से सौजन्य भेंट कर 17 अगस्त को आयोजित होने वाली विशाल बोल बम कांवर यात्रा महोत्सव में आमंत्रण किया। इस अवसर पर श्री वर्मा ने विधानसभा अध्यक्ष जी को यात्रा की रूपरेखा, तैयारियों एवं आयोजन के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन के तीसरे सोमवार को पाटन से टोलाघाट तक हजारों शिवभक्तों की सहभागिता से भव्य कांवर यात्रा निकाली जाएगी। समिति के संयोजक जितेन्द्र वर्मा ने विधानसभा अध्यक्ष जी को बताया कि बोल बम कांवर यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता, सेवा, अनुशासन एवं जनआस्था का विराट उत्सव है। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए बोल बम के जयघोष के साथ पाटन से टोलाघाट तक पैदल यात्रा करेंगे। आयोजन को सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने के लिए चिकित्सा सहायता, पेयजल, भोजन, विश्राम, सुरक्षा, यातायात एवं स्वच्छता सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह जी ने आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए जितेन्द्र वर्मा एवं बोल बम कांवर यात्रा समिति के सदस्यों को आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी।

एक मुट्ठी दान, भगवान शंकर के नाम से बनेगा महाप्रसाद

कांवर यात्रा के दिन एक मुट्ठी दान भगवान शंकर के नाम से शिवभक्तों द्वारा प्राप्त दान से महाप्रसाद बनाया जाएगा। कांवर यात्रा में शामिल होकर महाप्रसाद ग्रहण करने हजारों श्रद्धालु टोलाघाट पहुंचते है साथ ही एक मुट्ठी दान के लिए भक्त स्वेच्छा से आगे बढ़कर एक मुट्ठी अन्नदान कर रहे है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 40,000 से अधिक श्रद्धालुओं के लिए भोजन की व्यवस्था की जा रही है।

सुमन की आशा संगीतमय संध्या 24 को

भिलाई, 23 जुलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग द्वारा आगामी 24 जुलाई शुक्रवार को महात्मा गांधी कला मंदिर सिविक सेंटर में सायं 7:30 बजे से सुमन की आशा संगीतमय संध्या का आयोजन किया जाएगा। यह विशेष संगीत संध्या भारतीय फिल्म संगीत की दो महान पार्श्वगायिकाओं पद्मविभूषण आशा भोसले एवं पद्मभूषण सुमन कल्याणपुर के कालजयी एवं लोकप्रिय गीतों को समर्पित होगी। इस अवसर पर अंचल की सुप्रसिद्ध गायिका अंजली शुक्ला, गौतमी चक्रवर्ती, सुमीता सरकार, अनुष्का पाण्डेय एवं सोमा कश्यप तथा सुप्रसिद्ध गायक चलपति राव एवं जगमोहन अपनी मधुर प्रस्तुतियों से इन महान गायिकाओं के सदाबहार फिल्मी गीतों को स्वर देंगे।

निधन

श्रीमती गायत्री पांडेय

भिलाई, 23 जुलाई। नेहरू नगर (पश्चिम) निवासी श्रीमती गायत्री पांडेय, पत्नी स्व. एच. एन. पांडेय) का 22 जुलाई को निधन हो गया है। वे 85 वर्ष की थीं। वे अपने पीछे पुत्र अतुल पांडेय, अजय पांडेय, अमित पांडेय, पुत्री अनुराधा शुक्ला, बहू अलका पांडेय, अर्चना पांडेय, प्रिया पांडेय, सात पोते-पोतियों और तीन पड़पोते-पड़पोतियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनका अंतिम संस्कार 23 जुलाई को दोपहर 12 बजे रामनगर मुक्तिधाम किया गया।

एक नजर

राजनांदगांव जिले में अब तक 2528.7 मिमी वर्षा दर्ज

राजनांदगांव 23 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। राजनांदगांव जिले में इस वर्ष चालू मानसून वर्ष में 1 जून 2026 से अब तक जिले के सभी 7 तहसीलों में 2528.7 मिमी बारिश एवं औसत 361.2 मिमी बारिश दर्ज की गई है। भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी अनुसार डोंगरगढ़ तहसील में 364.2 मिमी, लाल बहादुर नगर तहसील में 397.5 मिमी, राजनांदगांव तहसील में 482.8 मिमी, घुमका तहसील में 253 मिमी, छुरिया तहसील में 300.3 मिमी, कुमरदा तहसील में 408.6 मिमी, डोंगरगांव तहसील में 322.3 मिमी बारिश दर्ज की गई है। अब तक सर्वाधिक वर्षा राजनांदगांव तहसील में 482.8 मिमी दर्ज की गई है। इसी तरह आज राजनांदगांव जिले के सभी 7 तहसीलों में 405.8 मिमी एवं औसत 58 मिमी बारिश दर्ज की गई है। डोंगरगढ़ तहसील में 47.2 मिमी, लाल बहादुर नगर तहसील में 57.5 मिमी, राजनांदगांव तहसील में 71.3 मिमी, घुमका तहसील में 17 मिमी, छुरिया तहसील में 74.2 मिमी, कुमरदा तहसील में 65.4 मिमी, डोंगरगांव तहसील में 73.2 मिमी बारिश दर्ज की गई है। सर्वाधिक वर्षा छुरिया तहसील में 74.2 मिमी दर्ज की गई है।

असामाजिक तत्वों के विरुद्ध पुलिस चौकी सुरगी की प्रभावी कार्रवाई

राजनांदगांव **23 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)।** पुलिस अधीक्षक महोदया सुश्री अंकिता शर्मा (भा.पु.से.) के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन (भा.पु.से.) के पर्यवेक्षण में क्षेत्र में अपराध की रोकथाम एवं कानून-शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सतत अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 22.07.2026 को ग्राम भर्रेगांव का बालकृष्ण पटेल द्वारा पुलिस चौकी सुरगी में शिकायत आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया कि उसका भाई भोज कुमार पटेल नशापान कर पिछले 7 दिनों से घर में वाद-विवाद एवं झगड़ा करता रहता है तथा घटना दिनांक को भी नशे की हालत में परिवारजनों के साथ विवाद कर शांति भंग कर रहा है। प्राप्त शिकायत पर पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर शिकायत का सत्यापन एवं पूछताछ की गई। जांच के दौरान यह पाया गया कि संबंधित व्यक्ति नशापान करने का आदी है तथा नशे की अवस्था में परिवारजनों के साथ विवाद एवं झगड़ा कर रहा था, जिससे क्षेत्र में कानून एवं शांति व्यवस्था भंग होने तथा संज्ञेय अपराध घटित होने की प्रबल संभावना निर्मित हो रही थी। उक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए भोज कुमार पटेल पिता स्व0 सीताराम पटेल उम्र 30 साल निवासी भर्रेगांव पुलिस चौकी सुरगी थाना बसंतपुर जिला राजनांदगांव (छ.ग.) के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए धारा 170 बीएनएसएस के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया तथा धारा 126 एवं 135(3) बीएनएसएस के तहत इस्तगाशा तैयार कर माननीय कार्यपालिक मजिस्ट्रेट, राजनांदगांव के समक्ष प्रस्तुत किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा जेल वारंट जारी किए जाने पर आरोपी को जिला जेल, राजनांदगांव में निरुद्ध कराया गया। पुलिस द्वारा भविष्य में भी कानून एवं शांति व्यवस्था भंग करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध इसी प्रकार सख्त एवं वैधानिक कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

जनजातीय बालिकाओं के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम बनेगा शबरी वाचनालय : डेका

रायपुर, 23 जुलाई। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज वनवासी विकास समिति, छत्तीसगढ़ द्वारा जनजातीय बालिकाओं में अध्ययन, ज्ञानार्जन एवं पठन-पाठन की संस्कृति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्थापित शबरी वाचनालय का उद्घाटन किया। वाचनालय की स्थापना के लिए राज्यपाल द्वारा अपने स्वेच्छानुदान मद से आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि शबरी वाचनालय एक दूरदर्शी पहल है, जो जनजातीय बालिकाओं के लिए अध्ययन, चिंतन, आत्मविकास एवं व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त केंद्र बनेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यहां अध्ययन करने वाली बालिकाएं ज्ञान एवं शिक्षा के बल पर प्रतियोगी परीक्षाओं सहित जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करेंगी। उनकी उपलब्धियां न केवल उनके परिवार, बल्कि समाज और राष्ट्र का गौरव भी बढ़ाएंगी। उन्होंने कहा कि शबरी कन्या आश्रम वर्षों से जनजातीय बालिकाओं को केवल आश्रय और शिक्षा ही नहीं, बल्कि संस्कार, आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता तथा राष्ट्रसेवा की भावना भी प्रदान कर रहा है। इसी का परिणाम है कि यहां से शिक्षा प्राप्त करने वाली अनेक बालिकाएं आज शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासन तथा समाज सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संपदा एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिपूर्ण राज्य है। यहां की संस्कृति का संबंध रामायण काल की परंपराओं से है। उन्होंने कहा कि असम और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक परंपराओं में अनेक समानताएं हैं तथा दोनों राज्यों की सांस्कृतिक धारा भगवान श्रीराम से जुड़ी हुई है। ऐसे गौरवशाली सांस्कृतिक परिवेश का हिस्सा होना हम सभी के लिए गर्व की बात है।

विधायक पुरंदर मिश्रा ने 2 आंगनबाड़ी का लोकार्पण,सामुदायिक भवन का भूमिपूजन किया

रायपुर 23 जुलाई। रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की रफ्तार लगातार तेज हो रही है। क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने मंगलवार को वार्ड क्रमांक 6 स्थित त्रिमूर्ति नगर में दो नवीन आंगनबाड़ी भवनों का लोकार्पण कर बच्चों और माताओं को बेहतर सुविधाओं की सौगात दी। इसके बाद उन्होंने वार्ड क्रमांक 13 में नए सामुदायिक भवन निर्माण का भूमिपूजन कर क्षेत्र के विकास को नई गति प्रदान की।

इस अवसर पर रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, नगर निगम सभापति श्री सूर्यकांत राठौड़, एमआईसी सदस्य श्री महेन्द्र खोडियार, पार्षद श्री खगपति सोनी, एल्डरमैन श्री गोपाल सोना सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने नगर निगम जोन-2 अंतर्गत वीरांगना अवंतीबाई लोधी वार्ड क्रमांक 6 के त्रिमूर्ति नगर में जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) मद से लगभग 11.69 लाख रुपये की लागत से निर्मित दो नए आंगनबाड़ी भवनों का फीता काटकर लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि बच्चों का बेहतर भविष्य मजबूत आधारभूत सुविधाओं से ही सुनिश्चित होगा। आधुनिक सुविधाओं से युक्त इन भवनों से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा, पोषण और सुरक्षित वातावरण मिलेगा, वहीं महिलाओं एवं हितग्राहियों को भी योजनाओं का बेहतर लाभ प्राप्त होगा।

लोकार्पण के बाद विधायक श्री पुरंदर मिश्रा वार्ड क्रमांक 13 पहुंचे, जहां अधोसंरचना मद से 6 लाख रुपये की लागत से बनने वाले नए सामुदायिक भवन का विधिवत भूमिपूजन किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रीफल फोड़कर एवं कुदाल चलाकर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। यह भवन भविष्य में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक आयोजनों का प्रमुख केंद्र बनेगा और स्थानीय नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएगा।

इस अवसर पर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने कहा कि उत्तर विधानसभा में विकास कार्य किसी घोषणा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक-एक परियोजना को समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतारा जा रहा है। शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक अधोसंरचना और जनसुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही जनप्रतिनिधि का सबसे बड़ा दायित्व है।

महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा कि विधायक श्री पुरंदर मिश्रा के सतत प्रयासों से उत्तर विधानसभा में विकास कार्यों को नई गति मिली है और नगर निगम भी जनहित के प्रत्येक कार्य में पूरी प्रतिबद्धता के साथ सहयोग कर रहा है।

कार्यक्रम में पार्षद श्री खगपति सोनी ने त्रिमूर्ति नगर में दो नए आंगनबाड़ी भवनों की सौगात के लिए विधायक श्री पुरंदर मिश्रा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सुविधा वर्षों से क्षेत्रवासियों की आवश्यकता थी। वहीं एमआईसी सदस्य श्री महेन्द्र खोडियार ने सामुदायिक भवन निर्माण को वार्ड के सामाजिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

कार्यक्रम के अंत में विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने नगर निगम जोन-2 के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य तत्काल प्रारंभ किया जाए, गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न हो तथा नियमित मॉनिटरिंग के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कर जनता को समर्पित किया जाए।

महतारी वंदन योजना से माताओं और बहनों के जीवन में आया आत्मविश्वास और आर्थिक स्वावलंबन:सीएम साय

रायपुर, 23 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज राजधानी रायपुर में आयोजित 'इमर्जिंग छत्तीसगढ़ सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश' कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने महिला सशक्तिकरण, बस्तर के विकास, रोजगार, उद्योग, पर्यटन, सुशासन और सामाजिक सुधारों पर राज्य सरकार की प्राथमिकताओं को विस्तार से रखा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ केवल एक राज्य नहीं, बल्कि हम सभी के लिए छत्तीसगढ़ महतारी है। यह माता कौशल्या की पावन जन्मभूमि और भगवान श्रीराम का ननिहाल है। भारतीय संस्कृति में नारी को सर्वोच्च सम्मान देने की परंपरा रही है। उन्होंने वेदों का उल्लेख करते हुए कहा कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता अर्थात जहां नारी का सम्मान होता है, वहीं देवताओं का वास होता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश की लगभग 68 लाख 50 हजार विवाहित महिलाओं को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह एक हजार रुपये सीधे उनके बैंक खातों में दिए जा रहे हैं। अब तक 29 किश्तों के माध्यम से लगभग 18 हजार 800 करोड़ रुपये महिलाओं के खातों में अंतरित किए जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि जब वे गांवों का दौरा करते हैं तो माताओं और बहनों के चेहरों पर इस योजना से आया आत्मविश्वास और संतोष स्पष्ट दिखाई देता है। बातचीत के दौरान माताएं और बहनें बताती हैं कि किसी ने अपनी बेटी के भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि योजना में निवेश किया है, किसी ने सिलाई मशीन खरीदकर रोजगार शुरू किया है तो किसी ने किराना या सब्जी की दुकान खोलकर आय बढ़ाई है। इससे माताएं और बहनें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं और परिवार की निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी भी बढ़ी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के दानसरा गांव की माताओं और बहनों ने महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि को एकत्र कर भगवान श्रीराम के मंदिर के निर्माण का कार्य प्रारंभ किया है। उन्होंने कहा कि यह इस योजना का सबसे प्रेरक उदाहरण है कि महिलाएं इस राशि का उपयोग समाज और संस्कृति के संरक्षण के लिए भी कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 2 लाख 86 हजार महिला स्व-सहायता समूह सक्रिय हैं, जिनसे लगभग 30 लाख महिलाएं जुड़ी हुई हैं। इन्हें रेडी-टू-ईट कार्यक्रम से जोड़ा जा रहा है तथा ऋण एवं अन्य आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि चार-पांच दशकों तक नक्सल हिंसा से प्रभावित रहा बस्तर अब तेजी से विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति, सुरक्षा बलों के अदम्य साहस और स्थानीय जनता के सहयोग से बस्तर में शांति स्थापित हुई है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा कैंप स्थापित करने के साथ-साथ विकास की योजनाओं को भी समानांतर रूप से आगे बढ़ाया गया। पहले सुरक्षा शिविरों के पांच किलोमीटर दायरे तक योजनाओं का लाभ पहुंचता था, जिसे अब बढ़ाकर दस किलोमीटर तक किया गया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि नियद नेल्ला नार योजना के अंतर्गत अब 500 से अधिक गांवों को जोड़ा जा चुका है। लगभग 17 विभागों की 40 से अधिक योजनाओं का लाभ इन गांवों तक पहुंचाया जा रहा है। यहां लोगों को राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के अंतर्गत लगभग 36 लाख लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया तथा गंभीर रोगियों को बेहतर उपचार के लिए बड़े अस्पतालों में रेफर किया गया। वहीं बस्तर मुन्ने योजना के माध्यम से अधिकारी स्वयं दूरस्थ गांवों में पहुंचकर लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर में इंद्रावती नदी पर देउरगांव एवं मटनार सिंचाई परियोजनाएं प्रस्तावित हैं, जिनसे लगभग 80 हजार एकड़ भूमि सिंचित होगी।

उन्होंने कहा कि चित्रकोट जलप्रपात, कुटुमसर गुफाएं, अबूझमाड़ के विशाल वन तथा धुड़मारास जैसे गांव बस्तर को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित कर रहे हैं। नई औद्योगिक नीति में होम-स्टे को भी शामिल किया गया है, जिसके तहत पांच कमरों तक के होम-स्टे निर्माण के लिए ऋण और सब्सिडी उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इमली, महुआ, हर्रा, बहेड़ा, सीताफल और औषधीय वनोपजों का मूल्य संवर्धन कर स्थानीय लोगों की आय बढ़ाई जा रही है। नेतानार जैसे गांवों में सेवा डेरा के माध्यम से महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई, पैकेजिंग तथा अन्य आजीविका आधारित प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं।

सिंधी पंचायत ने बारिश में जरूरतमंदों को बांटे नि:शुल्क छाते

रायपुर 23 जुलाई। मानसून के बीच समाजसेवा की मिसाल पेश करते हुए पूज्य सिविल लाइंस सिंधी पंचायत ने बुधवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जरूरतमंद श्रमिकों और छोटे व्यवसायियों को निःशुल्क छतरियों का वितरण किया। एम.जी. रोड, कटोरा तालाब, राजेंद्र नगर और मरीन ड्राइव क्षेत्र में मजदूरों, सब्जी विक्रेताओं, ठेला एवं गुमटी संचालकों को छतरियां प्रदान कर बारिश के मौसम में उनकी रोजी-रोटी से जुड़ी परेशानियों को कम करने का प्रयास किया गया। पंचायत के अध्यक्ष संजय जयसिंग और महासचिव मोहन वर्ल्यानी ने कहा कि संस्था हमेशा जरूरतमंद और वंचित वर्ग की सेवा के लिए प्रतिबद्ध रही है। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु में खुले आसमान के नीचे काम करने वाले श्रमिकों और छोटे व्यवसायियों को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में उनकी छोटी-सी मदद भी उनके जीवन में बड़ा सहारा बन सकती है। उन्होंने बताया कि पूज्य सिविल लाइंस सिंधी पंचायत आगे भी शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याण से जुड़े सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखेगी। छतरी वितरण अभियान के दौरान लाभार्थियों ने पंचायत के इस मानवीय प्रयास की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जय आर्य, संजय जादवानी, राजेश गिदवानी, विशाल नारंग, सुशील दरिया, चंदन परवानी और धनेश मटलानी सहित पंचायत के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम की जानकारी मीडिया प्रभारी जतिन नचरानी ने दी।

साफसफाई का हाल जानने आयुक्त पहुंचे इंदिरा नगर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 23 जुलाई। बारिश में साफसफाई का हाल जानने आयुक्त श्री जी.आर मरकाम आज सुबह इंदिरा नगर का आकस्मिक निरीक्षण कर बस्ती के सम्पूर्ण क्षेत्र की अच्छे तरीके सफाई करने के निर्देश दिए। वही उन्होने जिला चिकित्सालय के पास का अवरूद्ध नाला जेसीबी से सफाई कराई तथा अस्पताल परिसर के चारो ओर के नाली की स्वच्छता कमाण्डो गैंग से सम्पूर्ण सफाई कराए। साथ ही उन्होंने पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर आडिटोरियम का निरीक्षण कर मरम्मत के शेष कार्य जल्द पूर्ण करने कहा। दो-तीन दिन से लगतार बारिश के कारण निचली बस्तियो मे पानी भरान को ध्यान में रखकर आयुक्त श्री मरकाम ने आज सुबह निगम के तकनीकि एवं स्वास्थ्य अमला के साथ इंदिरा नगर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि इंदिरा नगर बस्ती में साफसफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। पानी भरान क्षेत्र से पानी निकासी की समुचित व्यवस्था हो, गड्ढे में

भरे पानी कच्ची नाली खोदकर निकासी करावे। जिला चिकित्सालय परिसर का निरीक्षण कर चिकित्सालय के सामने का नाला झिल्ली पन्नी कचरे से अवरूद्ध होने पर समक्ष में जेसीबी से सफाई कराई तथा अस्पताल परिसर के चारो ओर की नाली को स्वच्छता कमाण्डो गैंग से सफाई करा कचरा निकलवाए। आयुक्त ने हास्पिटल परिसर के सार्वजनिक शौचालय का निरीक्षण कर संचालक को साफसफाई का विशेष ध्यान रखने, पानी, बिजली व अन्य आवश्यक व्यवस्था दुरूस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल आने जाने वाले मरीज के परिजनो को किसी प्रकार की असुविधा नही होनी चाहिए, शौचालय संबंधी सभी आवश्यक व्यवस्था नियमित रूप से दुरूस्त रखा जाए। इसी परिप्रेक्ष्य में आयुक्त श्री मरकाम ने पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर आडिटोरियम का निरीक्षण कर चल रहे मरम्मत कार्य के शेष कार्य जल्द पूर्ण करने कहा। उन्होंने कहा कि परिसर की नियमित साफसफाई की जाये तथा कटिली झाडिया काटी जाए। आडिटोरियम मे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते है, शासकीय कार्यक्रम में व्ही.आई.पी. लोगो का आगमन भी होता है, जिसे ध्यान में रखकर सभी आवश्यक व्यवस्था दुरूस्त रखा जाए। निरीक्षण के दौरान वार्ड पार्षद श्री सतीश साहू, कार्यपालन अभियंता श्री दीपक खाण्डे, प्र.स्वास्थ्य अधिकारी श्री राजेश मिश्रा सहित स्वास्थ्य अमला उपस्थित रहे।

ग्राम चिंगरी में टीम ने अवैध उर्वरक एवं कीटनाशक गोदाम को किया सील

रायपुर,23 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के किसानों को गुणवत्तायुक्त कृषि आदान समय पर उपलब्ध कराने तथा नकली एवं अमानक उर्वरक-कीटनाशकों के कारोबार पर सख्त कार्रवाई के निर्देशों के तहत प्रदेशभर में कृषि विभाग द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दुर्ग जिले में कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में कृषि विभाग के जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल ने ग्राम चिंगरी (अंडा) में बड़ी कार्रवाई करते हुए बिना वैध अनुज्ञप्ति के उर्वरक एवं कीटनाशक का निर्माण, भंडारण और विक्रय किए जाने के मामले में दो गोदामों को सील कर भारी मात्रा में सामग्री जब्त की है। उड़नदस्ता दल को ग्राम चिंगरी स्थित चन्द्राकर किराना स्टोर्स परिसर में अवैध रूप से जैव उत्प्रेरक एवं कीटनाशकों के निर्माण एवं भंडारण की सूचना प्राप्त हुई थी। निरीक्षण के दौरान गोदाम बंद मिला।

महापौर एवं आयुक्त ने चिखली दीनदयाल नगर में पानी निकासी के लिए किया स्थल निरीक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 23 जुलाई। दो दिन से लगातार बारिश होने पर चिखली दीनदयाल नगर में बस्ती की ओर पानी भरान की स्थिति निर्मित होने पर सुबह महापौर श्री मधुसूदन यादव, आयुक्त श्री जी.आर मरकाम, निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिह पारस वर्मा एवं जल विभाग के प्रभारी सदस्य व वार्ड पार्षद श्री सुनील साहू तथा तकनीकि व स्वास्थ्य अमला के साथ चिखली तनाला रेस्टोरेंट के पीछे के नाला का निरीक्षण किए। चिखली तनाला रेस्टोरेंट के पीछे के नाला का पानी आगे नाला नही बनने के कारण बस्ती की ओर पानी भरान की स्थिति निर्मित होने पर आज महापौर श्री यादव मौका मुआयना किए। उन्होंने उक्त क्षेत्र का पैदल भ्रमण कर नाला बनाने के लिए स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने प्र. सहायक अभियंता सुश्री सुषमा साहू एवं उप अभियंता सुश्री आयुषी सिंह से कहा कि आगे पानी निकासी के लिए सीमांकन कराया जाए और नाला निर्माण हेतु तकनीकि प्रक्रिया की जाए। उन्होंने प्र.स्वास्थ्य अधिकारी श्री राजेश मिश्रा को पानी निकासी हेतु कच्ची नाली खोदने एवं साफसफाई कराने के निर्देश दिए। आयुक्त श्री मरकाम ने कहा कि लगातार बारिश होने से निचली बस्तियों में पानी भरान की स्थिति निर्मित होती है, इसके लिए स्थल निरीक्षण कर उक्त क्षेत्र के नाली नालो की समुचित सफाई कराए तथा पानी भरान स्थल से निकासी हेतु उचित प्रबंध करे एवं पानी निकासी में आ रहे अवरोध हटावे। महापौर श्री यादव ने चिखली आयुष क्लीनिक का भी निरीक्षण कर परिसर में वृक्षारोपण करने आवश्यक व्यवस्था के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्लीनिक परिसर में वृक्षारोपण हो जाने से हरियाली आयेगी जिससे आने वाले मरीजो को स्वच्छ वातावरण मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष निगम सीमाक्षेत्र में 10 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। जिसके क्रियान्वयन के लिए वृक्षारोपण हेतु इसी प्रकार का सुरक्षित स्थल चयन किया जाए, ताकि शहर में हारियाली का वातावरण निर्मित हो सके।

फिनोलेक्स केबल्स ने लॉन्च किए स्मार्ट होम और आधुनिक इलेक्ट्रिकल उत्पाद

रायपुर, 23 जुलाई। भारत की अग्रणी इलेक्ट्रिकल और कम्युनिकेशन केबल निर्माता कंपनियों में से एक तथा विश्वसनीय इलेक्ट्रिकल सॉल्यूशंस प्रदाता फिनोलेक्स केबल्स लिमिटेड ने आज रायपुर में अपने स्मार्ट और आधुनिक उत्पादों की नई श्रृंखला पेश की। यह लॉन्च आधुनिक भारतीय उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नए उत्पादों के साथ-साथ रिटेलर नेटवर्क का विस्तार और चैनल पार्टनर्स को मजबूत बनाकर कंपनी इस बाजार से 50त्न से अधिक राजस्व वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रही है।

कंपनी ने अपने नवीनतम स्मार्ट होम सॉल्यूशंस के तहत स्मार्ट स्विच और स्मार्ट डोर लॉक पेश किए। इसके साथ ही क्यूपिड 5एस बीएलडीसी फैन, एंडुरा एवं नोवा सोलर पीवी केबल्स तथा फायर अलार्म केबल्स भी लॉन्च किए गए। यह नई श्रृंखला नवाचार, सुरक्षा, ऊर्जा दक्षता और भरोसेमंद प्रदर्शन पर कंपनी के निरंतर फोकस को दर्शाती है।

रायपुर जैसे शहरों में तेजी से हो रहे शहरीकरण, आवासीय विकास और डिजिटल तकनीकों को बढ़ते अपनाने के कारण उपभोक्ताओं की मांग अब स्मार्ट, कनेक्टेड और ऊर्जा दक्ष घरेलू समाधानों की ओर बढ़ रही है। फिनोलेक्स के नए उत्पाद इन्हीं बदलती जरूरतों और आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं, साथ ही गुणवत्ता और भरोसे की अपनी विरासत को भी कायम रखते हैं। इस अवसर पर फिनोलेक्स केबल्स लिमिटेड के प्रेसिडेंट ङ्क सेल्स एंड मार्केटिंग, श्री अमित माथुर ने कहा,आज उपभोक्ताओं की अपेक्षाएं तेजी से बदल रही हैं। घर पहले से अधिक स्मार्ट, ऊर्जा दक्ष और आपस में जुड़े हुए बन रहे हैं। फिनोलेक्स में नवाचार हमेशा हमारी उत्पाद रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। हमारी नई उत्पाद श्रृंखला उपभोक्ताओं को अधिक सुविधा, बेहतर सुरक्षा और टिकाऊ जीवनशैली को समर्थन देने वाले समाधान उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हमें खुशी है कि हम इन उत्पादों को रायपुर जैसे उभरते हुए बाजार में पेश कर रहे हैं, जहां आधुनिक इलेक्ट्रिकल समाधानों की मांग लगातार बढ़ रही है।

उन्होंने आगे कहा, हमारा लक्ष्य इस बाजार में अपने चैनल पार्टनर नेटवर्क को और मजबूत करना तथा रिटेलर्स की संख्या बढ़ाना है। हमें विश्वास है कि इन नए उत्पादों के साथ हम पिछले वर्ष की तुलना में इस बाजार से 50त्न से अधिक राजस्व वृद्धि हासिल करेंगे। फिनोलेक्स के स्मार्ट होम सॉल्यूशंस को घरों में स्मार्ट ऑटोमेशन और बेहतर सुरक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। स्मार्ट स्विच और स्मार्ट डोर लॉक उपभोक्ताओं को अधिक नियंत्रण, सुविधा और सुरक्षा प्रदान करते हैं तथा आधुनिक जीवनशैली के अनुरूप सहज अनुभव देते हैं। ऊर्जा दक्ष उत्पादों की बढ़ती मांग को देखते हुए कंपनी ने क्यूपिड 5एस बीएलडीसी फैन भी पेश किया है, जो पारंपरिक सीलिंग फैन की तुलना में कम बिजली की खपत के साथ बेहतर एयर सर्कुलेशन प्रदान करता है।

देश में अक्षय ऊर्जा के बढ़ते उपयोग को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने एंडुरा एवं नोवा सोलर पीवी केबल्स भी प्रदर्शित किए। ये केबल्स रूफटॉप और बड़े सोलर प्रोजेक्ट्स के लिए विकसित किए गए हैं तथा कठिन मौसम की परिस्थितियों में भी बेहतर प्रदर्शन, प्रभावी बिजली संचरण और लंबी कार्यक्षमता सुनिश्चित करते हैं। सुरक्षा से जुड़े अपने उत्पाद पोर्टफोलियो को और मजबूत करते हुए कंपनी ने फायर अलार्म केबल्स भी लॉन्च किए हैं। ये केबल्स फायर डिटेक्शन और इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम में भरोसेमंद सिग्नल ट्रांसमिशन सुनिश्चित करते हैं, जिससे घरों और व्यावसायिक परिसरों की सुरक्षा को और मजबूती मिलती है। वायर और केबल्स से आगे बढ़ते हुए स्मार्ट होम सॉल्यूशंस, पंखे, लाइटिंग, स्विच और विशेष इलेक्ट्रिकल उत्पादों तक फैले अपने विस्तृत पोर्टफोलियो के साथ फिनोलेक्स केबल्स एक व्यापक इलेक्ट्रिकल सॉल्यूशंस प्रदाता के रूप में अपनी मजबूत पहचान बना रही है। कंपनी का उद्देश्य आधुनिक तकनीकों के माध्यम से भारत के विकसित होते इंफ्रास्ट्रक्चर और आवास क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करना है।

कलेक्टर के निर्देश पर शासकीय भूमि से हटाया गया अवैध अतिक्रमण

राजनांदगांव 23 जुलाई। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के विरूद्ध अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में आज घुमका तहसील अंतर्गत ग्राम पटेवा में राजस्व विभाग की टीम ने शासकीय भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। ग्राम पटेवा निवासी श्री ऐमन कुमार ने कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन प्रस्तुत कर शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के कारण अपने खेत तक आवागमन एवं कृषि कार्य में हो रही परेशानी से अवगत कराया था। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने आवेदन पर तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार अतिक्रमण हटाने तथा आवेदक की समस्या का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्री गौतम कुमार पाटिल के नेतृत्व में तहसीलदार श्री मुकेश ठाकुर, राजस्व निरीक्षक, हल्का पटवारी एवं पुलिस बल की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर शासकीय भूमि पर अतिक्रमणकर्ता जगदीश साहू द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की। जिला प्रशासन ने कहा कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए नियमानुसार कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

तथ्य व तर्क नहीं होते इसलिए होता है हंगामा

संसद के कई सत्र हो गए हैं,हर बार उम्मीद की जाती है कि इस बार संसद सत्र सामान्य रहेगा,संसद में हर विषय पर चर्चा होगी और सरकार से सवाल पूछे जाएंगे और सरकार हर सवाल का जवाब देगी।हर बार देश की जनता को विपक्ष ने निराश किया है। हर बार किसी एक मुद्दे या कुछ मुद्दों को उठाकर विपक्ष के नेता संसद हंगामा करने आते हैं और संसद को चलने नहीं देते हैं और संसद न चलने देने के लिए सरकार को दोषी ठहराते हैं।ऐसा क्यों होता है यह पीएम मोदी जानते हैं इसलिए वह संसद शुरू होने के पहले ही सीधे यह नहीं बताते हैं कि इस बार भी पिछली बार के समान ही विपक्ष संसद में हंगामा करेगा और संसद नहीं चलने देगा। वह यह बताते हैं कि विपक्ष संसद में हंगामा करता है,संसद चलने नहीं देता है, बहस नहीं करता है, सवाल नहीं पूछता है, जवाब नहीं सुनता है तो उसकी वजह है विपक्ष के पास न तर्क है न तथ्य है इसलिए तर्क व तथ्य न होने के कारण वह हंगामा करता है, संसद नहीं चलने देना चाहता है।

इस बार भी संसद सत्र के पहले पीएम मोदी ने विपक्ष को हल्ला न करने की नसीहत देते हुए कहा है कि जब तथ्य व तर्क मजबूत होते हैं तो हंगामे के लिए कोई जगह नहीं बचती है।अगर तर्क मजबूत है,तथ्य ठोस है तो शांत चित्त से अपनी आवाज को बुलंद किया जा सकता है।तर्क व तथ्य के साथ सदन की चर्चा को समृध्द बनाया जा सकता है।हर आवाज व हर विचार को संसद में जगह मिल सकती है। पीएम मोदी ने कहा कि संसद में कई अनुभवी सासंद हैं, कई दलों के पास अनुभवी सांसद है,उनके अनुभव व उनके ज्ञान की संसद को जरूरत है।देश को भी जरूरत है,इसके लिए संसद का चलना,संसद में सार्थक चर्चा होना,मिलजुल कर देश को आगे ले जाने का संकल्प लेना जरूरी है। मोदी तो चाहते हैं कि संसद में बहस हो,अनुभवी सांसदों को सहयोग सरकार को मिले, लेकिन पार्टी राजनीति व पार्टी विरोध के चलते यह पिछले कई सत्रों से हो नहीं पाता है, पार्टी नेता जैसा चाहता है सासंदों को वैसा ही आचरण संसद में करना पड़ता है।इससे लोगों को भी लगता है कि हमने कैसे लोगों को संसद में चुनकर भेजा है। मानसून सत्र के पहले दिन वही सब हुआ जो इससे पहले के सत्र में होता रहा है।लोकसभा में विपक्षी दलों के सांसदों ने नीट पेपर लीक, राममंदिर चढ़ावा चोरी आदि मुद्दों को लेकर नारेबाजी शुरू कर दी।इसके कारण प्रश्नकाल व शून्य काल नहीं हुआ।सदन की कार्यवाही छह बार स्थगित होने के बाद मंगलवार तक के लिए स्थगित हो गई।संसद में विपक्षी सदस्यों ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए नारेबाजी की।कुछ सदस्यों ने आसन पार जाकर भी नारेबाजी की।लोकसभा के स्पीकर बार बार सदस्यों से कहते रहे कि संदन की गरिमा व परंपरा को बनाएं रखें नारेबाजी से संसद की मर्यादा नहीं बनती है।तर्कों के साथ चर्चा करें।विपक्षी सांसद हल्ला करते रहे।स्पीकर बिरला ने सद्सयों से यह भी कहा कि कई प्रदेशो मे बाढ़ की समस्या है,उस पर चर्चा कीजिए। लेकिन विपक्षी सदस्यों को हल्ला करना,हंगामा करना ही ज्यादा ठीक लगा और वह वही करते रहे। देश की राजधानी दिल्ली व संसद में सोमवार जो कुछ दिल्ली की सड़क व संसद में देखने को मिला है वह लोकतंत्र के लिए शुभ तो नहीं माना जा सकता है। लोकतंत्र आपसी टकराव से मजबूत नहीं होता है, लोकतंत्र तो संवाद व सार्थक चर्चा से ही मजबूत होता है, एक दूसरे के सहयोग से हर समस्या का समाधान हो सकता है।लोकतंत्र में टकराव किसी भी तरह से ठीक नहीं माना जा सकता है लेकिन चाहे सड़क हो या संसद हो वहां संवाद की जगह टकराव को चुना जा रहा है और इसी वजह छोटी छोटी बातों पर आए दिन संसद व सड़क पर सरकार व विपक्ष का टकराव देखने को मिल रहा है।देश का संविधान नागरिकों को सांसदों को शांति पूर्ण ढंग से अपनी बात रखने व सरकार का विरोध करने का अधिकार देता है। वह अपने अधिकार का उपयोग कर सकते हैं लेकिन जब भी ऐसा नहीं किया जाता है तो टकराव होता है और इससे सबको परेशानी होती है। सड़क पर अराजक आंदोलन या संसद में अराजक हंगामा हो दोनों से लोकतंत्र कमजोर होता है और संसद हो या सड़क हो सभी की जिम्मेदारी है कि वह ऐसा कोई काम न करे कि लोकतंत्र कमजोर हो। संसद लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था है तो सड़क लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का सबसे ऊंचा मंच है। यहां यह ध्यान रखने की जरूरत है कि संसद को सड़क न बनाया जाए और सड़क को संसद न समझा जाए।संसद व सड़क एक दूसरे के विकल्प नहीं है,वह एक दूसरे के पूरक हैं। सवाल सड़क पर उठाए जा सकते हैं लेकिन उस पर बहस सड़क पर नहीं हो सकती,सड़क पर बहस से कोई समाधान नहीं निकल सकता, उस पर बहस संसद में होगी तो कोई समाधान निकलेगा।सड़क पर उठने वाली आवाजें संसद तक पहुंचनी चाहिए।यह काम विपक्ष के सांसदों का है। विपक्ष के सांसदों को यह आवाज संसद में उठानी चाहिए, वह भी यदि सड़क के लोगों की तरह संसद में हंगामा करेंगे,संसद नहीं चलने देंगे तो न तो सड़क की आवाज संसद में उठ सकती है और समस्या का कोई समाधान निकल सकता है।संसद देश की समस्याओं के समाधान का मंच है,यहां हंगामा होगा तो समस्याओं का समाधान कैसे होगा।

आयोजन

आधे पदक देने वाले खेल बाहर, ग्लासगो में भारत की सबसे कठिन अग्निपरीक्षा

अजय कुमार,वरिष्ठ पत्रकार

23 जुलाई से स्कॉटलैंड के ग्लासगो में शुरू हो रहे 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स भारतीय खेलों के लिए सिर्फ एक और बहु-खेल प्रतियोगिता नहीं हैं। यह

वह टूर्नामेंट है, जिसने शुरू होने से पहले ही भारत के मेडल समीकरण को पूरी तरह बदल दिया है। हर बार जब कॉमनवेल्थ गेम्स का आगाज होता है तो देश में चर्चा होती है कि भारत 60 या उससे ज्यादा पदक जीत पाएगा या नहीं, कौन-सा खिलाड़ी गोल्ड लाएगा और मेडल तालिका में चौथा या तीसरा स्थान मिलेगा या नहीं। लेकिन इस बार माहौल अलग है। नीरज चोपड़ा मैदान में नहीं हैं, पीवी सिंधु नहीं हैं, भारतीय हॉकी टीम नहीं है, महिला क्रिकेट टीम नहीं है, मनु भाकर नहीं हैं और सबसे बड़ी बात यह कि जिन खेलों ने पिछले एक दशक में भारत को कॉमनवेल्थ की ताकत बनाया, उनमें से अधिकांश इस बार खेलों का हिस्सा ही नहीं हैं।यही वजह है कि ग्लासगो पहुंचा भारतीय दल पहले के मुकाबले छोटा भी है और उसकी पदक संभावनाएं भी सीमित दिखाई दे रही हैं। भारत ने इस बार करीब 125 खिलाड़ियों को भेजा है, जबकि 2022 के बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में 210 एथलीट उतरे थे। उस समय भारत ने 22 स्वर्ण, 16 रजत और 23 कांस्य सहित कुल 61 पदक जीतकर ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और कनाडा के बाद चौथा स्थान हासिल किया था। लेकिन 2026 की कहानी 2022 जैसी बिल्कुल नहीं है। इस बार मुकाबला विरोधी खिलाड़ियों से कम और बदले हुए प्रारूप से ज्यादा है।अगर केवल आंकड़ों पर नजर डालें तो तस्वीर और साफ हो जाती है। बर्मिंघम में भारत के 61 पदकों में से 30 पदक ऐसे खेलों से आए थे जिन्हें ग्लासगो से बाहर कर दिया गया है। यानी पिछले प्रदर्शन का लगभग 49 प्रतिशत हिस्सा इस बार शुरू होने से पहले ही खत्म हो चुका है। कुश्ती अकेले 12 पदक लेकर आई थी। टेबल टेनिस से 7 पदक मिले थे। बैडमिंटन ने 6 पदक दिए थे। हॉकी और स्क्वैश ने मिलकर 4 पदक दिलाए थे, जबकि महिला क्रिकेट टीम ने रजत पदक जीता था। यही वे खेल थे जिन्होंने भारत को लगातार शीर्ष देशों में बनाए रखा। अब इनमें से कोई भी खेल ग्लासगो के कार्यक्रम में नहीं है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि यह फैसला किसी खेल प्रदर्शन की वजह से नहीं, बल्कि आर्थिक मजबूरी के कारण लिया गया। 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी पहले ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य को मिली थी। शुरुआती अनुमान के मुताबिक आयोजन पर करीब ढाई अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर खर्च होने थे, लेकिन कुछ ही महीनों में लागत बढ़कर सात अरब डॉलर के आसपास पहुंचने लगी। इसके बाद विक्टोरिया सरकार ने साफ कह दिया कि इतनी बड़ी रकम खर्च करना संभव नहीं है और उसने मेजबानी छोड़ दी। अचानक पूरा आयोजन संकट में आ गया। तीन साल से भी कम समय में कोई नया मेजबान तैयार होना आसान नहीं था। ऐसे समय में ग्लासगो आगे आया। 2014 में सफल मेजबानी कर चुका यह शहर तैयार तो था, लेकिन उसने भी शर्त रखी कि वह केवल सीमित संसाधनों के साथ छोटे संस्करण का आयोजन करेगा। नया गेम्स विलेज नहीं बनाया जाएगा। खिलाड़ी होटलों में ठहरेंगे। प्रतियोगिताएं केवल चार मौजूदा परिसरों में होंगी और उन्हीं खेलों को रखा जाएगा जिनके लिए पहले से बुनियादी ढांचा मौजूद है। यही कारण है कि क्रिकेट, हॉकी, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कुश्ती, स्क्वैश, बीच वॉलीबॉल, ट्रायथलॉन और रग्बी सेवन्स जैसे खेल बाहर हो गए।इस बार पूरे आयोजन में केवल 10 खेल शामिल हैं एथलेटिक्स, तैराकी, ट्रैक साइक्लिंग, वेटलिफ्टिंग, बॉक्सिंग, जूडो, आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स, लॉन बॉल्स, नेटबॉल और 3×3 बास्केटबॉल। कुल 215 स्वर्ण पदकों पर मुकाबला होगा। तुलना करें तो बर्मिंघम में 19 खेल थे और पदकों की संख्या भी कहीं ज्यादा थी। यानी मेडल जीतने के अवसर ही काफी कम हो गए हैं। भारत की उम्मीदें अब मुख्य रूप से एथलेटिक्स, वेटलिफ्टिंग, मुक्केबाजी और जूडो पर टिकी हैं। लेकिन यहां भी चुनौती कम नहीं है। पेरिस ओलंपिक के बाद भारतीय मुक्केबाजी और भारोत्तोलन का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा। मीराबाई चानू जैसी स्टार खिलाड़ी चोटों और फिटनेस से जूझती रहीं। महिला मुक्केबाजी में भी पिछले दो वर्षों में वैसा दबदबा नहीं दिखा जैसा

टोक्यो ओलंपिक के बाद देखने को मिला था। ऐसे में बर्मिंघम जैसी सफलता दोहराना आसान नहीं माना जा रहा।हालांकि पूरी तस्वीर निराशाजनक भी नहीं है। भारत के पास एथलेटिक्स में मजबूत संभावनाएं हैं। लंबी कूद, पैदल चाल, ट्रिपल जंप और कुछ ट्रैक स्पर्धाओं में भारतीय खिलाड़ी पिछले कुछ वर्षों में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। वेटलिफ्टिंग में भी युवा खिलाड़ियों की नई खेप तैयार हुई है। मुक्केबाजी में अनुभवी और नए खिलाड़ियों का मिश्रण भारतीय चुनौती को मजबूत बनाता है। यही वजह है कि खेल विशेषज्ञ भारत के लिए लगभग 28 से 35 पदकों का अनुमान लगा रहे हैं। यह संख्या 2022 से काफी कम होगी, लेकिन मौजूदा प्रारूप को देखते हुए इसे खराब प्रदर्शन नहीं माना जाएगा।दरअसल, इस बार नुकसान केवल पदकों का नहीं है। करोड़ों भारतीय खेल प्रेमियों को भी अपने पसंदीदा सितारों को देखने का मौका नहीं मिलेगा। बैडमिंटन नहीं होगा तो पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन नहीं दिखेंगे। हॉकी नहीं होगी तो हरमनप्रीत सिंह की ड्रैग-फ्लिक नहीं दिखेगी। कुश्ती नहीं होगी तो भारतीय पहलवानों की पारंपरिक ताकत नजर नहीं आएगी। क्रिकेट नहीं होगा तो महिला टीम की चमक गायब रहेगी। यानी दर्शकों के लिए भी यह कॉमनवेल्थ गेम्स पहले जैसा आकर्षण नहीं रखता। दिलचस्प बात यह भी है कि यह संकट केवल भारत तक सीमित नहीं है। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, कनाडा और न्यूजीलैंड जैसे देशों की भी कई मजबूत स्पर्धाएं बाहर हुई हैं। लेकिन भारत पर असर सबसे ज्यादा इसलिए पड़ा क्योंकि पिछले चार संस्करणों में उसके अधिकतर पदक इन्हीं हटाए गए खेलों से आते रहे हैं। यही वजह है कि भारत की मेडल तालिका पर सबसे बड़ा असर दिखाई देगा।एक और सवाल लगातार उठ रहा है कि क्या कॉमनवेल्थ गेम्स का भविष्य सुरक्षित है? पिछले कुछ वर्षों में कई देशों ने बढ़ती लागत के कारण मेजबानी से दूरी बनाई है। बड़े खेल गांव, हजारों खिलाड़ियों की मेजबानी, सुरक्षा और आधुनिक सुविधाओं पर अरबों डॉलर खर्च होते हैं, जबकि आर्थिक लाभ सीमित रहता है। ग्लासगो मॉडल इसी संकट का जवाब माना जा रहा है, जहां कम बजट, मौजूदा स्टेडियम और सीमित खेलों के जरिए आयोजन को बचाने की कोशिश की गई है। लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर यही मॉडल आगे भी जारी रहा तो कॉमनवेल्थ गेम्स का आकर्षण धीरे-धीरे कम हो सकता है।भारत के लिए हालांकि यह प्रतियोगिता एक और मायने रखती है। सितंबर में होने वाले एशियाई खेलों से पहले यह कई युवा खिलाड़ियों के लिए बड़ा परीक्षा मंच है। यहां अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी एशियाड और फिर लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 की तैयारी में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर सकते हैं। इसलिए ग्लासगो को केवल पदकों के चश्मे से देखना पूरी तस्वीर नहीं होगी। सच तो यह है कि 2026 का कॉमनवेल्थ गेम्स भारतीय खेल इतिहास में शायद सबसे असामान्य संस्करण साबित होगा। यहां भारत के सामने चुनौती केवल मेडल जीतने की नहीं, बल्कि यह साबित करने की भी है कि अगर उसके पारंपरिक मेडल बैंक बंद हो जाएं तो भी वह नए खेलों में अपनी पहचान बना सकता है। संभव है कि इस बार मेडल तालिका में संख्या कम दिखाई दे, लेकिन अगर युवा खिलाड़ी नए खेलों में सफलता की नई इबारत लिखते हैं तो यही ग्लासगो भारतीय खेलों के अगले दशक की सबसे मजबूत शुरुआत भी बन सकता है।

राशिफल

मेष राशि-आज का दिन आपके लिए नई खुशियां और सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी के संकेत लेकर आया है। मन प्रसन्न रहेगा और जीवन में सकारात्मक बदलाव महसूस होंगे। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी या प्रिय व्यक्ति के साथ यादगार समय बिताने का अवसर मिल सकता है।

वृषभ राशि-आज का दिन उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यशैली से सभी प्रभावित होंगे और आप अपने सहयोगियों से भी बेहतर प्रदर्शन करवाने में सफल रहेंगे। विदेश से जुड़े व्यापार करने वालों को कोई सुखद समाचार मिल सकता है। मन की कोई पुरानी इच्छा पूरी होने से संतोष का अनुभव होगा।

मिथुन राशि-आज का दिन अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए बेहद अनुकूल रहेगा। लंबे समय से रुके हुए काम गति पकड़ेंगे और सफलता मिलने की संभावना बढ़ेगी। नए लोगों से मुलाकात भविष्य में लाभदायक साबित हो सकती है। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को नए अवसर मिलेंगे। परिवार के किसी सदस्य को अपने काम में शामिल कर सकते हैं।

कर्क राशि-आज का दिन खुशियों और सुकून से भरा रहेगा। मित्रों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और किसी पार्टी या पारिवारिक कार्यक्रम का हिस्सा बन सकते हैं। घर से निकलने से पहले माता-पिता का आशीर्वाद लेना आपके लिए शुभ रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्यों के लिए प्रशंसा और सफलता मिलेगी। अपनी किसी पुरानी गलती से सीख लेकर आगे बढ़ेंगे।

सिंह राशि-आज व्यस्तता जरूर रहेगी, लेकिन आपकी मेहनत आपको सफलता के करीब ले जाएगी। व्यापार में धैर्य बनाए रखें, क्योंकि परिणाम आपके पक्ष में आने में थोड़ा समय लग सकता है। आय बढ़ाने के नए अवसरों पर आपका ध्यान रहेगा। पिताजी के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा, लेकिन उनके स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखें।

कन्या राशि-आज खर्चों पर नियंत्रण रखना आपके लिए जरूरी रहेगा। अपनी पसंद की चीजों पर खर्च करने का मन करेगा, लेकिन बजट का ध्यान रखना समझदारी होगी। धन-धान्य में वृद्धि के संकेत हैं और कोई पुराना लेन-देन भी समाप्त हो सकता है। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई से भटक सकता है, इसलिए उन्हें अधिक एकाग्र रहने की आवश्यकता होगी।

तुला राशि-आज का दिन आपको विशेष सावधानी बरतने की सलाह देता है। कानूनी या प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में कोई भी कदम सोच-समझकर उठाएं। यदि आपने किसी से कोई वादा किया था, तो उसे निभाने का प्रयास करें। संतान की उपलब्धियां आपको गर्व का अनुभव कराएंगी। भावनाओं में बहकर कोई फैसला लेने से बचें। धैर्य और विवेक से लिया गया निर्णय ही आपके लिए लाभदायक साबित होगा।

वृश्चिक राशि-आज परिस्थितियां आपके पक्ष में रहने वाली हैं। मानसिक शांति बनी रहेगी और कई रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें, विशेष रूप से पेट से जुड़ी समस्याओं को नजरअंदाज न करें। दूसरों के मामलों में अनावश्यक हस्तक्षेप करने से बचें। यदि पिताजी के स्वास्थ्य को लेकर चिंता है, तो समय रहते उचित सलाह लें। धन से जुड़े अटके हुए मामलों में भी सकारात्मक परिणाम मिलने के संकेत हैं। परिवार के साथ बिताया गया समय सुकून देगा।

धनु राशि-आज आय के नए स्रोत बनने की संभावना है। यदि नौकरी बदलने का विचार कर रहे थे, तो कोई अच्छा अवसर मिल सकता है। परिवार में किसी शुभ कार्य का आयोजन घर का माहौल खुशनुमा बनाएगा। विद्यार्थियों का मन नई चीजें सीखने में लगेगा और किसी नए कोर्स की शुरुआत करने का विचार बन सकता है।

मकर राशि-आज आपको अपने कामों पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता होगी। कुछ रुकावटें जरूर आएंगी, लेकिन धैर्य और मेहनत से आप उन्हें पार कर लेंगे। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतें। लंबे समय से टाले गए कार्यों को पूरा करने का प्रयास करें, अन्यथा परिवार के सदस्य नाराज हो सकते हैं।

कुंभ राशि-आज स्वास्थ्य के मामले में राहत महसूस होगी और मानसिक शांति भी बनी रहेगी। पिताजी की सलाह आपके लिए बेहद लाभदायक साबित हो सकती है, इसलिए उनकी बातों को गंभीरता से सुनें। यदि किसी समस्या को लेकर मन परेशान था, तो उसका समाधान मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में मनपसंद जिम्मेदारी मिलने से उत्साह बढ़ेगा।

मीन राशि-आज का दिन छोटे-छोटे अवसरों को बड़े लाभ में बदलने का रहेगा। आपकी कार्यक्षमता बढ़ेगी और आप अपने सभी जरूरी काम समय पर पूरे करने में सफल रहेंगे। व्यस्तता के बावजूद परिवार के लिए समय निकालेंगे, जिससे रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। पुराने मित्र से मुलाकात मन को प्रसन्न करेगी।

संवाद से सशक्त होगा लोकतंत्र, हिंसा से नहीं

ललित गर्ग

दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद भवन तक हाल के आंदोलन के दौरान जो तनाव, टकराव और हिंसक घटनाएं देखने को मिलीं, वे केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं हैं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव, बैरिकेड तोड़ने के प्रयास, मेट्रो स्टेशन में जबरन प्रवेश की कोशिश, पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग-ये सभी दृश्य उस लोकतांत्रिक संस्कृति के अनुरूप नहीं कहे जा सकते, जिसकी आधारशिला अहिंसा, संवाद और संवैधानिक मर्यादाओं पर रखी गई है। भारत आज आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ रहा है। यह केवल आर्थिक महाशक्ति बनने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक परिपक्वता की कसौटी पर भी स्वयं को सिद्ध करने का अवसर है। यदि हम आज भी असहमति को हिंसा, टकराव और अराजकता के माध्यम से व्यक्त करेंगे, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होगी। लोकतंत्र की शक्ति सड़क पर शक्ति-प्रदर्शन में नहीं, बल्कि विचारों की शक्ति, संवाद की संस्कृति और संवैधानिक प्रक्रियाओं में निहित होती है।

राहुल गांधी द्वारा नीट पेपर लीक प्रकरण को लेकर चल रहे घरना-प्रदर्शन के दौरान अचानक अपने सहयोगी सांसदों के साथ प्रधानमंत्री आवास के निकट धरने पर बैठना और संसद की बजाय सड़क को राजनीतिक संघर्ष का मंच बनाना अनेक गंभीर प्रश्न खड़े करता है। जिस प्रकार इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी के तथाकथित छात्रों एवं कार्यकर्ताओं ने संसद चलो मार्च के दौरान तनावपूर्ण, अराजक एवं हिंसक माहौल बनाने की घटनाएं सामने आईं, उससे यह आशंका बलवती हुई कि कुछ राजनीतिक शक्तियां भारत में भी नेपाल जैसी अराजक परिस्थितियां पैदा करने को उजावले हैं। सरकार की सतर्कता और सुरक्षा एजेंसियों की समय रहते की गई कार्रवाई से, कुछ कमियों के बावजूद, इस बड़े संकट को टाल दिया गया, अन्यथा दिल्ली लंबे समय तक हिंसा और अशांति की चपेट में आ सकती थी। देश पहले भी नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध के दौरान शाहीन बाग में लगभग सौ दिनों तक एक प्रमुख सड़क के अवरुद्ध रहने और उससे आम नागरिकों को हुई भारी कठिनाइयों का अनुभव कर चुका है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार निर्विवाद है, लेकिन उसका स्थान संसद, संवाद और संवैधानिक संस्थाएं हैं, न कि सड़क पर टकराव और अराजकता। विपक्ष यदि बार-बार ऐसे आंदोलनों को प्रोत्साहित करता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि उसका उद्देश्य लोकतांत्रिक विमर्श को मजबूत करना है या राजनीतिक ध्रुवीकरण और अस्थिरता को बढ़ावा देना। जनता अपेक्षा करती है कि सभी दल संसद को सर्वोच्च मंच मानते हुए वहीं जवाबदेही सुनिश्चित करें।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शांतिपूर्ण और निरस्त्र सभा करने का अधिकार देता है। यह अधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान है। किंतु प्रत्येक अधिकार के साथ कर्तव्य और मर्यादा भी जुड़ी होती है। प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, पुलिस से टकराव करना, हिंसा फैलाना अथवा आम नागरिकों के जीवन को बाधित करना किसी भी दृष्टि से लोकतांत्रिक आचरण नहीं कहा जा सकता। यदि आंदोलन अपनी नैतिक शक्ति खो देता है, तो उसकी मांगें भी समाज की सहानुभूति खो बैठती हैं। यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र केवल जनता के लिए नहीं, बल्कि सरकार के लिए भी उत्तरदायित्व का नाम है। सरकार को भी आंदोलनों को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं देखना चाहिए। जब भी किसी वर्ग, विशेषकर युवाओं और छात्रों में असंतोष उत्पन्न हो, तो उसका समय रहते समाधान खोजने का प्रयास होना चाहिए। संवाद के दरवाजे जितनी जल्दी खुलेंगे, टकराव की संभावनाएं उतनी ही कम होंगी। लोकतंत्र में सरकार की सबसे बड़ी शक्ति उसका धैर्य, संवेदनशीलता और संवाद की इच्छा होती है।

इतिहास साक्षी है कि भारत के अधिकांश सफल जनआंदोलन अहिंसा और संवाद की शक्ति से ही सफल हुए हैं। महात्मा गांधी ने विश्व को यह संदेश दिया कि सत्य और अहिंसा सबसे बड़े अस्त्र हैं। वर्ष 2011 का अन्ना हजारे का भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन भी इसका उदाहरण है। लाखों लोग सड़कों पर उतरे, लेकिन आंदोलन का नैतिक बल उसकी शांति और अनुशासन में था। उसी कारण सरकार को संवाद का रास्ता अपनाना पड़ा और पूरे देश में एक सकारात्मक बहस प्रारंभ हुई। इसके विपरीत जहां-जहां आंदोलनों ने हिंसा का मार्ग अपनाया, वहां उनका मूल उद्देश्य पीछे छूट गया और चर्चा केवल हिंसा तक सीमित होकर रह गई। आज सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर ऐसी कौन-सी शक्तियां हैं, जो सामान्य और भोली-भाली जनता एवं देश के युवाओं को हिंसा की ओर धकेल देती हैं? कौन-से तत्व आंदोलनों की दिशा बदलकर उन्हें अराजकता में परिवर्तित कर देते हैं? यह चिंता केवल सरकार की नहीं, पूरे समाज की होनी चाहिए। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन यदि असहमति के मंच पर राष्ट्रविरोधी, अराजक अथवा हिंसक तत्व सक्रिय हो जाएं, तो उन्हें नियंत्रित करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य दायित्व बन जाता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ अराजकता की स्वतंत्रता नहीं हो सकता।

संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर है। जंतर-मंतर लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक स्थल है। यदि इन दोनों के बीच हिंसा, तोड़फोड़ ण्वं अराजकता का दृश्य निर्मित होता है, तो यह केवल राजधानी की घटना नहीं रहती, बल्कि पूरे देश और विश्व के सामने भारतीय लोकतंत्र की छवि को प्रभावित करती है। लोकतंत्र की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन अधिक आक्रामक है, बल्कि इस बात में है कि कौन अधिक संयमित और उत्तरदायी है। राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों लोकतंत्र के दो पहिए हैं। यदि दोनों के बीच संवाद समाप्त हो जाएगा, तो लोकतंत्र टकराव का अखाड़ा बन जाएगा। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करना भी है। उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल शक्ति प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि असहमति को सम्मानपूर्वक सुनना भी है। लोकतंत्र में किसी की पूर्ण विजय या पूर्ण पराजय नहीं होती, यहां अंततः संवाद, सहमति और समाधान ही सबसे बड़ी जीत होती है।

छात्रों और युवाओं की समस्याओं का समाधान भी अत्यंत आवश्यक है। युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा हैं। यदि उनकी आशाओं और अपेक्षाओं की उपेक्षा होगी, तो असंतोष स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा। इसलिए सरकार को चाहिए कि वह युवाओं से नियमित संवाद स्थापित करे, उनकी समस्याओं को समयबद्ध ढंग से सुने और समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए। वहीं युवाओं को भी यह समझना होगा कि हिंसा उनके आंदोलन की सबसे बड़ी शत्रु है। पत्थर और लाठी किसी समस्या का समाधान नहीं करते, वे केवल संवाद के पुलों को तोड़ते हैं। आज आवश्यकता लोकतंत्र को अधिक परिपक्व बनाने की है।

सिक्किम हादसा: प्रकृति की चेतावनी या मानवीय लापरवाही ?

सुनील कुमार महला

हाल ही में सिक्किम के समरडुंग, नामची जिले में एनएचपीसी की तीस्ता स्टेज-VI जलविद्युत परियोजना के निर्माणाधीन टनल (एडीआइटी-3) में हादसा हो गया। मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार 20 जुलाई 2026 को निर्माणाधीन सुरंग के अंदर अचानक मीथेन गैस से जुड़ी घटना (संभावित विस्फोट/दहन) हुई और इसके बाद सुरंग के प्रवेश मार्ग के पास भूस्खलन हुआ, जिससे सुरंग का हिस्सा बंद हो गया और अंदर मौजूद कर्मचारी व अधिकारी फंस गए। बताया जा रहा है कि सुरंग में 40 से अधिक लोग मौजूद थे। इनमें से कुछ लोग समय रहते बाहर निकल आए, लेकिन लगभग 25–27 लोग अंदर फंस गए। जानकारी अनुसार इनमें एनएचपीसी, ठेकेदार कंपनी और मजदूर शामिल थे। ताज़ा उपलब्ध जानकारी के अनुसार(यह आलेख लिखे जाने तक) 20 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं तथा 2 लोग सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे तथा रिपोर्ट के समय तक 5 लोगों की तलाश जारी थी। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि सुरंग में प्राकृतिक रूप से जमा मीथेन गैस को निकालने के प्रयास के दौरान विस्फोट/दहन हुआ, जिससे भूस्खलन हुआ और सुरंग का प्रवेश मार्ग बंद हो गया। हालांकि, अंतिम कारण विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। राहत एवं बचाव कार्य में राज्य पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सेना, आईटीबीपी, दमकल तथा अन्य विशेषज्ञ एजेंसियों को लगाया गया। इधर, मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने भी घटनास्थल का दौरा कर स्थिति की समीक्षा की है। बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि भूस्खलन के कारण इस सुरंग के ढह जाने से कई लोगों की मौत हो जाने की घटना ने पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पहाड़ों की पारिस्थितिकी की अनदेखी कर विकास कितना नुकसानदेह हो सकता है, यह अब कोई छिपी बात नहीं है। हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि हमारे देश में भूस्खलन (लैंडस्लाइड) एक गंभीर प्राकृतिक आपदा बनता जा रहा है। मानसून के दौरान हिमालयी और पश्चिमी घाट के राज्यों में इसकी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। हाल के दिनों में सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर भारत में भारी वर्षा के कारण कई बड़े भूस्खलन हुए हैं। वास्तव में,अत्यधिक वर्षा और बादल फटना, भारत के हिमालयी क्षेत्र का भूकंपीय दृष्टि से अत्यधिक सक्रिय होना, अनियोजित विकास (पेड़ों की अंधाधुंध कटाई,सड़क, सुरंग, जलविद्युत परियोजनाओं और भवन निर्माण के दौरान वैज्ञानिक मानकों की अनदेखी), विकास के नाम पर पहाड़ों का काटा जाना, जलवायु परिवर्तन (अत्यधिक और अल्प अवधि की वर्षा) भूस्खलन के प्रमुख कारणों में से एक हैं तथा जम्मू-कश्मीर,लद्दाख,हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम,अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय,दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल) तथा पश्चिमी घाट (केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र) हमारे देश में सबसे अधिक भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में से एक हैं। गौरतलब है कि भारत का लगभग 12.6% भौगोलिक क्षेत्र भूस्खलन के खतरे वाले क्षेत्र में आता है तथा इस क्रम में इसरो (राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र) ने वर्ष 1998–2022 के दौरान भारत में लगभग 80,000 भूस्खलनों का डेटाबेस तैयार किया है। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र ,इसरो का एक प्रमुख केंद्र है, जिसका मुख्यालय हैदराबाद, तेलंगाना में स्थित है। बहरहाल, भूस्खलन का यह हमारे देश में पहला हादसा नहीं है। उत्तराखंड और तेलंगाना में भी ऐसे हादसे हो चुके हैं, लेकिन उनसे कोई सबक नहीं लिया गया। कहना ग़लत नहीं होगा कि हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा हमेशा बना रहता है। ऐसे में यदि सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन नहीं किया गया, तो यह गंभीर लापरवाही मानी जाएगी। सवाल यह भी उठता है कि बरसात के मौसम में सुरंग निर्माण का काम करते समय आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम पहले से क्यों नहीं किए गए? इस दुर्घटना में जिन श्रमिकों की जान गई, उसकी जिम्मेदारी आखिर किसकी है? क्या परियोजना से जुड़े अधिकारियों और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी? उक्त क्रम में, विशेषज्ञों का मानना है कि पहाड़ों में लगातार निर्माण कार्य(विकास) और पेड़ों की कटाई से जमीन कमजोर हो रही है। इसलिए बारिश के समय भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और सिक्किम में कई सुरंगें बन चुकी हैं और कई बन रही हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि निर्माण शुरू करने से पहले पर्यावरण और सुरक्षा से जुड़े जोखिमों का सही आकलन किया जाए। यदि सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन हो, तो कई बड़ी दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। विकास जरूरी है, लेकिन पर्यावरण का ध्यान रखते हुए। अंत में यही कहूंगा कि विकास मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक है, लेकिन यदि यह प्रकृति की कीमत पर किया जाए तो इसके गंभीर दुष्परिणाम सामने आते हैं। अंधाधुंध निर्माण, वनों की कटाई और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन से पर्यावरण असंतुलित होता है, जिससे भूस्खलन, बाढ़, सूखा और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं बढ़ती हैं। इसलिए विकास और प्रकृति को एक-दूसरे का विरोधी नहीं, बल्कि पूरक मानते हुए ऐसी योजनाएं बनानी चाहिए जो पर्यावरण संरक्षण और मानवीय प्रगति दोनों को साथ लेकर चलें। यही सतत एवं संतुलित विकास का मार्ग है। यदि हम ऐसा कर सके तो कोई दोराय नहीं कि हम पहाड़, प्रकृति और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकें।

एक नजर

विधानसभा में सरकार ने स्वयं जल जीवन मिशन की विफलता को स्वीकारा:लखेश्वर बघेल

जगदलपुर, 23 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपनेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस के बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने जल जीवन मिशन की बदहाल स्थिति को लेकर कहा कि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा में दिए गए उत्तर के अनुसार बस्तर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत 135 ग्राम पंचायतों के 173 गांवों में जल जीवन मिशन के तहत 177 योजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इनमें से आज तक केवल 53 योजनाएं पूर्ण हो सकी हैं, जबकि 124 योजनाएं अभी भी अधूरी हैं। सबसे गंभीर तथ्य यह है कि 173 गांवों में से केवल 51 गांवों में ही नल के माध्यम से जल प्रदाय प्रारंभ हो सका है, अर्थात 122 गांव आज भी इस सुविधा से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा में दिए गए स्वयं सरकार के जवाब ने भाजपा सरकार के दावों की पोल खोल दी है। विधानसभा में सरकार स्वयं जल जीवन मिशन की विफ्लता को स्वीकार कर रही है। विधायक लखेश्वर बघेल ने कहा कि अपने विधान सभा क्षेत्र के बस्तर एवं बकावंड विकासखंड के लिए लगभग 306 करोड़ रुपये की योजनाएं स्वीकृत हुई, लेकिन धरातल पर अपेक्षित परिणाम दिखाई नहीं दे रहे हैं। सरकार स्वयं स्वीकार कर रही है कि 183 आरसीसी टंकियों में से केवल 111 टंकियां पूर्ण हुई हैं और मात्र 51 टंकियों से ही जल आपूर्ति शुरू हो पाई है। सरकार के जवाब में यह भी स्वीकार किया गया है कि 103 गांवों में पाइप लाइन बिछाने का कार्य पूरा होने के बावजूद पेयजल आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी है इसका अर्थ है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी ग्रामीणों को उसका लाभ नहीं मिल रहा है। सरकार ने यह भी स्वीकार किया है कि 17 नलकूप असफ्ल रहे तथा कई गांवों में भू-जल की समस्या के कारण कार्य प्रभावित हुआ ऐसी परिस्थितियों में वैकल्पिक व्यवस्था करना सरकार की जिम्मेदारी थी, लेकिन सरकार समय रहते प्रभावी कदम उठाने में असफ्ल रही। उप प्रतिपक्ष नेता लखेश्वर बघेल ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि सरकार एक और दावा कर रही है कि ठेकेदारों को करीब 98.96 करोड़ रुपये (9896.81 लाख) का भुगतान किया जा चुका है, वहीं दूसरी ओर अधिकांश गांव आज भी पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। यह स्पष्ट करता है कि सरकार की प्राथमिकता जनता नहीं बल्कि केवल कागजी उपलब्धियां गिनाना है।

पुलिस ने प्रोजेक्ट संवाद के तहत तनाव प्रबंधन पर किया कार्यशाला का आयोजन

कांकेर , 23 जुलाई। जिले के पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवारजनों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट संवाद के तहत तनाव प्रबंधन एवं अवसाद रोकथाम विषय पर आज बुधवार को विशेष जागरूकता एवं परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने तनाव, अवसाद, भावनात्मक चुनौतियों और आत्महत्या की रोकथाम से जुड़े विषयों पर वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक जानकारी साझा की गई। पुलिस अधीक्षक निखिल कुमार राखेचा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू के मार्गदर्शन में आयोजित यह कार्यशाला पुलिस लाइन कांकेर में आयोजित की गई थी। कार्यक्रम में डीएसपी (आईयूसीएडब्ल्यू) प्रतिभा लहरे, डीएसपी (मुख्यालय) विंकेश्वरी पिंदे, डीएसपी कविता धुर्वे, रक्षित निरीक्षक गोविंद वर्मा सहित जिले के विभिन्न थाना, चौकी एवं पुलिस लाइन के अधिकारी-कर्मचारी और उनके परिवारजन शामिल हुए। कुल लगभग 150 प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया। कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय कांकेर से आए मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ आशीष जैन (साइकियाट्रिक), उमाशंकर सोनकर (क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट) एवं गार्गी वर्मा (साइकियाट्रिक सोशल वर्कर) ने पुलिस सेवा के दौरान आने वाले कार्य-दबाव, मानसिक तनाव, चिंता, अवसाद, भावनात्मक असंतुलन और आत्महत्या के जोखिम जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। विशेषज्ञों ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के शुरुआती लक्षणों की समय पर पहचान और आवश्यकता पडऩे पर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लेना बेहद जरूरी है। इससे मानसिक समस्याओं का प्रभावी उपचार संभव है, और गंभीर परिस्थितियों से बचा जा सकता है।

भैरमगढ़ में 324 स्कूलों में एक साथ 'न्योता भोज', 16 हजार बच्चों ने किया पौष्टिक भोजन

- कहीं खीर-पूड़ी तो कहीं पनीर और हरी सब्जियां, शिक्षा विभाग की अनूठी पहल बनी मिसाल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 23जुलाई। जिले के विकासखंड भैरमगढ़ में बुधवार को शिक्षा विभाग ने एक अनूठी पहल करते हुए 324 प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में एक साथ 'न्योता भोज' महाअभियान आयोजित किया। इस विशेष आयोजन में करीब 16 हजार स्कूली बच्चों को स्वादिष्ट, पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन परोसा गया। कहीं बच्चों को खीर-पूड़ी, कहीं पनीर की सब्जी, तो कहीं हरी सब्जियों के साथ गर्म भोजन और मिष्ठान का आनंद मिला।

कलेक्टर विश्वदीप और जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे की पहल पर आयोजित इस अभियान का उद्देश्य प्रधानमंत्री पूरक पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत बच्चों को बेहतर गुणवत्ता वाला भोजन उपलब्ध कराना और विद्यालयों में उनकी नियमित उपस्थिति बढ़ाना है।

इस महाअभियान को सफ्ल बनाने में विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रह्लाद जैन, बीआरसी डी. राय, संकुल प्राचार्यों, संकुल समन्वयकों, प्रधान अध्यापकों तथा स्व-सहायता समूहों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी विद्यालयों में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों और सब्जियों के आधार पर विशेष मेन्यू तैयार किया गया, जिससे बच्चों को पौष्टिक और स्वादिष्ट भोजन मिल सके।

शिक्षा विभाग का मानना है कि मध्यान्ह भोजन में गुणवत्ता सुधार से न केवल बच्चों के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, बल्कि विद्यालयों में उनकी नियमित उपस्थिति और पढ़ाई के प्रति रुचि भी बढ़ेगी। इसी उद्देश्य से जिले में 'न्योता भोज' को महाअभियान का रूप दिया जा रहा है।

सभी विकासखंडों में चलेगा अभियान

जिला शिक्षा अधिकारी राजेश पांडे ने बताया कि सामूहिक न्योता भोज का मुख्य उद्देश्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना और विद्यालयों में उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि भैरमगढ़ में मिली सफ्लता के बाद अब जिले के अन्य सभी विकासखंडों में भी चरणबद्ध तरीके से सामूहिक न्योता भोज आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा, हमारे शिक्षक पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ इस अभियान को सफ्ल बना रहे हैं। यह पहल बच्चों के पोषण, शिक्षा और विद्यालय से जुड़ाव को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

राजपरिवार के भंजदेव का कथन मां महालक्ष्मी राजमहल पधारी उनकी अज्ञानता का प्रतीक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 23 जुलाई। रियासत कालीन बस्तर गोंचा महापर्व अंतर्गत शताब्दियों पुरानी हेरा पंचमी पूजा विधान की परंपरा का निर्वहन इस वर्ष भी 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के पदेन पाढ़ी एवं पानीग्रही के मार्गदर्शन में संपन्न किया गया। जिसमें परंपरानुसार श्री जगन्नाथ मंदिर से महालक्ष्मी की माया स्वरूप दासी की डोली राज परिवार के घर इसके बाद राजगुरु बड़ा में उनके घर एवं अन्य घरों में श्रीजगन्नाथ, सुभद्रा एवं बलभद्र स्वामी की तलाश करते हुए वापस इस श्रीजगन्नाथ मंदिर पहुंचकर माता महालक्ष्मी को सूचित करने की परंपरा का निर्वहन कर भगवान श्रीजगन्नाथ गुंडिचा मंदिर मौसी के घर में विराजमान है, के बाद महालक्ष्मी की माया स्वरूप दासी की डोली के साथ एक अन्य दूसरी डोली रथ परिक्रमा स्थल से होते हुए गुंडीचा मंदिर पहुंचकर लक्ष्मी-नारायण संवाद की परंपरा संपन्न कराया गया, जिसे हेरा पंचमी पूजा विधान कहा जाता है। इस संबंध में राजपरिवार के सदस्य कमल चंद्र भंजदेव के द्वारा सोसल मीडिया में यह उल्लेखित करते हुए बताया गया कि मां महालक्ष्मी जी भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु की खोज में राजमहल पधारी। यह राजपरिवार के सदस्य कमल चंद्र भंजदेव के अज्ञानता को दर्शाता है। कमल चंद्र भंजदेव को बस्तर गोंचा महापर्व के संबध में शास्त्र-पुराणों एवं परंराओं का अध्ययन की आश्यकता है। माता महालक्ष्मी के द्वारा भगवान श्रीजगन्नाथ की खोज में दर-दर भटकने की परंपरा संभव ही नही है, वस्तुतः जहां भगवान विष्णु का वास होता

है, वहां महालक्ष्मी विराजमान होती है, हेरा पंचमी का विस्तृत वर्णन श्रीमहालक्ष्मी पुराण (ओडिया में 'माणबसा लक्ष्मी पुराण' के रूप में प्रसिद्ध) और चैतन्य चरितामृत में मिलता है। यह उत्सव भगवान श्रीजगन्नाथ और देवी महालक्ष्मी के बीच अनूठे, प्रेमपूर्ण और मानवीय मान-मनौव्वल को दर्शाता है। 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के बस्तर गोंचा महापर्व के जानकारों में इसे लेकर नाराजगी देखी जा रही है।

360 घर आरण्यक ब्राम्हण समाज के पदेन पानीग्राही राधाकांत पानीग्राही ने बस्तर गोंचा महापर्व में हेरा पंचमी पूजा विधान के परंपरा के संबध में बताया कि हेरा पंचमी पूजा विधान में महालक्ष्मी की माया स्वरूप दासी भगवान श्रीजगन्नाथ, सुभद्र एवं बलभद्र स्वामी की तलाश करने राज परिवार के घर पंहुचती हैं, जिसके बाद राजगुरु बाडा में उनके घर में नहीं मिलने के पश्चात पूछताछ करके जनकपुरी के समक्ष उनका रथ नंदी घोष को देखते हैं उसके पश्चात श्रीमंदिर लौटकर महालक्ष्मी को बताते हैं कि प्रभु श्रीजगन्नाथ सुभद्र एवं बलभद्र स्वामी जनकपुरी में अपनी मौसी के घर में है। ततपश्चात महालक्ष्मी की माया स्वरूप दासी के साथ महालक्ष्मी जनकपुरी पंहुचते हैं, उसके पश्चात महालक्ष्मी-नारायण संवाद होता है। जिसके समस्त पूजा विधान 360 घर आरण्यक ब्राम्हण समाज के पाढ़ी एव पाणिग्राही के द्वारा संपन्न करवाया जाता है। परंपरानुसार पूजा विधान के बाद महालक्ष्मी श्रीमंदिर वापस लौट जाती है। इस दौरान महालक्ष्मी की माया स्वरूप दासी के द्वारा प्रभु श्रीजगन्नाथ का रथ नदी घोष को क्षतिग्रस्त करने का निर्वहन किया जाता है।

उन्होने बताया कि 360 घर आरण्यक ब्राम्हण समाज के द्वारा बस्तर गोंचा महापर्व की समस्त पूजा विधान सहित हेरा पंचमी पूजा विधान की परंपरा शास्त्र सम्मत एवं पुराणों में उल्लेख के अनुसार संपन्न करवाया जाता है। श्रीजगन्नाथ के गुंडिचा महापर्व (रथ यात्रा) के पांचवें दिन मनाई जाने वाली हेरा पंचमी का विस्तृत वर्णन श्रीमहालक्ष्मी पुराण (ओडिया में 'माणबसा लक्ष्मी पुराण' के रूप में प्रसिद्ध) और चैतन्य चरितामृत में मिलता है। यह उत्सव भगवान श्रीजगन्नाथ और देवी महालक्ष्मी के बीच अनूठे, प्रेमपूर्ण और मानवीय मान-मनौव्वल को दर्शाता है।ओडिया साहित्य में रचित इस पुराण के अनुसार, हेरा पंचमी का विधान और पौराणिक वर्णन इस प्रकार हैङ्क गुंडिचा रथयात्रा के दिन भगवान श्रीजगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ गुंडिचा मंदिर चले जाते हैं, लेकिन देवी महालक्ष्मी को मुख्य मंदिर (श्रीमंदिर) में ही छोड़ देते हैं। कुछ दिन बीत जाने के बाद, महालक्ष्मी को यह अहसास होता है कि उनके स्वामी ने उन्हें अनदेखा कर दिया है, जिससे उनके मन में रोष और वियोग का भाव उत्पन्न होता है। दुखी होकर, माता महालक्ष्मी एक भव्य पालकी में सवार होकर अपने सेवकों के साथ गुंडिचा मंदिर प्रस्थान करती हैं।गुंडिचा मंदिर में महालक्ष्मी-नारायण संवाद होता है, जिसमें माता लक्ष्मीअपनी नाराजगी व्यक्त करती है।

श्रीमहालक्ष्मी पुराण में यह भी उल्लेख है कि अपनी पत्नी के इस प्रचंड क्रोध को शांत करने के लिए, भगवान श्रीजगन्नाथ स्वयं सेवकों के हाथों माता लक्ष्मी को 'आज्ञा माला' (स्वीकृति और प्रेम का प्रतीक माला) भेजते हैं। इसके बाद देवी का क्रोध शांत होता है। गुंडिचा मंदिर से वापसी में देवी महालक्ष्मी मुख्य मार्ग से नहीं, बल्कि 'हेरा गोहिरी साही' नामक एक संकरे और गुप्त मार्ग से श्रीमंदिर लौटती हैं। यह उनके मान और आत्म-सम्मान को दर्शाता।

श्रीमहालक्ष्मी पुराण में यह उल्लेख भी मिलता है कि क्रोध में आकर माता लक्ष्मी के द्वारा भगवान श्रीजगन्नाथ के नंदीघोष (भगवान के रथ) के एक हिस्से को क्षति पंहुचाने का भी उल्लेख मिलता है। वस्तुतः माता लक्ष्मी के द्वारा भगवान श्रीजगन्नाथ के नंदीघोष (भगवान के रथ)को क्षतिग्रस्त नही किया जाता है। महालक्ष्मी की माया स्वरूप दासी के द्वारा भगवान श्रीजगन्नाथ के नंदीघोष (भगवान के रथ)को क्षतिग्रस्त किया जाता है।

किरंदुल के कारोबारी हारून रशीद ने पोस्टमार्टम खर्च स्वयं उठाने का ऐलान किया

- यूनियन के पत्र के बाद उठाया संवेदनशील कदम
- शोकाकुल परिवारों से नहीं ली जाएगी पोस्टमार्टम सहयोग राशि
- स्थायी व्यवस्था होने तक आर्थिक सहयोग देने की घोषणा
- प्रशासन से पूछा–365 दिन की आवश्यकता का स्थायी समाधान कब

किरंदुल 23 जुलाई। बैलाडीला क्षेत्र में पोस्टमार्टम व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं के बीच किरंदुल के ज़ायका रेस्टोरेंट के संचालक हारून रशीद ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए बड़ा निर्णय लिया है। मेटल माइन्स वर्कर्स यूनियन द्वारा पोस्टमार्टम के दौरान सहायक की मजदूरी एवं आवश्यक सामग्री का खर्च मृतक के परिजनों से लिए जाने और नियमित व्यवस्था के अभाव का मुद्दा उठाए जाने के बाद उन्होंने यह पहल की।

हारून रशीद ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की है कि जब तक पोस्टमार्टम सहायक एवं आवश्यक सामग्री की स्थायी व्यवस्था नहीं हो जाती, तब तक यदि किसी भी पीड़ित परिवार से इस मद में राशि मांगी जाती है, तो वह राशि संबंधित परिवार से न लेकर उनसे ली जाए।

उन्होंने पोस्टमार्टम कार्य से जुड़े कर्मचारियों से अपील की कि शोकग्रस्त परिवारों पर आर्थिक बोझ डालने के बजाय सीधे उनसे संपर्क करें। अपनी सामर्थ्य के अनुसार वे पूरा सहयोग करेंगे, ताकि किसी परिवार को अपनों के अंतिम संस्कार से पहले पैसों की चिंता न करनी पड़े।

हारून रशीद ने कहा, यह व्यवस्था का विकल्प नहीं, बल्कि तब तक की मानवीय जिम्मेदारी है, जब तक व्यवस्था अपनी जिम्मेदारी पूरी तरह नहीं निभाती। उन्होंने यह भी कहा कि वे कोई बड़े उद्योगपति नहीं हैं, लेकिन यदि उनकी मेहनत की कमाई किसी दुखी परिवार की गरिमा बचाने में काम आ जाए, तो यही उनके व्यवसाय की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

इस पहल के साथ उन्होंने प्रशासन एवं संबंधित प्रबंधन से सवाल भी उठाया कि जिस व्यवस्था की आवश्यकता वर्षभर पड़ सकती है, उसे आज तक स्थायी रूप से लागू क्यों नहीं किया गया

किरंदुल में हारून रशीद की यह पहल केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि कठिन समय में मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरक उदाहरण बनकर सामने आई है।

23 से 26 जुलाई तक होगा बैलाडीला कबड्डी लीग का आयोजन

हैदराबाद 23 जुलाई। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में 23 से 26 जुलाई तक बैलाडीला क्षेत्र के 26 गांवों के कबड्डी खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा और दमखम दिखाने का सुनहरा अवसर मिलेगा।ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और उन्हें आगे बढ़ने का राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के उद्देश्य से नवरत्न कंपनी एनएमडीसी लिमिटेड अपने नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के अंतर्गत " बैलाडीला कबड्डी लीग "का आयोजन कर रही है। प्रतियोगिता में बचेली एवं किरंदुल क्षेत्र की कुल 26 ग्राम पंचायतों की 24 टीमें भाग लेंगी। बचेली क्षेत्र के मोलसनार, दुगेली, पाढ़ापुर, बेनपाल, बड़े कमेली, कमालूर, झिरका, धुरली, गामावाड़ा, नेरली, बड़े बचेली, मसेनार, गंजेनार एवं भांसी गांवों की टीमें प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। वहीं, किरंदुल क्षेत्र से कोडेनार, कड़मपाल, मदाड़ी, चोलनार, टिकनपाल, कलेपाल, समलवार, मड़कामिरास, हिरोली, कुटरेम, गुमियापाल एवं तनेली के खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता के लीग मुकाबले किरंदुल स्थित फुटबॉल स्टेडियम तथा बचेली के हॉकी मैदान में आयोजित किए जाएंगे। प्रतियोगिता का उदघाटन एवं समापन समारोह एनएमडीसी टाउनशिप बचेली स्थित हॉकी मैदान में होगा। इस लीग के सफ्ल आयोजन के लिए वाटर प्रूफ जर्मन हेंगर की व्यवस्था की गई है । मैदान पर खिलाड़ियों की सहूलत के लिए सिंथेटिक रबर मैट बिछाई जा रही है। एनएमडीसी द्वारा सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स किट एवं प्रतियोगिता के लिए आवश्यक खेल सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना, युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करना तथा स्थानीय खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना है। प्रतियोगिता के दौरान संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंचों सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों, एनएमडीसी के हैदराबाद मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों तथा एनएमडीसी की बैलाडीला लौह अयस्क खदान, किरंदुल एवं बचेली परियोजनाओं के अधिकारियों एवं कार्मिकों तथा श्रम संघ पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। समापन समारोह में विजेता एवं उपविजेता टीमों के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाएगा। एनएमडीसी का यह आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कंपनी अपने सीएसआर कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, कौशल विकास एवं सामुदायिक विकास के क्षेत्र में सतत कार्य करते हुए स्थानीय समुदायों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

संसद में चर्चा से भागकर छात्रों के मुद्दे पर राजनीति कर रहा है विपक्ष:राजेंद्र सिंह ठाकुर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

गीदम 23 जुलाई। देश की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था संसद है। यहीं देशहित के महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होती है, सरकार से जवाब मांगा जाता है और जवाबदेही तय की जाती है। वर्तमान में संसद का मानसून सत्र चल रहा है और सरकार छात्रों सहित हर जनहित के मुद्दे पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। मैं विपक्ष से पूछना चाहता हूं कि जब सरकार सदन में हर विषय पर चर्चा के लिए तैयार है, तब संसद का मंच छोड़कर सड़कों पर प्रदर्शन करने की क्या आवश्यकता है? यदि विपक्ष वास्तव में छात्रों के हितों के प्रति गंभीर होता, तो वह संसद में सरकार से सवाल पूछता, बहस करता और समाधान प्रस्तुत करता। लेकिन दुर्भाग्य से विपक्ष छात्रों के भविष्य को मुद्दा नहीं, बल्कि राजनीति का माध्यम बना रहा है। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार है, लेकिन उसका सबसे उचित और प्रभावी मंच संसद है। संसद से दूरी बनाकर केवल हंगामा और उग्र प्रदर्शन करना यह दर्शाता है कि विपक्ष का उद्देश्य समाधान नहीं, बल्कि राजनीतिक लाभ प्राप्त करना है।देश की जनता सब देख रही है। एक ओर सरकार जवाब देने, चर्चा करने और समाधान निकालने के लिए प्रतिबद्ध है, वहीं दूसरी ओर विपक्ष चर्चा से बचकर केवल राजनीतिक माहौल बनाने में जुटा है। छात्रों के भविष्य जैसे गंभीर विषय पर राजनीति करना दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं विपक्ष से आग्रह करता हूं कि वह संसद की गरिमा का सम्मान करे, सदन में चर्चा करे, सरकार से जवाब मांगे और छात्रों के हित में सकारात्मक भूमिका निभाए। लोकतंत्र में संवाद ही सबसे बड़ा समाधान है, टकराव नहीं।

केंद्रीय जेल की दीवार फांदकर फरार बंदी गिरफ्तार

जगदलपुर, 23 जुलाई। केंद्रीय जेल जगदलपुर की दीवार फांदकर फरार दंडित बंदी महेंद्र दीवान को गिरफ्तार करने में कोतवाली पुलिस को बड़ी सफ्लता मिली है। करीब तीन महीने से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने नारायणपुर में छिपे ठिकाने से घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ बस्तर, कांकेर और दंतेवाड़ा जिलों में चोरी समेत कुल सात मामले दर्ज हैं। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को जगदलपुर थाना कोतवाली लाकर आवश्यक कार्यवाही उपरांत आज बुधवार को उसे दोबारा न्यायिक अभिरक्षा में जेल दाखिल कर दिया गया है। कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार केन्द्रीय जेल जगदलपुर जिला बस्तर में निरूद्ध दंडित बंदी आरोपी महेन्द्र दीवान पिता फूलदास दीवान उम्र 25 वर्ष साकिन चितालंका कलारपारा, दंतेवाड़ा। 25 मार्च 2026 में केंद्रीय जेल जगदलपुर की दीवार फांदकर फरार हो गया था। घटना के बाद कोतवाली थाना में मामला दर्ज कर पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के निर्देश पर थाना प्रभारी लीलाधर राठौर के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर उसकी तलाश शुरू की गई थी।

कारली में लो वोल्टेज की समस्या से ग्रामीण परेशान

गीदम 23 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। दंतेवाड़ा जिले के गीदम जनपद अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत कारली क्रमांक 2 के मेंडोलीपारा में लो वोल्टेज की समस्या से ग्रामीण परेशान है । यहां के ग्रामीण पिछ्ले 2 वर्षो से लो वोल्टेज की समस्या के समाधान के लिए कलेक्टर से गुहार लगा रहे है लेकिन उनकी समस्या का समाधान अब तक नहीं हो पाया है, ग्रामीणों का आरोप है कि लो वोल्टेज की समस्या से गांव के किसान भी प्रभावित हो रहे है, खेती बाड़ी में बोर से पानी, सिंचाई की सुविधा पर भी लो वोल्टेज बड़ी समस्या बनकर उभर रहा है। दो वर्ष से यहां के ग्रामीण कलेक्ट्रेड कार्यालय में अपनी समस्या लिखित में दे चुके है लेकिन अब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं हो पाया है । ग्राम के पूर्व सरपंच उमेश कश्यप ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार कलेक्टर कार्यालय में आवेदन दिया गया है और मेंडोलीपारा में ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की गई है लेकिन अब तक ट्रांसफार्मर नहीं लगाया गया है सिर्फ तार बिछाकर छोड़ दिया गया है ऐसे में आय दिन लो वोल्टेज से ग्रामीण परेशान है। ग्रामीणों ने जल्द ही यहां ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है वही समस्या का समाधान जल्द नहीं होने पर ग्रामीणों ने सड़क पर उतरने की भी चेतावनी दी है ।

ठेका प्रथा और निजीकरण के विरोध में स्वास्थ्य कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 23 जुलाई। स्वास्थ्य विभाग में बढ़ती ठेका प्रथा, आउटसोर्सिंग और निजीकरण के विरोध में बुधवार को छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के बैनर तले जिले के स्वास्थ्य कर्मचारियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रांतीय महासमिति के आह्वान पर आयोजित कार्यक्रम के तहत कर्मचारियों ने सांस्कृतिक भवन से कलेक्ट्रेट तक रैली निकालकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में कर्मचारियों ने स्वास्थ्य विभाग में नियमित भर्ती किए जाने, ठेका प्रथा समाप्त करने, पैथोलॉजी सेवाओं को निजी हाथों में सौंपने के निर्णय को वापस लेकर विभागीय व्यवस्था के अंतर्गत सुदृढ़ करने तथा स्वास्थ्य कर्मचारियों की विभिन्न लंबित एवं न्यायोचित मांगों का शीघ्र निराकरण करने की मांग की।

रैली में शामिल कर्मचारियों ने शासन द्वारा लैब सेवाओं को ठेके पर देने के फैसले का विरोध करते हुए इसे कर्मचारी एवं जनहित के विपरीत बताया। कर्मचारियों ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का निजीकरण न केवल कर्मचारियों के भविष्य के लिए चिंता का विषय है, बल्कि इससे आम जनता को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

संघ ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने कर्मचारियों की मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आने वाले समय में प्रदेशव्यापी और व्यापक आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन की होगी। कार्यक्रम में संघ के जिलाध्यक्ष सदाशिव दुर्गम सहित महेंद्र काका, आर.आर. मसीह, मुकेश, राजेश, लोकेश, शरण, गोपाल, कैलाश, राजेश दुर्गम, लक्ष्मण, अनिल, प्रदीप, धर्मेंद्र, शिवैया, सुनील, गणपत, प्रभा, रुक्मिणी, श्रवण सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर झलक नायक मुख्यमंत्री साय के हाथों सम्मानित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 23 जुलाई। रायगढ़ जिले के पुसौर विकासखंड की छात्रा झलक नायक ने गौ विज्ञान परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का गौरव बढ़ाया है। राजधानी रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषक सभागार में आयोजित गौ संगम एवं गौ विज्ञान परीक्षा पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने उन्हें सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, जैविक कृषि और पर्यावरण संरक्षण की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि गौ संरक्षण पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। प्रत्येक परिवार गौ सेवा एवं संरक्षण का संकल्प लेगा, तभी यह अभियान जनआंदोलन का रूप ले सकेगा। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि अशासकीय शाला आदर्श ग्राम्य भारती, पुसौर की कक्षा 9वीं की छात्रा झलक नायक ने जिला स्तरीय गौ विज्ञान परीक्षा 2025-26 में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। इसके बाद उन्हें राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिला। राज्य स्तर पर उत्तम शाक वाटिका श्रेणी में पूरे छत्तीसगढ़ में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर मुख्यमंत्री ने उन्हें 3,100 रुपये की पुरस्कार राशि, श्रीफल एवं गौ विज्ञान किट प्रदान कर सम्मानित किया। झलक नायक प्रारंभ से ही मेधावी छात्रा रही हैं। उन्होंने केजी से लेकर कक्षा 8वीं तक प्रत्येक वर्ष प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी भुवनेश्वर पटेल, जिला संयोजक गौ विज्ञान मनबोध बेहरा, संरक्षक राजीव कुमार दुबे, प्रदेश प्रभारी अश्विनी चौधरी, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी मनीष सिन्हा, उत्तर कुमार सिदार, रुद्र प्रताप एक्का, संस्था के प्राचार्य घनश्याम साहू, विद्यालय परिवार तथा परिजनों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

जल जीवन मिशन ने गांव को दिया स्वस्थ, स्वच्छ और सम्मानजनक जीवन का नया आधार

नल से जल पहुंचने पर बदली दिनचर्या, महिलाओं को मिली बड़ी राहत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 23 जुलाई। विकासखंड रायगढ़ के ग्राम पंचायत परसदा में जल जीवन मिशन से अब प्रत्येक घर तक नल के माध्यम से स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की नियमित आपूर्ति हो रही है। पहले जहां ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं को पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, वहीं आज घर-घर नल कनेक्शन मिलने से उनकी दिनचर्या पूरी तरह बदल गई है। इस योजना ने न केवल पेयजल की समस्या का समाधान किया है, बल्कि ग्रामीणों के स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक जीवन में भी सकारात्मक बदलाव लाया है।

ग्राम परसदा की श्रीमती हीरा बाई बताती हैं कि एक समय ऐसा था जब उनके परिवार के लिए स्वच्छ पेयजल जुटाना सबसे बड़ी चुनौती हुआ करती थी। रोजाना घंटों पानी लाने में लग जाते थे, जिससे घर-परिवार की जिम्मेदारियां निभाने में कठिनाई होती थी। कई बार बच्चों को भी पढ़ाई छोड़कर पानी लाने में सहयोग करना पड़ता था। असुरक्षित जल स्रोतों के कारण परिवार जलजनित बीमारियों से भी प्रभावित रहता था और उपचार पर अतिरिक्त खर्च करना पड़ता था।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम परसदा में योजनाबद्ध तरीके से पाइपलाइन बिछाकर प्रत्येक घर तक नल कनेक्शन उपलब्ध कराया गया। योजना पूर्ण होने के बाद हीरा बाई सहित पूरे गांव के जीवन में बड़ा परिवर्तन देखने को मिला। अब घर में नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने से महिलाओं का समय बच रहा है, जिसे वे परिवार की देखभाल, बच्चों की पढ़ाई और आय बढ़ाने वाले कार्यों में लगा रही हैं। बच्चों को अब पानी लाने की चिंता नहीं रहती, जिससे उनकी शिक्षा प्रभावित नहीं होती। वहीं स्वच्छ पेयजल मिलने से जलजनित बीमारियों में कमी आई है और चिकित्सा पर होने वाला खर्च भी घटा है।हीरा बाई कहती हैं कि जल जीवन मिशन ने केवल घर तक पानी ही नहीं पहुंचाया, बल्कि पूरे गांव में स्वच्छता, स्वास्थ्य और जल संरक्षण के प्रति नई जागरूकता भी विकसित की है। ग्रामीण अब सुरक्षित पेयजल के महत्व को समझते हुए उसके संरक्षण के लिए भी सजग हो गए हैं। ग्राम परसदा में जल जीवन मिशन की सफलता इस बात का प्रमाण है कि जब मूलभूत सुविधाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती हैं, तो गांव के सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी विकास को नई गति मिलती है। आज यह गांव स्वच्छ पेयजल, बेहतर स्वास्थ्य, महिलाओं के सशक्तिकरण और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

जिला अस्पताल में निःशुल्क कैंसर जांच शिविर विशेषज्ञों ने दी जांच और उपचार संबंधी सलाह

रायगढ़, 23 जुलाई। जिले में कैंसर की समय पर पहचान और उपचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किरोड़ीमल शासकीय जिला चिकित्सालय में बुधवार को निःशुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर आयोजित किया गया। राष्ट्रीय गैर संचारी रोग कार्यक्रम के अंतर्गत जिला अस्पताल और बालको मेडिकल सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर आवश्यक सलाह दी। शिविर का शुभारंभ महापौर श्री जीवर्धन चौहान ने किया।

महिलाओं के लिए विशेष जांच की व्यवस्था-शिविर में महिलाओं के लिए स्तन कैंसर की जांच हेतु मैमोग्राफी मशीन एवं थर्मल स्केनर तथा गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इसके साथ ही मुंह एवं मुखगुहा के कैंसर की जांच, आवश्यक नमूना संग्रहण तथा बीपी, ब्लड सुगर एवं बीएमआई की निःशुल्क जांच भी की गई। शिविर के दौरान 10 स्तन कैंसर, 10 मुंह एवं मुखगुहा कैंसर, 2 प्रोस्टेट कैंसर, 2 रक्त कैंसर तथा 3 गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के मरीजों की जांच कर विशेषज्ञों ने उपचार संबंधी सलाह दी।

एक नजर

41 वां चक्रधर समारोह 14 से 23 सितम्बर तक

रायगढ़, 22 जुलाई। जिला प्रशासन एवं चक्रधर समारोह आयोजन समिति द्वारा 41वें चक्रधर समारोह के सफल आयोजन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं हेतु निविदा प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। समारोह का आयोजन आगामी 14 सितंबर से 23 सितंबर 2026 तक रायगढ़ के रामलीला मैदान में किया जाएगा। कार्यालय कलेक्टर एवं अध्यक्ष चक्रधर समारोह आयोजन समिति द्वारा जारी निविदा सूचना के अनुसार समारोह के लिए टेंट-पंडाल, प्रकाश व्यवस्था, साउंड सिस्टम सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था करने हेतु पंजीकृत एवं अनुभवी संस्थाओं तथा फर्मों से ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। यह निविदा एक वर्ष के रेट कांट्रेक्ट के आधार पर आमंत्रित की गई है, जिससे समारोह की व्यवस्थाओं को बेहतर एवं व्यवस्थित रूप से संचालित किया जा सके।

प्रयास आवासीय विद्यालय में कक्षा 9वीं प्रवेश के लिए काउंसलिंग शुरू

रायगढ़, 23 जुलाई। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजनान्तर्गत संचालित प्रयास आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु आयोजित प्राक्कयन परीक्षा का परिणाम घोषित होने के बाद अब काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू हो गई है। विभाग द्वारा काउंसलिंग के लिए चयनित छात्र-छात्राओं की सूची एवं तिथि विभागीय पद पर जारी कर दी गई है। रायगढ़ जिले के चयनित विद्यार्थियों को 5 अगस्त 2026 तक निर्धारित तिथि एवं आबंटित प्रयास आवासीय विद्यालय में उपस्थित होकर काउंसलिंग करानी होगी।

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा काउंसलिंग के लिए पात्र विद्यार्थियों की सूची एवं कार्यक्रम विभागीय वेबसाइट पर प्रदर्शित किया गया है। रायगढ़ जिले के अभ्यर्थियों को सूची में अंकित निर्धारित तिथि के अनुसार प्रयास आवासीय विद्यालय, गढ़उमरिया (जिला रायगढ़) में प्रातः 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच उपस्थित होकर काउंसलिंग प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी।काउंसलिंग के दौरान विद्यार्थियों को कक्षा 8वीं की प्रथम श्रेणी (60 प्रतिशत या अधिक अंक) की अंकसूची, प्रधान पाठक अथवा प्राचार्य द्वारा जारी अध्ययनरत अथवा उत्तीर्ण होने का प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, विशेष पिछड़ी जनजाति प्रमाण पत्र (यदि लागू हो), नक्सल पीड़ित प्रमाण पत्र, अल्पसंख्यक वर्ग से संबंधित होने पर नोटरी सत्यापित शपथ पत्र सहित निर्धारित सभी दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे।

आईटीआई गुण्डरदेही में रिक्त सीटों में प्रवेश के लिए 24 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

बालोद, 24 जुलाई । शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था गुण्डरदेही में रिक्त सीटो में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन 24 जुलाई 2026 तक आमंत्रित की गई है। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था गुण्डरदेही के प्राचार्य ने बताया कि संस्था में कोपा एनसीवीटी के 12 सीट, डीजल मैक एसीवीटी के 23 एवं वेल्डर के 29 सीट उपलब्ध है। इच्छुक अभ्यर्थी वेबसाइट cgiti.admissions.nic.in पर 24 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके साथ ही इस संबंध में अधिक जानकारी प्रभारी प्रशिक्षण अधिकारी श्री मोहित कुमार साहू के मोबाइल नंबर 8982562514 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

बाढ़ आपदा से बचाव एवं राहत कार्य के संचालन के लिए जिला एवं अनुविभाग स्तर पर बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित

बालोद, 23 जुलाई ।छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्रालय के निर्देशानुसार जिले में दैवीय विपत्ति एवं प्राकृतिक आपदा की घटनाओं से बचाव एवं राहत कार्यों के सुचारू संचालन हेतु बालोद जिले में जिला एवं अनुविभाग स्तर पर बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। इसके अंतर्गत संयुक्त जिला कार्यालय में जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने जिला एवं अनुविभाग स्तरीय नोडल अधिकारियों के अलावा सभी अधिकारी-कर्मचारियों को पूरे समय में मुस्तैद रहकर बाढ़ आपदा के कारण उत्पन्न किसी भी स्थिति में आम जनता को तत्काल मदद उपलब्ध कराने हेतु त्वरि कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

स्मार्ट मीटर से बिजली बिल हुआ आसान, मोर बिजली मोबाइल एप से घर बैठे मिल रही हर पल की जानकारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 23 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में बिजली सेवाओं को अधिक पारदर्शी, आधुनिक और उपभोक्ता हितैषी बनाने की दिशा में स्मार्ट मीटर परियोजना की शुरूआत की गई है। इसके तहत जिले में 01 लाख 13 हजार 607 घरों में स्मार्ट मीटर लगाया जा चुका है। जिले के उपभोक्ताओं का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद अब बिजली बिल को लेकर पहले जैसी असमंजस की स्थिति नहीं रहती, क्योंकि बिजली खपत से जुड़ी पूरी जानकारी उपलब्ध हो जाती है। बिजली का उपयोग भी सोच-समझकर करते है। जिससे बिजली खपत पर नियंत्रण हो रहा है। वहीं ऑनलाइन बिल भुगतान से समय की बचत हो रही है और रियल टाइम जानकारी से पारदर्शिता बढ़ी है।

मोर बिजली एप से हर पल की जानकारी

रायगढ़ निवासी रिकेश कुमार सोनी ने बताया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिल पूरी तरह पारदर्शी हो गया है।

अब मीटर रीडिंग के लिए किसी के आने का इंतजार नहीं करना पड़ता। मोर बिजली ऐप के माध्यम से प्रतिदिन यह देखा जा सकता है कि कितनी बिजली खर्च हुई, अनुमानित बिल कितना बनेगा और भुगतान कब करना है। इससे बिल संबंधी परेशानियां लगभग समाप्त हो गई हैं।

बिजली खपत पर नियंत्रण रखना हुआ आसान

उपभोक्ता मोहन अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने खुद आगे बढ़कर बिजली विभाग से संपर्क किया और अपने घर में स्मार्ट मीटर लगवाया। स्मार्ट मीटर का सबसे बड़ा लाभ यह है कि अब वे अपनी बिजली खपत पर लगातार नजर रख पाते हैं। ऐप के माध्यम से वर्तमान महीने की खपत की तुलना पिछले महीने और पिछले वर्ष से भी की जा सकती है। इससे अनावश्यक बिजली खर्च की पहचान कर उसे कम करना आसान हो गया है। वहीं ऑनलाइन बिल भुगतान की सुविधा से समय और मेहनत दोनों की बचत हो रही है।

रियल टाइम रीडिंग से खत्म हुई अनुमानित बिल की समस्या

बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले में अबतक 113705 स्मार्ट मीटर लगा दिया गया है साथ ही विद्युत उपभोक्ताओं की शंकाओं के समाधान के लिए पुराने मीटर और स्मार्ट मीटर को एक साथ लगाकर (चेक मीटर) बिजली खपत का तुलनात्मक परीक्षण किया गया। जांच में दोनों मीटरों की रीडिंग समान पाई गई तथा किसी भी प्रकार की अतिरिक्त बिजली खपत या अधिक बिल आने की शिकायत सही नहीं पाई गई।स्मार्ट मीटर की रियल टाइम रीडिंग के कारण अनुमानित बिल या रीडिंग में त्रुटि की संभावना लगभग समाप्त हो गई है। मोर बिजली ऐप पर उपभोक्ता हर 30 मिनट की बिजली खपत की जानकारी देख सकते हैं। इससे बिजली बचाने की आदत विकसित हो रही है और उपभोक्ता अपनी खपत को बेहतर ढंग से नियंत्रित कर पा रहे हैं।

हाफ बिजली योजना का लाभ बनाए रखने में भी मददगार

अधिकारियों ने बताया कि पात्र घरेलू उपभोक्ताओं को हाफ बिजली योजना का लाभ तभी मिलता है, जब उनकी मासिक बिजली खपत 400 यूनिट तक रहती है। स्मार्ट मीटर और मोर बिजली ऐप के माध्यम से उपभोक्ता समय रहते अपनी खपत पर नजर रख सकते हैं, जिससे योजना का लाभ बनाए रखना भी आसान हो जाता है। स्मार्ट मीटर से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उपभोक्ता 1912 हेल्पलाइन पर संपर्क कर सकते हैं। विभागीय अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से स्मार्ट मीटर और मोर बिजली ऐप का अधिकतम उपयोग करने तथा प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का लाभ लेकर बिजली खर्च में और अधिक बचत करने की अपील भी की है।

वीबी.जीराम जी के तहत बालिका शौचालय,मुक्तिधाम एवं सैंड फिल्टर कार्यों की स्वीकृति प्रक्रिया शुरू

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 23 जुलाई। विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण वीबी.जीराम जी के अंतर्गत रायगढ़ जिले में जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों की स्वीकृति प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। मिशन के प्रथम चरण में बालिका शौचालयए मुक्तिधाम एवं सैंड फिल्टर जैसे आधारभूत एवं जनकल्याणकारी कार्यों को शामिल किया गया है। आगामी सीईओ कॉन्फ्रेंस को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने इन प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। ताकि स्वीकृति मिलते ही कार्यों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

जिला प्रशासन का उद्देश्य इन योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता जल संरक्षणए सामाजिक गरिमा और मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना है। जिला प्रशासन ने सभी जनपद पंचायतों एवं ग्राम पंचायतों को आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर जल्द प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैंए वहीं संबंधित अधिकारियों को भी स्वीकृति प्रक्रिया में तेजी लाने और कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश जारी किए गए हैं।वीबी.जीराम जी मिशन के अंतर्गत जिन कार्यों की शुरुआत की जा रही है उनका सीधा संबंध ग्रामीण समुदाय के दैनिक जीवन और आवश्यक सुविधाओं से है। बालिका शौचालयों के निर्माण से विद्यालयों में छात्राओं को सुरक्षितए स्वच्छ और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध होगा। इससे किशोरियों की नियमित विद्यालय उपस्थिति बोगी ड्रॉपआउट दर में कमी आएगी तथा बालिका शिक्षा को नया प्रोत्साहन मिलेगा।

कलेक्टर के निर्देश पर कृषि विभाग की टीम ने ग्राम बीजाभाटा में

मारुति एग्रो बायोटेक गोदाम को अनियमितता पाए जाने पर किया सील

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बालोद, 23 जुलाई । कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार एवं कृषि विभाग के उप संचालक श्री आशीष चन्द्राकर के मार्गदर्शन में कृषक हित में एक बड़ी कार्रवाई की गई। जिला स्तरीय एवं ब्लॉक स्तरीय निरीक्षण दल द्वारा 21 जुलाई 2026 को डौंडीलोहारा विकासखंड के ग्राम बीजाभाठा स्थित मेसर्स मारूति एग्रो बायोटेक के गोदाम का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दौरान मेसर्स मारूति एग्रो बायोटेक, प्रोप्राइटर भारती चन्द्राकर के गोदाम में अवैध रूप से कृषि आदान सामग्री के भंडारण एवं पैकेजिंग का कार्य पाया गया। निरीक्षण दल द्वारा गोदाम से भारी मात्रा में सामग्री जब्त कर उसे सील कर दिया गया है। कृषि विभाग के उपसंचालक श्री आशीष चन्द्राकर ने बताया कि मेसर्स मारूति एग्रो बायोटेक के गोदाम में अवैध रूप से पैकेजिंग का कार्य किया जा रहा था। गोदाम में 10 किलोग्राम पैकिंग बाल्टी, 1305 भू लक्ष्मी, महासार जैव उत्प्रेरक 500 मि.ली. पैकिंग 2880 नग, वीएजीएमआई प्रोम 08 किलोग्राम पैकिंग, 5129 बोरी (40 किलोग्राम), 153 बोरी (08 किलोग्राम) खुला पाया गया। साथ ही 1880 बोरी (50 किग्रा. पैकिंग) कच्चा माल कृषि सामग्री पाया गया। इसके अलावा पैकिंग मशीन-07 नग, तोलक-11 नग, बोरी सिलाई मशीन 03 नग पाया गया। उन्होंने बताया कि निरीक्षण दल द्वारा उक्त कृषि सामग्रियों का नमूना लेकर गुणवत्ता जांच हेतु प्रयोगशाला को प्रेषित करने की कार्यवाही की जा रही है। गोदाम परिसर में मारूति एग्रो बायोटेक संचालक प्रतिनिधि श्री नितिश चन्द्राकर, श्री अगेश्वर चन्द्राकर ग्राम अण्डा उपस्थित रहे। उन्होंने बालोद जिले के कृषकों से अपील की है कि खाद, बीज, कीटनाशक अधिकृत एवं लाइसेंसधारी विक्रेताओं से ही खरीदे और बिल अवश्य लें। किसी भी गैर लाइसेंसधारी या घूमंतू लोगों के संपर्क में न पड़े। इसके अलावा कृषकों के हितों से खिलवाड़ करने वाले लोगों के विरूद्ध निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी।

कृषि विज्ञान केंद्र बालोद ने दी जिले के किसानों को मौसम पूर्वानुमान के आधार पर सामयिक सलाह

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बालोद, 23 जुलाई । कृषि विज्ञान केंद्र बालोद ने जिले के किसानों के लिए मौसम पूर्वानुमान के आधार पर खरीफ फसलों, उद्यानिकी एवं पशुपालन संबंधी विस्तृत कृषि सलाह जारी की है। आगामी दिनों में मध्यम वर्षा एवं घने बादल छाए रहने की संभावना को देखते हुए किसानों को फसल प्रबंधन, जल निकास एवं कृषि कार्यों के संबंध में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने बताया कि जिन किसानों द्वारा धान की रोपाई एवं बियासी का कार्य शेष है, वे इसे 30 जुलाई तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करें। धान की सीधी बुवाई वाले खेतों में खरपतवार नियंत्रण हेतु अनुशंसित निंदानाशकों का प्रयोग मौसम साफ होने पर ही करें। लगातार वर्षा की स्थिति में लेही विधि अथवा ड्रम सीडर से बुवाई को प्राथमिकता दें तथा खेतों में अतिरिक्त पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था रखें। धान की रोपाई 20 से 21 दिन की स्वस्थ पौध से 20 से 10 सेमी की दूरी पर करने तथा रोपाई के 8 से 10 दिन बाद अनुशंसित मात्रा में नत्रजन (यूरिया) देने की सलाह दी गई है।

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों से खरीफ फसलों की केवल अनुशंसित एवं प्रमाणित किस्मों के बीजों का उपयोग करने का आग्रह किया है। उन्होंने धान के लिए इंद्रावती, एम.टी.यू. 1153, विक्रम टी.सी.आर. एवं छत्तीसगढ़ धान 1919, सोयाबीन के लिए आर.एस.सी. 10-46, आर.एस.सी.11-15 एवं आर.एस.सी. 11-07, अरहर के लिए छत्तीसगढ़ अरहर-1, छत्तीसगढ़ अरहर-2 एवं राजीवलोचन, मक्का के लिए पूसा हाईब्रिड-1, विवेक मक्का संकर-51 तथा मूंग के लिए पी.के.वी.ए.के.एम.-4, शिखा एवं मालवीय ज्योति जैसी उन्नत किस्मों को अपनाने की सलाह दी गई है। वहीं मूंग एवं उड़द के लिए शिखा, पूसा-105, पी.के.वी.ए.के.एम.-4, इंदिरा उड़द-1, आजाद उड़द-3, बरखा एवं बसंत बहार किस्मों की अनुशंसा की गई है।अरहर, मूंगफली एवं मक्का की फसलों में वर्तमान मौसम को देखते हुए खरपतवारनाशी का छिड़काव फिलहाल स्थगित रखने की सलाह दी गई है। किसानों से कहा गया है कि वर्षा समाप्त होने एवं मौसम साफ होने के बाद ही खरपतवार नियंत्रण एवं पौध संरक्षण रसायनों का प्रयोग करें। साथ ही सभी खरीफ फसलों में जलभराव से बचाव के लिए खेतों में प्रभावी जल निकास की व्यवस्था सुनिश्चित करें। मूंग एवं उड़द की बुवाई से पहले बीजों का राइजोबियम एवं पी.एस.बी. कल्चर तथा अनुशंसित फफूंदनाशी से बीजोपचार करने, निर्धारित कतार एवं पौध दूरी बनाए।

तमनार के युवाओं के कौशल विकास के लिए आईटीआई भवन में औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 23 जुलाई । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी की मंशानुरूप युवाओं को कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में रायगढ़ जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देश पर तमनार क्षेत्र के युवाओं को उद्योग आधारित प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन और जिंदल पावर तमनार के बीच विशेष पहल की गई है। इसी पहल के तहत बुधवार को तमनार स्थित शासकीय आईटीआई भवन में जिंदल फाउंडेशन द्वारा संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से क्षेत्र के युवाओं को विभिन्न ट्रेडों में तकनीकी कौशल प्रदान किया जाएगा, जिससे उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें।

कार्यक्रम में एडीएम श्री अपूर्व प्रियेश टोप्पो ने कहा कि युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए कौशल विकास अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्तमान समय में उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित युवाओं की मांग बढ़ रही है। ऐसे में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि तीन माह का प्रशिक्षण पूरा करने के बाद युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। युवाओं को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि वे प्रशिक्षण को पूरी गंभीरता और अनुशासन के साथ पूरा करें तथा अपनी योग्यता और संभावनाओं का दायरा बढ़ाएं।

जिंदल पावर के एवीपी (सीएसआर) श्री ऋषिकेश राय शर्मा ने कहा कि शासन की मंशा, जिला प्रशासन के मार्गदर्शन और जिंदल पावर के सहयोग से यह पहल धरातल पर साकार हो रही है। उन्होंने बताया कि युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए ओपीजेसी पूंजीपथरा के साथ समन्वय किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण अवधि पूरी होने के बाद सभी प्रशिक्षार्थियों को आवश्यक टूल-किट और ड्रेस उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही योग्य युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए प्लेसमेंट में भी सहायता प्रदान की जाएगी।

जिला खनिज अधिकारी श्री आर.के. सोनी ने कहा कि खनन प्रभावित क्षेत्रों के युवाओं को कुशल बनाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए उद्योगों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल प्रमाण-पत्र देना नहीं, बल्कि युवाओं को वास्तविक कौशल प्रदान कर रोजगार योग्य बनाना है। उन्होंने प्रशिक्षार्थियों से नियमित रूप से प्रशिक्षण में उपस्थित रहने और पूरी लगन के साथ सीखने का आह्वान किया। कार्यक्रम को शासकीय आईटीआई तमनार के प्राचार्य श्री पुष्कर कुमार कंवर एवं ओपीजेयूसी के डायरेक्टर श्री जितेंद्र कुमार ने भी संबोधित किया।

शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए किसानों को एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन कराना आवश्यक

बालोद, 23 जुलाई । शासन के मंशानुरूप किसानों को शासकीय योजनाओं का समुचित लाभ प्राप्त करने हेतु भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए एग्रीस्टैक पोर्टल में किसानों को अपने प्रत्येक खातों का अनिवार्य रूप से पंजीयन कराना आवश्यक है। इसके अभाव में किसानों को अपने धान एवं अन्य फसलों के समर्थन मूल्य पर बिक्री के अलावा राज्य एवं केन्द्र सरकार द्वारा संचालित किसान हितैषी योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाई होती है। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए किसानों का एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन कार्य को अत्यंत महत्वाकांक्षी एवं किसान हितैषी बताते हुए इसकी भूरी-भूरी सराहना की है। उन्होंने बालोद जिले के सभी किसानों को शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने हेतु निर्धारित समयावधि में अपने प्रत्येक खातों का एग्रीस्टैक पोर्टल में अनिवार्य रूप से पंजीयन कराने की अपील की है। जिससे कि उन्हें धान एवं अन्य फसलों के समर्थन मूल्य पर बिक्री एवं शासन के विभिन्न किसान हितैषी योजना का लाभ लेने हेतु किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो सके।

जिले में असर दिखा रही प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बालोद, 23 जुलाई । केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना बालोद जिले के आम नागरिकों के जीवन में उजियारा फैलाने के साथ-साथ आर्थिक बचत का बड़ा माध्यम बन रही है। योजना का प्रत्यक्ष लाभ उठाते हुए जिले के गुरूर निवासी श्री आशुतोष पंचागम ने अपने घर की छत पर 03 किलोवाट का सोलर पैनल स्थापित कराया है, जिसके सुखद परिणाम अब सामने आ रहे हैं। श्री आशुतोष के घर पिछले 07 महीनों से यह सोलर पैनल सफलतापूर्वक कार्यरत है। उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि शुरुआती महीनों में उनका बिजली बिल बिल्कुल शून्य (जीरो) आया। वहीं, भीषण गर्मी के दिनों में जब एसी, पंखे और कूलर का अत्यधिक उपयोग होता था, तब आमतौर पर उनका बिजली बिल 8 से 10 हजार रुपये तक पहुंच जाता था। लेकिन सोलर पैनल लगने के बाद इस भीषण गर्मी के मौसम में भी उनका बिजली बिल भारी कटौती के साथ महज 1200 से 1500 रुपये ही आया।

योजना की सरलता की तारीफ करते हुए आशुतोष ने बताया कि सोलर पैनल लगवाने की प्रक्रिया बेहद आसान और पारदर्शी है। आवेदन के बाद वेंडर द्वारा घर का भौतिक निरीक्षण किया गया और लोन व सब्सिडी से जुड़ी पूरी जानकारी दी गई। जिसके बाद बेहद कम समय में उनके घर पर पैनल स्थापित कर दिए गए। उन्हें इस योजना के अंतर्गत केंद्र और राज्य सरकार की ओर से कुल 01 लाख 08 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई है। बिजली बिल में इतनी बड़ी राहत और सरकार से मिली आर्थिक सहायता से उनका परिवार बेहद खुश है। योजना से मिली सहूलियत और बचत से उत्साहित होकर आशुतोष पंचागम ने जिले के अन्य नागरिकों से भी अपील की है कि वे आगे आएं और प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। यह योजना न केवल बिजली बिल का आर्थिक दबाव कम करती है।

छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस ने पीएम मोदी का पुतला जलाया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा, 23 जुलाई। दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस ने दीनदयाल उपाध्याय चौक पर प्रदर्शन किया।ब्लॉक कांग्रेस कमेटी तिल्दा नेवरा के ग्रामीण एवं शहर अध्यक्षो के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नीट पेपर लीक प्रकरण को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग भी उठाई।

इस अवसर पर बलदाऊ साहू ग्रामीण अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी तिल्दा नेवरा

ने कहा कि जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे युवाओं और विद्यार्थियों के साथ हुई घटना लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। कार्यक्रम में बलदाऊ साहू ग्रामीण अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी तिल्दा नेवरा, अजितेश शर्मा, लक्ष्मी नारायण वर्मा कांग्रेसी नेता, सुनील सोनी, राहुल तेजवानी, अनूप रवानी, गोवर्धन यदु, नीरज राठी, ओम ठाकुर, तोरण जांगड़े, कांग्रेस के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने युवाओं के हितों की रक्षा, नीट पेपर लीक प्रकरण में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग तथा केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया।

एक नजर

राहुल गांधी के इशारे पर कांग्रेस ने छात्राओं को बनाया मोहरा : देवेन्द्र यादव

राजनांदगाव, 23 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के जिला सह संयोजक सोशल मीडिया देवेन्द्र यादव ने जंतर मंतर पर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के इशारे पर छत्तीसगढ़ कांग्रेस के नेताओं द्वारा छात्राओं को आगे रखकर किए गए विरोध प्रदर्शन की कड़ी निंदा की है। जिला सह संयोजक, सोशल मीडिया देवेन्द्र यादव ने कहा कि राहुल गांधी जी और कांग्रेस पार्टी मुद्दों पर तथ्यों से बहस करने की बजाय अब नाबालिग और छात्राओं की आड़ लेकर राजनीति कर रही है। यह कृत्य लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विरुद्ध है और बेटियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। छात्राओं का स्थान कक्षा में है, न कि सड़कों पर राजनीतिक बैनर लेकर। यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस को शर्म आनी चाहिए कि सत्ता से बाहर होने की हताशा में वो कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व के दबाव में देश की बेटियों को मोहरा बना रही है। भाजपा ऐसी ओछी राजनीति का पुरजोर विरोध करती है। हम गृहमंत्री और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग से मांग करते हैं कि दोषी नेताओं पर कड़ी कार्रवाई हो और भविष्य में किसी भी छात्र को राजनीतिक प्रदर्शन में शामिल करने पर पूर्ण प्रतिबंध लगे।

खोमन सिन्हा ने संभाला अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार-भाटापारा का पदभार

बलौदाबाजार, 23 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में खोमन सिन्हा ने 22 जुलाई को औपचारिक रूप से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद का पदभार ग्रहण कर लिया है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन, गृह विभाग द्वारा जारी नवीन पदस्थापना आदेश के तहत खोमन सिन्हा, जो पूर्व में अति. पुलिस अधीक्षक, मान. मुख्यमंत्री सुरक्षा छ.ग. रायपुर के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे, का स्थानांतरण अति. पुलिस अधीक्षक जिला बलौदाबाजार-भाटापारा के पद पर किया गया है। इस दौरान अभिषेक सिंह द्वारा खोमन सिन्हा को गुलदस्ता भेंटकर उनका स्वागत कर नवीन जिम्मेदारियां के लिए उन्हें शुभकामनाएं दिया गया।

■ **पूर्व में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, मुख्यमंत्री सुरक्षा रायपुर के पद पर थे पदस्थ**

जिले में अब तक 493.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

बलौदाबाजार, 23 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले में चालू मानसून के दौरान 1 जून से 22 जुलाई 2026 तक 493.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। भू-अभिलेख कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार अब तक तहसील टुण्डरा में 700.5 मिमी, बलौदाबाजार में 626 मिमी, लवन 508.9मिमी, भाटापारा में 476.6मिमी, पलारी में 455.5 मिमी, कसडोल 449.6 मिमी, सुहेला 417 मिमी, सिमगा में 404.8 मिमी एवं सोनाखान 399.7 मिमी. वर्षा दर्ज की गई है। इस तरह कुल 4438.6 मिमी वर्षा अभी तक दर्ज की गई है जिसकी औसत वर्षा 493.2 मिमी है।

थलसेना भर्ती अग्निवीर में ऑनलाइन परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यार्थियों को नि:शुल्क शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण

बलौदाबाजार, 23 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भारतीय थलसेना में भर्ती हेतु बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के जिन अभ्यार्थियों ने अग्निवीर (सीईई) वर्ष 2026 में परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है वे अभ्यार्थी जिला रोजगार कार्यालय में उपस्थित होकर अपना नाम, पता, आधार कार्ड, मोबाईल नम्बर एवं सेना भर्ती पंजीयन कमांक के साथ अपना नाम दर्ज करा सकते है। ताकि शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण की तैयारी कर सके।साथ ही अधिक जानकारी के लिए रोजगार कार्यालय के दूरभाष नम्बर 07727-299443 पर सम्पर्क कर सकते है।

चौकीदार ही निकला हाई स्कूल निर्माण स्थल का चोर, भाई के साथ मिलकर की थी चोरी

बलौदाबाजार, 23 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के थाना हथबंद पुलिस ने निर्माणाधीन हाई स्कूल से छड़ काटने की मशीन चोरी के मामले का सनसनीखेज खुलासा किया है। जिस चौकीदार ने अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, वही अपने सगे भाई के साथ मिलकर चोरी का मास्टरमाइंड निकला। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गई करीब 15 हजार रुपये की मशीन बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार ग्राम खिलोरा निवासी जयनारायण घृतलहरे (46 वर्ष), जो निर्माणाधीन हाई स्कूल भवन में चौकीदार के रूप में तैनात था, ने थाना हथबंद में शिकायत दर्ज कराई थी कि 7 जुलाई 2026 की रात अज्ञात चोरों ने दो कमरों का ताला तोड़कर बुश कंपनी की छड़ काटने की मशीन चोरी कर ली। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफअपराध दर्ज कर जांच शुरू की।

छत से टपकते पानी के बीच ड्यूटी करने को मजबूर पुलिसकर्मी, सुध लेने वाला कोई नहीं

रिकॉर्ड और जब्त सामान सुरक्षित रखना चुनौती, अमृत स्टेशन चमका लेकिन 112 साल पुराना जीआरपी थाना बदहाल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़, 23 जुलाई। अमृत स्टेशन योजना के तहत डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से लैस कर नया स्वरूप दिया गया है। करोड़ों रुपये की लागत से स्टेशन परिसर का सौंदर्याकरण किया गया, लेकिन यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाला वर्ष 1914 में निर्मित जीआरपी थाना भवन आज भी जर्जर स्थिति में है। बारिश के मौसम में भवन की बदहाल हालत पुलिसकर्मियों के लिए बड़ी परेशानी बन गई है। विभागीय सूत्रों के अनुसार थाना भवन की छत से कई स्थानों पर पानी टपकता है और दीवारों में सीपेज की समस्या बनी हुई है। इसका सबसे अधिक असर कंप्यूटर कक्ष, चाइल्ड रूम, प्रभारी कक्ष और मालखाने पर पड़ रहा है। बारिश के दौरान कंप्यूटर, महत्वपूर्ण सरकारी अभिलेख और जब्त सामान को सुरक्षित रखना मुश्किल हो जाता है। सूत्रों के मुताबिक हाल की बारिश में अमृत स्टेशन योजना के तहत किए गए कुछ निर्माण कार्यों में भी पानी भरने और रिसाव जैसी समस्याएं सामने

आई है। बताया जा रहा है कि स्टेशन परिसर और बुकिंग काउंटर से संबंधित वीडियो भी रेलवे के उच्च अधिकारियों को भेजे गए हैं। हालांकि, इस संबंध में रेलवे के जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। फ्लिहाल पानी रोकने के लिए अस्थायी रूप से पॉलिथीन का सहारा लिया जा रहा है, लेकिन स्थायी मरम्मत अब तक नहीं हो सकी है। कर्मचारियों का कहना है कि भवन की जर्जर स्थिति की जानकारी कई बार संबंधित अधिकारियों, एईएन (आईओडब्ल्यू) को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

जीआरपी भवन की अनदेखी पर चिंता

जानकारी के अनुसार रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट को अपेक्षाकृत बेहतर भवन उपलब्ध है। जबकि जीआरपी कार्यालय का पिछला हिस्सा, जहां कंप्यूटर कक्ष, चाइल्ड रूम, प्रभारी कक्ष और मालखाना संचालित होता है, वर्षों पुरानी जर्जर अवस्था में है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि स्टेशन का आधुनिकीकरण कार्यालय में जो भी समस्याएं है रेलवे के उच्च अधिकारियों व हमारे बारे में हम कुछ नहीं कह सकते।

- दया कुर्रे, थाना प्रभारी जीआरपी डोंगरगढ़

घबराहट में नवविवाहिता ने पिया पेट्रोल डायल-112 की सजगता से बची जान

सूचना मिलते ही टीम ने तत्परता दिखाई और सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

पलारी, 23 जुलाई। 21 जलाई की रात्रि करीब 08:00 बजे थाना पलारी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक ग्राम में एक संवेदनशील मामला सामने आया। यहाँ पति के देर रात तक घर न लौटने पर किसी अनहोनी की आशंका से भयभीत होकर एक 20 वर्षीय महिला ने आत्महत्या की नीयत से पेट्रोल पी लिया। सूचना मिलते ही थाना पलारी की डायल 112 (बाज-01) टीम ने तत्परता और संवेदनशीलता दिखाते हुए महिला को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पलारी में भर्ती कराया, जहाँ सही समय पर इलाज मिलने से उसकी जान सुरक्षित बच गई।

पति के घर न लौटने पर डर के मारे उठाया आत्मघाती कदम- कंट्रोल रूम से रात्रि 08:00 बजे इवेंट (सूचना) प्राप्त होते ही पलारी बाज-01 में तैनात आरक्षक क्रमांक 565 भास्कर प्रसाद और वाहन चालक

दीपक साहू बिना कोई समय गंवाए तत्काल घटनास्थल संबंधित ग्राम के लिए रवाना हुए। ?मौके पर पहुँचने पर परिजनों ने बताया कि नवविवाहिता का पति देर रात तक घर वापस नहीं आया था। पति के साथ कोई अनहोनी होने की आशंका से महिला अत्यंत डर गई और मानसिक रूप से परेशान होकर उसने घर में रखा गाड़ियों में इस्तेमाल होने वाला पेट्रोल आत्महत्या करने के इरादे से पी लिया। महिला की तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी, जिससे पूरे घर में हड़कंप मच गया।

'गोल्डन आवर' में मिला जीवनदान, डॉक्टरों ने बताया खतरे से बाहर- ?मामले की संवेदनशीलता को भांपते हुए आरक्षक भास्कर प्रसाद और चालक दीपक साहू ने एक सेकंड का भी विलंब नहीं किया। पुलिस जवानों ने परिजनों की उपस्थिति में पीड़िता को तत्काल डायल 112 वाहन में बैठाया और सायरन बजाते हुए सीधे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पलारी लेकर पहुँचे। अस्पताल पहुँचकर डॉक्टरों को आपातकालीन स्थिति से अवगत कराया गया और महिला का तत्काल इलाज (स्टमक वॉश) शुरू किया गया। उपचार के दौरान सही समय पर डॉक्टरी सहायता मिल जाने के कारण डॉक्टरों ने पुष्टि की कि महिला अब पूरी तरह सुरक्षित और खतरे से बाहर है।

प्रयास विद्यालय में प्रवेश के लिए काउंसलिंग 5 अगस्त तक

बलौदाबाजार, 23 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। सत्र 2026-27 में प्रयास आवासीय विद्यालय की कक्षा 9 वीं में प्रवेश हेतु परीक्षा परिणाम के पश्चात विद्यार्थियों क़ा काउंसलिंग 22 जुलाई से 5 अगस्त 2026 तक काउंसलिंग सूची में प्रदर्शित आबंटित प्रयास आवास विद्यालयों में प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक भाग ले सकते है। काउंसिलिंग में अपने साथ प्रवेश पत्र, जाति-निवास प्रमाण पत्र, 8वीं उत्तीर्ण प्रमाण पत्र, विशेष पिछड़ी जनजाति प्रमाण पत्र, शाला स्थानांतरण प्रमाण पत्र, मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी चिकित्सा प्रमाण पत्र, कांउन्सलिंग पश्चात संबंधित प्रयास आवासीय विद्यालय में प्रवेश की पात्रता होने पर 3 दिवस के भीतर अनिवार्यतः जिला शिक्षा अधिकारी से काउन्टर हस्ताक्षरित स्थानांतरण प्रमाण पत्र एवं जिला चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी सिकल सेल जांच प्रमाण पत्र, 10 रूपए के नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर अल्पसंख्यक वर्ग अंतर्गत होने संबंधी नोटरी का सत्यापन प्रमाण पत्र, 2 स्वयं का पासपोर्ट साइज रंगीन फ़ोटो, यदि परिवार नक्सल हिंसा से सीधे प्रभावित हैं तो इस आशय का सम्बधित जिले के पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी प्रमाण पत्र लाना होगा।

समाचार संक्षेप

खण्ड स्तरीय बैठक में डिजिटल धोखाधड़ी रोकने व योजनाओं के क्रियान्वयन पर जोर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 23 जुलाई। बुधवार को खण्ड स्तरीय बैंकर्स समिति की मासिक बैठक जनपद पंचायत कार्यालय पलारी के सभाकक्ष में अग्रणी जिला प्रबंधक शिवकुमार कंवर की अध्यक्षता एवं पंकज देव मुख्य कार्यापलन अधिकारी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। डिज़िटल धोखाधड़ी को रोकने के लिए वित्तीय साक्षरता पर जोर देते हुए अग्रणी जिला प्रबंधक ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशन में आरोह एनजीओ संस्था जो सीएफ्एल के माध्यम से विभिन्न स्थानों में वित्तीय साक्षरता के लिए किए जा रहे कार्यो में बैंक मित्र, एफ्एलसीआरपी, पीआरपी सहयोग प्रदान करें।

बैठक में मुख्यतः शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर चर्चा हुई, जिसमें मुख्य रूप से प्रधामनंत्री पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के साथ स्व सहायता समूह लिंकेज एवं ऋण वितरण, एनआरएलएम योजना, कृषको को दिए जाने वाले ऋण किसान क्रेडिट कार्ड, डेयरी व्यवसाय, मछली पालन, पी एम स्वानिधि, पी एम विश्वकर्मा, अटल पेंशन योजना एवं प्रधानमंत्री फ्सल बीमा योजना इत्यादि पर भी चर्चा हुई। बैठक में सहायक मुख्य कार्यपालन अधिकारी एम कुजूर एवं ब्लॉक के सभी बैंकों के शाखा प्रबंधक और ब्लॉक के विभिन्न बैंकों में कार्य कर रहे बैंक मित्र, एफ्एलसीआरपी, पीआरपी बहुत संख्या में उपस्थित रहे।

मुण्डा में नि :शुल्क आयुष शिविर का 313 मरीजों ने उठाया लाभ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 23 जुलाई। संचलनालय आयुष रायपुर के निर्देशानुसार बुधवार को तहसील लवन अंतर्गत ग्राम मुण्डा में आयुष विभाग द्वारा निःशुल्क जांच व उपचार शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में ग्रामीणों ने मुफ्त ईलाज का लाभ उठाया जिसमें वात, शुगर, चर्म रोग संबंधित आयुर्वेद के 206 एवं होम्योपैथिक के 107 कुल 313 मरीज शामिल है। मरीजों का ईलाज डॉ.एल. एस ध्रुव, डॉ. नेक दत्त बरतामसी, डॉ विवेक वर्मा द्वारा किया गया।शिविर शुभारम्भ के दौरान ग्राम सरपंच, सचिव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना ने बदली दिव्यांग परस की जिंदगी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 23 जुलाई। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत् परस कमार का पक्का घर बन जाने से उसके जीवन में कई बदलाव आया।अब बार -बार मरम्मत नहीं करना पड़ रहा है।

कसडोल विकासखंड अंतर्गत ग्राम बल्दाकछार के निवासी परस कमार विशेष पिछड़ी जनजाति कमार समुदाय से संबंध रखते हैं। उनका जीवन संघर्ष, अभाव और कठिनाइयों से भरा रहा है। परस कमार पैर से दिव्यांग हैं, जिसके कारण रोजमर्रा के छोटे-छोटे कार्य भी उनके लिए किसी चुनौती से कम नहीं थे। बचपन में ही पिता का साया सिर से उठ गया और उनकी माताजी भी अति वृद्ध हैं, जो उम्र और कमजोरी के कारण स्वयं सहारे की मोहताज हैं।आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर थी कि वर्षों तक वे एक कच्चे और जर्जर मकान में रहने को मजबूर थे।

■ **कच्चे घर से पक्के आशियाने तक का भावुक सफर**

बरसात के दिनों में छत से टपकता पानी, ठंडी रातों में टूटती दीवारों से आती हवा, और गर्मी के मौसम में तपता हुआ घर यही उनकी जिंदगी की सच्चाई थी। हर मौसम उनके लिए एक नई परीक्षा लेकर आता था। रातों को कई बार यह डर सताता था कि कहीं कमजोर दीवारें ढह न जाएं। अपनी इस हालत को देखकर परस कमार का मन बार-बार टूट जाता था, लेकिन गरीबी के आगे वे बेबस थे।

जिला ऑडिटोरियम में राजस्व अधिकारियों को दिया गया डिजिटल क्रॉप सर्वे का प्रशिक्षण

बेहतर प्रशिक्षण लेकर शुद्ध गिरदावरी सुनिश्चित करें: कलेक्टर

■ **डिजिटल किसान किताब में बेहतर कार्य करने वाले पटवारी सम्मानित**

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 23 जुलाई। राजस्व विभाग के निर्देशानुसार वर्तमान खरीफ सीजन में किसानों द्वारा लागए गए फ्सल व रकबे की शुद्धता हेतु किये जाने वाले डिजिटल क्रॉप सर्वे का प्रशिक्षण बुधवार को जिला ऑडिटोरियम बलौदाबाजार में आयोजित की गई। प्रशिक्षण में एसडीएम, तहसीलदार, नायबतहसील, आरआई, पटवारी एवं आरईएओ शामिल हुए।

कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे शासन का महत्वपूर्ण अभियान है जिसमें पटवारियों की अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में बताए गये बारिक़ियों को गंभीरता से समझें ताकि डिजिटल क्रॉप सर्वे में कोई गलती न हो और गिरदावरी शुद्धतापूर्ण हो सके। उन्होंने पटवारियो को निर्देशित किया क़ि प्रशिक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की संशय

होने पर उसका समाधान जरुर समझ लें। उन्होंने कहा क़ि डिजिटल क्रॉप सर्वे के लिये सभी तहसीलो में सर्वेयर की नियुक्ति जल्द कर लें। पिछले वर्ष जिन सर्वयर के द्वारा ठीक से कार्य नहीं किया गया उन्हें 8स बार नियुक्त न करें। उन्होंने कहा क़ि पटवारी व आरआई डिजिटल क्रॉप सर्वे के साथ ही रूटीन कार्य बटांकन व सीमांकन कार्य में भी प्रगति लाएं।

कलेक्टर शर्मा ने कहा क़ि राज्य शासन द्वारा धान के बदले अन्य फ्सल को बढ़ावा देने के लिये कृषक उन्नति योजना अंतर्गत 15 हजार रुपए प्रति एकड आदान सहयता राशि किसानों को देय है। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियो को जिले के लिये इस वर्ष निर्धारित लक्ष्य 10 हजार एकड़ में धान के बदले अन्य फ्सल लगाने हेतु विशेष फोकस करने और किसानों को प्रोत्साहित करने कहा।इस दौरान डिजिटल किसान किताब बनाने में बेहतर कार्य करने वाले 15 पटवारियों को कलेक्टर शर्मा ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और डिजिटल क्रॉप सर्वे में भी अच्छा कार्य करने प्रोत्साहित किया।

बताया गया क़ि इस बार डिजिटल क्रॉप सर्वे हेतु आंकड़ों को सटीकता और विश्वनीयता बनाए रखने हेतु एआई का प्रयोग किया गया है जिसमें सर्वेयरों के फेस आधारित ई- केवायसी कार्य किया जाना ताकि फ़र्जी सर्वेयरों को रोका जा सके।एंगल बेस्ड कवरेज सिस्टम विकसित किया गया है ताकि गलत प्लॉट में सर्वे न किया जा सके।सर्वे के दौरान प्लॉट का धुँधला फ़ोटो या अस्पष्ट फ़ोटो ऐप द्वारा स्वीकार नहीं किया जा सकेगा ताकि पटवारी को अनुमोदन के समय फ्सल की स्पष्ट फ़ोटो अवलोकन के लिए प्रदर्शित हो। यदि संभव हो तो सर्वेयर द्वारा संबंधित कृषक की फ़ोटो भी लेने के निर्देश प्रशिक्षण में दिये गये है ताकि कृषक सर्वे कार्य के प्रति जागरूक हो तथा अपने खेत की गिरदावरी कार्य से संतुष्ट हो

इस अवसर पर अपर कलेक्टर निशा नेताम मड़ावी सहित एसडीएम, तहसीलदार नायब तहसील उपस्थित थे।

नाम परिवर्तन

नाबालिग पुत्री/पुत्र के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक/पालन द्वारा प्रमाणित)

मैं केवल राम छेदैया पिता श्री विजय सिंग पता ग्राम उदरीछापर तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव (छ.ग.) राज्य ने अपनी नाबालिग सुपुत्री का नाम मानवी छेदैया (पुराना नाम) से बदल कर कुमारी मानवी (नया नाम) रख लिया है।

केवलराम
माता/पिता/पालक के हस्ताक्षर

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मैं कुमारी पिता जीवन लाल निवासी ग्राम पीटेपानी पोष्ट-बागरेकसा थाना बोरतलाव तहसील-ला.ब.नगर जिला-राजनांदगांव छ.ग. की निवासी हूं। मेरे आधार कार्ड में नाम गोदावरी GODAVARI पिता जीवन लाल JEEVAN LAL अंकित हैं एव मैं अपने नया नाम परिवर्तन कर हिन्दी/अंग्रेजी कुमारी पिता जीवन लाल KUMARI D/O JEEVAN LALके नाम से जाना एव पहचाना जावे। सूचना जाने।

भवदीय
(कुमारी)

न्यायालय नायब तहसीलदार लाल बहादुर नगर के न्यायालय में मामला क्रमांकः
202607095000006/

विषय:- अ-6
मामले की श्रेणी:- राजस्व
सन:- 2025-2026
मांगीखुंटा प.ह.न. 00004 [6/3(2.0230 हे.)]
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार- धनीराम, मनीराम साहू, बलेश साहू, जगदीश साहू,
अनावेदक पक्षकार- धनीराम,

ईश्तहार

एतद सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक धनीराम साहू पिता स्व गोकुल साहू जाति तेली निवासी ग्राम मांगीखुटा तहसील लाल बहादुर नगर जिला राजनांदगांव द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि आवेदक के नाम से ग्राम मांगीखुआ में ख.नं. 6/3 रकबा 2.023 हे. भूमि स्थित है। आवेदक के पिता द्वारा आवेदक के नाम से संपूर्ण राजस्व अभिलेख में नाम दर्ज करवाया था। आवेदक के पिता को यह भी कहा गया था कि उक्त भूमि आपके सभी भाईयों का हक व हिस्सा रहेगा एवं अपने सभी भाईयों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज करवा देना। आवेदक अपने नाम के उक्त भूमि में अपने भाईयों एवं अपने पिता जी के वािरसानों का नाम दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर या आपत्ति हो तो वह ईश्तहार प्रकाशन दिनांक 24.07.2026 के भीतर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 10/07/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर

नायब तहसीलदार
लाल बहादुर नगर (छ.ग.)

एक नजर

विनीता शर्मा को पीएचडी

रायपुर, 23 जुलाई। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर ने विनीता शर्मा को हिन्दी विषय में गिरीश पंकज के कथा साहित्य में यथार्थबोध विषय पर शोधकार्य पूर्ण करने के उपरांत पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की है। उन्होंने अपना शोधकार्य शोध निर्देशक डॉ. राजेश दुबे, पूर्व प्राचार्य, शहीद राजीव पांडे शासकीय महाविद्यालय, भाटागांव (रायपुर) के निर्देशन तथा सह-शोध निर्देशक डॉ. सविता मिश्रा, पूर्व प्राचार्य, शासकीय राजीव लोचन स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजिम जिला- गरियाबंद के सह-निर्देशन में शासकीय दूधाधारी बजरंग महाविद्यालय, रायपुर स्थित शोध केंद्र में पूर्ण किया।

स्मार्ट मीटर के खिलाफ धरना-प्रदर्शन 25 को

रायपुर, 23 जुलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल असंगठित क्षेत्र समस्या निवारण प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मोहम्मद सिद्दीक ने बयान जारी कर बताया कि दिल्ली में छात्रों पर हुए लाठी चार्ज, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रत्येक ब्लॉक में ब्लॉक स्तरीय धरना प्रदर्शन की वजह से स्मार्ट मीटर को लेकर आयोजित धरने का कार्यक्रम संशोधित कर 25 जुलाई शनिवार किया गया है। स्मार्ट मीटरों को उखाड़ कर पुराने मीटर लगाने, नए स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया को तत्काल बंद करने और बेतहाशा बढ़कर आए बिजली बिलों को ठीक करने की मांग को लेकर 25 जुलाई शनि को कांग्रेसजनों द्वारा प्रातः 11:00 से दोपहर 2:00 बजे तक राजीव गांधी चौक पुराने फ़ायर ब्रिगेड के पास धरना दिया जाएगा।

किसानों के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू

रायपुर, 23 जुलाई। भारत में प्राइवेट सेक्टर की अग्रणी जनरल इंश्योरेंस कंपनी, एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को छत्तीसगढ़ सरकार ने खरीफ 2026 सीजन के लिए बालोद, बलौदाबाजार, बलरामपुर, बिलासपुर, दंतेवाड़ा, दुर्ग, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, मुंगेली, रायपुर, सरगुजा और सुकमा जिलों में ऋणी और गैर-ऋणी किसानों के लिए प्रधान मंत्री फ़सल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) लागू करने के लिए अधिकृत किया है। इन जिलों में इस योजना का क्रियान्वयन छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा योजना के अंतर्गत अधिसूचित निम्नलिखित फ़सलों के लिए किया जाएगा, जिनके लिए फ़सलों के अनुसार अंतिम तिथियाँ भी जारी कर दी गई हैं। पीएमएफबीवाई + ए1: जी18 खरीफ2026 जिले और फ़सल के अनुसार बीमा की राशि और किसान के लिए प्रीमियम की दर, प्रति हेक्टेयर।

कैंटाबिल ने खोला लाखेनगर में नया शोरूम

रायपुर, 23 जुलाई। देश की अग्रणी परिधान निर्माता और रिटेल कंपनी कैंटाबिल रिटेल इंडिया लिमिटेड ने छत्तीसगढ़ में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करते हुए रायपुर के लाखे नगर में अपना नया स्टोर शुरू किया है। यह राज्य में कंपनी का पांचवां शोरूम है। करीब 1700 वर्गफुट क्षेत्र में फैला यह नया स्टोर जी-फ्लोर, प्लॉट नंबर-59/866, खसरा नंबर-1044/2, फेज नंबर-46/62, जोन-5, वार्ड नंबर-40, लाखे नगर, रायपुर में स्थित है। नए शोरूम में पुरुषों और महिलाओं के लिए आधुनिक फैशन परिधानों का विस्तृत संग्रह उपलब्ध कराया गया है। पुरुषों के लिए फॉर्मल, कैजुअल और पार्टी वियर की आकर्षक श्रृंखला मौजूद है, वहीं महिलाओं के लिए कैजुअल, एथनिक और फॉर्मल परिधानों के साथ-साथ फैशनेबल एक्सेसरीज़ भी ग्राहकों के लिए उपलब्ध हैं। कंपनी का उद्देश्य ग्राहकों को एक ही स्थान पर बेहतर खरीदारी अनुभव प्रदान करना है।

निधन

सरोज कंसारी

रायपुर, 23 जुलाई। वरिष्ठ पत्रकार नंदकुमार कंसारी की धर्मपत्नी सरोज कंसारी (उम्र 56) का आकस्मिक निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार गृह ग्राम नवापारा राजिम में किया गया। वे प्रियांश व कनुप्रिया की माता थी। रायपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहन तिवारी, महासचिव गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, संयुक्त सचिव निवेदिता साहू, भूपेश जांगड़े एवं कार्यकारिणी सदस्यों सहित सभी सदस्यों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है।

कांग्रेस के 12 नेताओं समेत अन्य पर एफआईआर

कांच की बोतल और पत्थर फेंकने का आरोप

रायपुर, 23 जुलाई। भाजपा के कांग्रेस मुख्यालय घेराव के दौरान हुए बवाल में पुलिस ने एक और एफआईआर दर्ज की है। इस बार खम्हारडीह थाना प्रभारी निरीक्षक भावेश कुमार गौतम की शिकायत पर कांग्रेस के 12 नामजद नेताओं और अन्य कार्यकर्ताओं के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा, बल प्रयोग और कानून-व्यवस्था भंग करने सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का आरोप है कि प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की और पुलिस पर कांच की बोतल, पत्थर, लकड़ी तथा जूते फेंके।

एफआईआर के अनुसार, 22 जुलाई को प्रधानमंत्री आवास घेराव के विरोध में भाजपा के कांग्रेस मुख्यालय घेराव कार्यक्रम के दौरान राजीव भवन के सामने बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात था। इसी दौरान कांग्रेस कार्यालय की ओर से नारेबाजी करते हुए कार्यकर्ता बैरिकेडिंग की तरफ दौड़े। पुलिस ने उन्हें रोकने और समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे नहीं माने और पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की करने लगे।

पुलिस का आरोप है कि स्थिति बिगड़ने पर प्रदर्शनकारियों ने एकजुट होकर कांच की बोतलें, पत्थर, लकड़ी और जूते पुलिस बल पर फेंके। इस हमले में पीएसआई देवराज सिंह के सिर में चोट लगी, जबकि महिला आरक्षक सीमा बंजारे के हाथ में चोट आई। इसके अलावा कई अन्य पुलिसकर्मी भी घायल हुए। पुलिस का कहना है कि इस घटना से शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न हुई और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास किया गया।

एफआईआर में कांग्रेस नेताओं सुनील कुकरेजा, विनोद तिवारी, सकलेन कामदार, आकाश तिवारी, अजीत कुकरेजा, हनी बग्गा, शांतनु झा, गावेश साहू, खुबी डहरिया, सागर दुल्हानी, अजीज भिंसरा, अमित तिवारी सहित अन्य कार्यकर्ताओं को आरोपी बनाया गया है। सभी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 121(1), 132, 191 और 221 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना के वीडियो फुटेज, फोटोग्राफ और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की भूमिका की जांच की जा रही है। जरूरत पड़ने पर अन्य प्रदर्शनकारियों के नाम भी विवेचना के दौरान जोड़े जा सकते हैं।

नेताओं पर एफआईआर की कांग्रेस ने की निंदा

भाजपा का पलटवार, कहा- हर अपराध के पीछे ये लोग

रायपुर, 23 जुलाई। भाजपा के कांग्रेस मुख्यालय घेराव के दौरान हुए बवाल में पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर एफआईआर दर्ज किए जाने का कांग्रेस ने विरोध करते हुए इसे सरकार की फंसीवादी नीति बताया। वहीं भाजपा ने आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि हर अपराधों के पीछे कांग्रेस के लोग मिलते हैं।

कांग्रेस के संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने पार्टी नेताओं-कार्यकर्ताओं पर एफआईआर दर्ज किए जाने पर कहा कि कल सरकार के साथ बीजेपी के लोगों ने राजीव भवन पर हमला बोला था। कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पत्थर फेंके गए, पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर आंसू गैस के गोले छोड़े। कांग्रेस इसकी कड़ी निंदा करती है। हम इस मामले को लेकर राज्यपाल के पास जाएंगे।

वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद दुबे ने कहा कि भाजपा के नेताओं ने जूते-चप्पल और पत्थर फेंके गए, लेकिन कांग्रेस के नेताओं के खिलाफही एफआईआर दर्ज हो गया। यह फंसीवादी नीति है। कांग्रेस के दफ्तर में आकर मंत्रियों के द्वारा प्रदर्शन करना शोभा नहीं देता। बीजेपी के लोग ट्रैक्टर में पत्थर भरकर लाए थे। सत्ता पक्ष होकर अपने गुंडों को लाकर कांग्रेस भवन में पत्थर फेंका गया। कांग्रेस नेताओं के ऊपर एफआईआर की हम आलोचना करते हैं। प्रशासन निष्पक्ष कार्रवाई करें।

मामले में उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस ने कल जो रवैया अपनाया वह दुर्भाग्यजनक है। बीजेपी के आंदोलन के दौरान कांग्रेसियों ने डंडे लहराए। कांग्रेस पुलिस प्रशासन को धमकाने का काम कर रही है, लेकिन इनकी धमकियों से कोई डरने वाला नहीं है। गुंडे किस पार्टी में हैं हमने बखूबी देखा है। हर अपराधों के पीछे कांग्रेस के लोग मिलते हैं। उन्होंने कहा कि सड़क हो या सदन, कांग्रेसियों का आचरण ऐसा ही है। कांग्रेसियों के आचरण की सजा प्रदेश की जनता जरूर देगी।

पुलिस कमिश्नर शुक्ला ने घायल पुलिस जवानों से की मुलाकात

रायपुर, 23 जुलाई। भाजपा द्वारा राजीव भवन के घेराव के दौरान पत्थरबाजी में बड़ी संख्या में पुलिस के अधिकारियों कर्मचारियों चोटिल हो गए थे। घायल पुलिस कर्मियों को उपचार हेतु निजी चिकित्सालय में भर्ती किया गया है जहां उनका उपचार जारी है।

घटना की जानकारी मिलते ही रायपुर के पुलिस कमिश्नर डॉ संजीव शुक्ला ने अस्पताल पहुंच भर्ती पुलिस जवानों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों से घायल जवानों के स्वास्थ्य एवं उपचार की विस्तृत जानकारी ली तथा सभी घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए।

उन्होंने जवानों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। घायल जवान कलेश्वर वर्मा ने बताया कि बैरिकेटिंग के दौरान भीड़ के बीच फंस जाने से उन्हें सांस लेने में परेशानी हुई, जिसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल लाया गया।

वहीं, प्रशिक्षु उप निरीक्षक (पीएसआई) देवराज सिंह के सिर पर बोतल लगने से गंभीर चोट आई है, जिनका उपचार चिकित्सकों की निगरानी में जारी है। अन्य घायल आरक्षकों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। इस दौरान पुलिस उपायुक्त (मध्य) तारकेश्वर पटेल, एसीपी नोलेश द्विवेदी, टीआई राजेश मरई सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस भवन घेराव में शामिल मंत्री एवं विधायकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने डीजीपी को पत्र

रायपुर, 23 जुलाई। पूर्व संसदीय सचिव एवं छाया सांसद विकास उपाध्याय एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने संयुक्त रूप से कहा कि 22 जुलाई को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष, मंत्री, विधायकों द्वारा अराजकता फैलाने के लिये कांग्रेस भवन का घेराव किया गया। जबकि इस घेराव कार्यक्रम में शासन के दो उप मुख्यमंत्री एवं मंत्रिगण शामिल रहे और इन्हें पुलिस सुरक्षा उपलब्ध थी और इनके ही ईशारे पर आँसूगैस के गोले कांग्रेसियों पर छोड़े गये एवं लाठियां भी भांजी गई। उपाध्याय ने डीजीपी को पत्र लिखकर समस्त घटनाक्रम की फोटो वीडियो की जाँच करने की मांग की और जिस प्रकार कांग्रेसियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया है उसी प्रकार भारतीय जनता पार्टी के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, उप मुख्यमंत्री अरूण साव, मंत्री टंकराम वर्मा, ओ.पी. चैधरी, गुरु खुशवंत साहब, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, राजेश मूणत, अनुज शर्मा, सुनील सोनी सहित अन्य सदस्यों पर भी एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। क्योंकि यह कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रायोजित था और प्रदेश के माहौल को खराब करने की एक साजिश थी।

उपाध्याय ने बताया कि कांग्रेसीगण अपने कांग्रेस भवन में हमेशा की तरह उपस्थित थे लेकिन सिर्फ कांग्रेसियों के ऊपर ही एफआईआर दर्ज करना साफ दिखा रहा है कि भारतीय जनता पार्टी के दबाव में पुलिस कार्यवाही कर रही है जबकि यह कार्यक्रम बीजेपी के द्वारा घोषित था उसके बाद भी बीजेपी के किसी भी सदस्य के ऊपर एफआईआर दर्ज नहीं किया गया है। उपाध्याय ने कहा कि अगर बीजेपी के सदस्यों के ऊपर एफआईआर दर्ज नहीं किया गया तो सड़क की लड़ाई लड़ी जायेगी और न्यायालय का सहारा लिया जायेगा। छत्तीसगढ़ में दो कानून चल रहा है, जहाँ षड़यंत्रकारियों को बचाया जा रहा है वहीं निर्दोषों को फंसाने का काम सत्ता के दबाव में प्रदेश की पुलिस कर रही है। कांग्रेस पार्टी पुलिस के इस रवैये की निंदा करती है।

यूसीसी पर आदिवासियों को भ्रमित कर रहे बैज : भाजपा

रायपुर, 23 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज द्वारा समान नागरिक संहिता (यूसीसी) और बस्तर को लेकर दिए गए बयान पर तीखा पलटवार किया है। ठोकने ने कहा कि कांग्रेस और बैज यूसीसी के नाम पर प्रदेश के आदिवासियों को भ्रमित करने और उनमें डर फैलाने का घटिया राजनीतिक खेल खेल रहे हैं। असलियत यह है कि कांग्रेस का चरित्र ही हमेशा से घोर आदिवासी विरोधी रहा है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ठोकने ने कहा कि बैज का यह दावा पूरी तरह निराधार और हास्यास्पद है कि यूसीसी से आदिवासियों का नुकसान होगा या उनके संवैधानिक अधिकार छिन जाएंगे। कांग्रेस शासनकाल में ही बस्तर और पूरे प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अवैध धर्मांतरण के एजेंडे को खुली शह दी गई, जिससे आदिवासियों की मूल संस्कृति, परम्पराओं और रीति-रिवाजों को सबसे गहरा आघात पहुँचा। कांग्रेस ने हमेशा आदिवासियों को महज एक वोट बैंक समझकर उनका शोषण किया और धर्मांतरण करने वाले गिरोहों को संरक्षण दिया। ठोकने ने कहा कि भाजपा और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार आदिवासियों के अधिकारों, जल-जंगल-जमीन, 5वीं अनुसूची और 'पेसा कानून' के प्रति पूरी तरह समर्पित है। भाजपा सरकार में किसी भी आदिवासी भाई-बहन के संवैधानिक अधिकारों या उनकी जमीन पर कोई आँच नहीं आ सकती।

तंत्रिका संबंधी रोग दुनिया में दिव्यांगता का सबसे बड़ा कारण

रायपुर, 23 जुलाई। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, तंत्रिका संबंधी रोग अब पूरी दुनिया में दिव्यांगता का सबसे बड़ा कारण बन चुके हैं। विश्व की 40 प्रतिशत से अधिक आबादी, यानी 3.4 अरब से ज्यादा लोग मस्तिष्क, मेरुदंड और तंत्रिका तंत्र से जुड़ी किसी न किसी बीमारी से प्रभावित हैं। हर वर्ष इन बीमारियों के कारण 1.1 करोड़ से अधिक लोगों की मृत्यु होती है। यही वजह है कि तंत्रिका संबंधी रोग आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में शामिल हो चुके हैं।

इन बीमारियों में स्ट्रोक सबसे बड़ी चिंताओं में से एक है। भारत में हर वर्ष लगभग 12.5 लाख नए स्ट्रोक के मामले सामने आते हैं। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, पिछले तीन दशकों में इनकी संख्या लगातार बढ़ी है। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा, तंबाकू का सेवन, मानसिक तनाव, अपर्याप्त नींद, अस्वस्थ जीवनशैली और बढ़ती आयु इसके प्रमुख कारण हैं। इसके साथ ही मधुमेह और उच्च रक्तचाप की दवाओं का अनियमित सेवन तथा नियमित चिकित्सकीय जांच और फॉलो-अप की कमी इस जोखिम को और अधिक बढ़ा रही है।

सभी के लिए मस्तिष्क स्वास्थ्य विषय पर मना या रहे विश्व मस्तिष्क दिवस के अवसर पर रामकृष्ण केयर अस्पताल के तंत्रिका रोग विशेषज्ञों ने लोगों से जागरूक रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि तंत्रिका संबंधी रोगों के उपचार में चिकित्सा विज्ञान ने उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन आज भी अधिकांश मरीज शुरुआती चेतावनी संकेतों को पहचान नहीं पाते या उन्नत न्यूरो साइंस सुविधा वाले अस्पताल तक पहुंचने में देर कर देते हैं।

उप सचिव अंशिका पांडेय के तबादले पर अड़ा मंत्रालयीन कर्मचारी संघ

रायपुर, 23 जुलाई। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) में पदस्थ उप सचिव अंशिका पाण्डेय के स्थानांतरण की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ मंत्रालयीन कर्मचारी संघ ने शासन को 15 दिनों का अल्टीमेटम दिया है। संघ ने विभाग के सचिव को स्मरण-पत्र सौंपते हुए कहा है कि यदि निर्धारित अवधि के भीतर स्थानांतरण संबंधी निर्णय नहीं लिया गया, तो कर्मचारी हितों की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक एवं वैधानिक तरीके से आंदोलन प्रारंभ किया जाएगा।

संघ के अध्यक्ष चन्द्रकांत पाण्डेय ने स्मरण-पत्र के जरिए बताया कि अंशिका पाण्डेय पिछले पाँच वर्षों से अधिक समय से मंत्रालय (महानदी भवन) में पदस्थ हैं। संघ का दावा है कि यह सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 23 फरवरी को जारी परिपत्र की भावना के विपरीत है, जिसमें सामान्यतः अधिकारियों एवं कर्मचारियों के एक ही स्थान पर लंबे समय तक पदस्थ रहने से बचने का प्रावधान किया गया है।

संघ ने यह भी उल्लेख किया है कि इस विषय पर 23 जून को मुख्य सचिव को विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया था, जिसमें विभिन्न तथ्यों एवं अभिलेखों के आधार पर स्थानांतरण की मांग की गई थी। संघ का कहना है कि एक माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया, जिससे मंत्रालय के कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त है।

स्मरण-पत्र में कहा गया है कि मंत्रालय में पारदर्शी, निष्पक्ष एवं जवाबदेह प्रशासन सुनिश्चित करना शासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। संघ का मत है कि स्थानांतरण नीति का समान रूप से पालन होने से प्रशासनिक निष्पक्षता और कर्मचारियों का विश्वास दोनों सुदृढ़ होंगे।

संघ ने चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर मांग पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो वह लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक दायरे में रहकर चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा करेगा। संघ का कहना है कि ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाली प्रशासनिक परिस्थितियों की जिम्मेदारी शासन एवं प्रशासन की होगी।

प्रदर्शन

रायपुर, 23 जुलाई। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर रायपुर जिला शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन के नेतृत्व में सरदार बल्लभ भाई पटेल ब्लाक में धरना-प्रदर्शन किया गया।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण

रायपुर, 23 जुलाई। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से आज जिला पंचायत संसाधन केंद्र, बेमेतरा में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना योगेश तिवारी, जिला पंचायत के समस्त सदस्य एवं जिला पंचायत के अधिकारी-कर्मचारियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने अपनी माताओं के सम्मान और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए पौधे लगाए तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने यह संदेश दिया कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण करना भी प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना योगेश तिवारी ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान केवल वृक्षारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति, मातृत्व और पर्यावरण के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक प्रेरणादायी जन अभियान है। उन्होंने कहा कि आज जलवायु परिवर्तन, बढ़ते तापमान और जल संकट जैसी चुनौतियों का प्रभावी समाधान अधिक से अधिक वृक्षारोपण और उनके संरक्षण में ही निहित है।

छत्तीसगढ़ की बेटी सातोविशा एनएचआरसी की डायरेक्टर नियुक्त

रायपुर, 23 जुलाई। छत्तीसगढ़ कैडर की वर्ष 2010 बैच की दूसरा सातोविशा समाजदार को केंद्र सरकार ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। उन्हें एनएचआरसी नई दिल्ली में डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने उनकी नियुक्ति का आदेश जारी किया है।

छत्तीसगढ़ कैडर की भारतीय वन सेवा अधिकारी सातोविशा समाजदार को केंद्र सरकार ने बड़ा दायित्व सौंपा है। वर्ष 2010 बैच की आईएफएस अधिकारी को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने 22 जुलाई 2026 को इसका आदेश जारी कर दिया। यह नियुक्ति केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर की गई है। इससे छत्तीसगढ़ कैडर की एक और अधिकारी राष्ट्रीय स्तर की अहम संस्था में पहुंच गई हैं।

वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना का उद्देश्य हर जरूरतमंद तक राशन पहुंचाना : बृजमोहन

रायपुर, 23 जुलाई। सांसद एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने लोकसभा में छत्तीसगढ़ समेत देशभर के ग्रामीण, आदिवासी और श्रमिक परिवारों की उस परेशानी को मजबूती से उठाया, जिसका सामना वे राशन लेते समय अक्सर करते हैं। उन्होंने कहा 'वन नेशन, वन राशन कार्ड' योजना का उद्देश्य हर जरूरतमंद तक राशन पहुंचाना है, लेकिन कई जगह बायोमेट्रिक फिंगरप्रिंट मैच नहीं होने, इंटरनेट और सर्वर की समस्या जैसी तकनीकी बाधाओं के कारण पात्र हितग्राहियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। तकनीकी दिक्कतें किसी गरीब परिवार के भोजन में रुकावट नहीं बननी चाहिए। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि अब आइरिस स्कैन, फ्यूजन फिंगर, आधार आधारित ओटीपी और फेस प्रमाणीकरण जैसे वैकल्पिक प्रमाणीकरण के माध्यम उपलब्ध हैं।

कैट ने स्वास्थ्य मंत्री को सौंपा ज्ञापन

रायपुर, 23 जुलाई। कैट के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी के नेतृत्व में कैट छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने आज छत्तीसगढ़ शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री माननीय श्याम बिहारी जायसवाल से सौजन्य भेंट कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में भारत सरकार के भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा 10 मार्च 2026 को जारी अधिसूचना के अनुरूप खाद्य व्यवसाय लाइसेंस एवं पंजीयन की निरंतर वैधता व्यवस्था को छत्तीसगढ़ में भी शीघ्र लागू करने का आग्रह किया गया।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26